THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.14 2080 सोमवार, 25 दिसंबर-2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

5 लाख की गारंटी

नए साल में 5 लाख बढ़ेंगे

FIXED PRICE GUARANTEED

NO MIDDLE-MEN

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

88% SOLD OUT

12% UNITS LEFT

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट		आज की रेट	जनवरी '24 की रेट	पजेशन की रेट	पजेशन के बाद रेंटल POSSESSION DEC. 2025
युनिट टाइप	साइज				
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	1350 Sq Ft	54 LACS	56.25 LACS	67.50 LACS	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	60 LACS	62.50 LACS	75 LACS	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	1900 Sq Ft	66 LACS	68.75 LACS	82.50 LACS	28,000
3 BHK BIG कोठी	2000 Sq Ft	72 LACS	75 LACS	90 LACS	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	2325 Sq Ft	84 LACS	87.50 LACS	105 LACS	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	3200 Sq Ft	120 LACS	125 LACS	150 LACS	50,000

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की कायराना हरकत

मस्जिद में अजान देने गए रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर की हत्या

जम्मू, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर के बारामूला जिले में एक रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। संदिग्ध आतंकी गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। आतंकियों ने मस्जिद पर गोलीबारी भी की है। पिछले कुछ दिनों में आतंकियों की कायरना हरकत बढ़ती ही जा रही है। पूंछ में सेना के वाहन पर छिपकर हमला करने के बाद अब उन्होंने रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है।

कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर बताया है कि आतंकियों ने गांटमुला, शीरी बारामूला के रहने वाले मोहम्मद शफी के ऊपर हमला किया। रिटायर्ड एसएसपी के ऊपर गोलियां बरसाई गईं। उनके ऊपर ये हमला उस वक्त हुआ, जब वह मस्जिद में अजान दे रहे थे। गोली लगने की वजह से उनकी जान चली गई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया है कि पूरे इलाके को घेर लिया गया है। लोगों से इस इलाके से दूर रहने को कहा गया है और मामले की जांच की जा रही है।

2028 में अंतरिक्ष में भारत बनाएगा अपना 'घर'

पृथ्वी का हर रोज लगेगा चक्कर, स्पेस स्टेशन बनने से क्या-क्या होंगे फायदे

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने 2028 तक भारत का पहला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन लॉन्च करने का ऐलान किया है। भारत ने पिछले डेढ़ दशक में स्पेस सेक्टर में बड़ी कामयाबी हासिल की है। चंद्रमा पर लैंडर उतारना हो या फिर मंगल ग्रह तक मिशन पहुंचाना या फिर ढेरों सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में भेजना। भारत ने हर साल स्पेस में बढ़त ही हासिल की है और अब उसका मकसद स्पेस में अपना 'घर' यानी स्पेस स्टेशन बनाना है। इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बताया है कि स्पेस स्टेशन के शुरुआती मॉड्यूल को कब लॉन्च किया जाएगा। उन्होंने कहा है कि अगले पांच सालों के भीतर यानी 2028

तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के हमारे शुरुआती मॉड्यूल को ऑर्बिट में पहुंचा दिया जाएगा। पहला मॉड्यूल 8 टन वजन वाला होगा। उन्होंने कहा कि भारत अमृत काल के भीतर की अपना 'भारत स्पेस स्टेशन' स्थापित करना चाहता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि स्पेस स्टेशन से देश को क्या फायदा होने वाला है।

किन देशों के पास हैं स्पेस स्टेशन?

स्पेस में अभी दो स्पेस स्टेशन हैं, इसमें से एक चीन का 'तियानगोंग स्पेस स्टेशन' है, जबकि दूसरा 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' है, जिसे दर्जन भर देशों ने मिलकर तैयार किया है। चीन का तियानगोंग स्पेस स्टेशन 2022 से ही ऑपरेशनल है। वर्तमान में इस पर तीन एस्ट्रोनोट्स भी मौजूद हैं। ये पृथ्वी से 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर चक्कर लगा रहा है। चीन ने पहले भी दो 'अस्थायी स्पेस स्टेशन', तियांगोंग-1 और तियांगोंग-2 को ऑर्बिट में भेजा था। अगर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) की बात करें, तो ये प्रसिद्ध स्पेस स्टेशन है। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नासा, रूस की रोस्कोमोस, जापान की जाक्सा, यूरोप की ईएसए और कनाडा की सीएसए ने मिलकर इस स्टेशन को तैयार किया। ये सभी मिलकर आईएसएस को कंट्रोल करते हैं। आईएसएस को 1998 में लॉन्च किया गया था। ये पृथ्वी से 400 किलोमीटर ऊपर चक्कर लगा रहा है। स्पेस में भेजा गया ये इंसान का बनाया सबसे बड़ा स्ट्रक्चर है।

मणिपुर में बड़ी हिंसा की साजिश का भंडाफोड़

तलाशी अभियान में मिले गोला-बारूद के भंडार

इंफाल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त तलाशी अभियान में बड़ी हिंसा की साजिश का भंडाफोड़ किया है। नोनी जिले के कोबुरु रिज में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। इनपुट के आधार पर असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने बीते दिन एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया था, जिसमें ये भंडाफोड़ हुआ। संयुक्त तलाशी में एक एके 56 राइफल, एक सिंगल बैरल बंदूक, गोला-बारूद, छह ग्रेनेड और युद्ध जैसे भंडार बरामद हुए।

6 दिसंबर को भी असम राइफल्स ने सीमा सुरक्षा बल, भारतीय रिजर्व बटालियन और चुराचांदपुर पुलिस के साथ एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान में चुराचांदपुर जिले के डी हाओलेनजांग गांव के बाहरी इलाके में हथियार और युद्ध जैसे भंडार बरामद किए गए थे। इससे पहले इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर सरकार से जातीय हिंसा में नष्ट हुए पूजा स्थलों को बहाल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में अदालत द्वारा नियुक्त समिति को विवरण देने को कहा। बता दें कि मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदायों से जुड़ी हिंसा 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) की एक रैली के बाद भड़की थी। हिंसा और दंगे जारी रहने और कई लोगों की जान जाने के कारण, केंद्र को शांति बहाल करने के लिए अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा था।

डीएमके सांसद दयानिधि मारन के बिगड़े बोल

कहा- 'यूपी और बिहार से आने वाले लोग तमिलनाडु में टॉयलेट साफ़ करते हैं'

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दक्षिण भारत के राज्यों में उत्तर भारतीयों के अपमान और उनका तिरस्कार करने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। यह तिरस्कार अक्सर आम लोगों के द्वारा किया जाता था। लेकिन अब इसमें वहां के राजनेता और सरकारें भी शामिल होती हुई दिख रही हैं। ऐसा ही एक मामला तमिलनाडु से सामने आया है। यहां के डीएमके सांसद दयानिधि मारन ने कहा है कि तमिलनाडु में सिर्फ टॉयलेट और सड़कें साफ़ करते हैं।

क्या बोले डीएमके सांसद दयानिधि मारन?

डीएमके सांसद ने कहा कि यूपी-बिहार के हिंदी बोलने वाले लोग हमारे राज्य में आकर टॉयलेट और सड़क साफ करते हैं। वे सिर्फ हिंदी सीखते हैं। उन्हें अंग्रेजी बोलनी नहीं आती। जो अंग्रेजी सीखते हैं, वे आईटी कंपनियों में

अच्छी नौकरी करते हैं। उनका यह बयान सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। दयानिधि मारन के बयान पर हमला बोलते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि इनकी एक बार फिर डिवाइड एंड रूल की मंशा है। शहजाद ने कहा कि सबसे पहले राहुल गांधी ने उत्तर भारतीय मतदाताओं को गाली दी। इसके बाद रेवंत रेड्डी ने बिहार के डीएनए को भला-बुरा कहा। इसके बाद डीएमके सांसद सेंथिल कुमार ने उत्तर के राज्यों को गौमूत्र वाले राज्य बताया था। अब दयानिधि मारन हिंदी भाषियों और उत्तर का अपमान करते हैं। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेताओं की हिंदुओं और सनातन को गाली देना तथा बांटो और राज करो का कार्ड खेलना एकमात्र मकसद है। उन्होंने कहा कि क्या नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव, लालू यादव, कांग्रेस, सपा और अखिलेश यादव सब दिखावा करेंगे कि ऐसा नहीं हो रहा है? वे कब स्टैंड लेंगे?

गिरिराज सिंह ने भी बोला हमला

वहीं डीएमके सांसद के इस बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके की भाषा देश को तोड़ने वाली भाषा है। अगर बिहार के लोग कहीं जाते हैं चाहें तमिलनाडु जाएं, कर्नाटक जाएं, वो स्वाभिमान के साथ अपना काम करते हैं। वह मजदूरी करते हैं और स्वाभिमान के साथ मजदूरी करना कोई गुनाह नहीं है। और उसे राज्य के विकास में वह अपना योगदान देते हैं। ऐसी भाषा बोल करके देश को अपमानित करने का काम डीएमके और उनके नेता कर रहे हैं। इन्होंने यह काम पहले भी किया है। इन्होने पहले सनातन को खत्म करने की बात कही। अब मजदूरों पर प्रहार कर रहे हैं। यह बेहद ही दुर्भाग्य की बात है।

कुत्ते के भौंकने से नाराज व्यक्ति ने कर दी महिला की हत्या

इंदौर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। इंदौर के मूसाखेड़ी इलाके में शनिवार रात एक व्यक्ति ने पालतू कुत्ते के भौंकने से नाराज होकर उसकी मालकिन की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी व्यक्ति को गरिफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मध्य प्रदेश इंदौर के मूसाखेड़ी इलाके में शनिवार रात शांति नगर निवासी व्यक्ति अपनी दुकान बंद कर घर जा रहा था। रात करीब 10.30 बजे, जब वह एक सामुदायिक हॉल के पास था तभी एक पालतू कुत्ते ने उस पर भौंकना शुरू कर दिया। कुत्ते के डर से व्यक्ति वहीं रुक गया। डर के कारण वह सड़क पार नहीं कर पाया। आजादनगर पुलिस थाना प्रभारी नीरज मेधा ने बताया कि वह आदमी चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर कुत्ते की मालकिन 65 वर्षीय महिला बाहर आई। इस दौरान दोनों के बीच बहस होने लगी। तभी व्यक्ति ने कथित तौर पर महिला के पेट में लात मारी और वह सड़क पर गिर गई,

इंदौर में हुकुमचंद मिल के कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे पीएम मोदी

30 साल बाद मजदूरों को मिलेगा उनके हक का पैसा

इंदौर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के हुकुमचंद मिल्स इंदौर के एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 दिसंबर को वर्चुअली शामिल होंगे। इस दिन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती भी है। इस कार्यक्र के दौरान 30 साल के अंतराल के बाद मिल श्रमिकों को उनका लंबित बकाया मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद हेलीकॉप्टर से अल्प प्रवास पर इंदौर एयरपोर्ट आए हैं। यहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की एयरपोर्ट पर एक संयुक्त बैठक ली है। इस बैठक में इंदौर में कन्केश्वरी धाम में 25 दिसंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की गई

स्वच्छता को लेकर दिए ये निर्देश

इस दौरान डॉ। मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि वह जल्द ही इंदौर संभाग की संभागीय स्तर की समीक्षा बैठक लेंगे। इस बैठक के पहले वह बैठक संबंधी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ले। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वयन जनप्रतिनिधियों को साथ में लेकर करें। उन्होंने नगर निगम आयुक्त से कहा कि स्वच्छता की ओर विशेष ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर का जो गौरव बना है वह कायम रहे। उन्होंने इंदौर जिले के कानून व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। बैठक में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा और गोलू शुक्ला आदि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव ने शनिवार को मंत्रालय में हुकुमचंद मिल्स कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। सीएम ने इंदौर प्रशासन को निर्देश दिया कि वह यह सुनिश्चित करें कि सभी श्रमिकों को सीधे उनके खाते में राशि मिले। इस संबंध में जिला प्रशासन के अधिकारी श्रमिक संगठनों से भी बात करेंगे। इससे 4,800 श्रमिकों से जुड़े लगभग 25,000 परिवार लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम का आयोजन कनकेश्वरी धाम परिसर में किया जाएगा। बैठक में उन्होंने राज्य की विभिन्न बंद मिलों और उनके लंबित बकाये के बारे में भी जानकारी ली

बिहार में गुजरात का शराबबंदी मॉडल हो लागू

जीतनराम मांझी ने इन दलीलों के साथ सीएम नीतीश से की मांग

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में शराब बेचने और पीने का समर्थन करते हुए बिहार सरकार को अपना सुझाव दिया है। जीतन राम मांझी ने गुजरात की तर्ज पर राज्य में शराब की खपत पर नियमों में ढील देने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार में गुजरात का शराबबंदी का नया मॉडल लागू करना चाहिए क्योंकि इससे व्यापार और विदेशी मुद्रा में वृद्धि होगी। जीतनराम मांझी ने बड़ी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि बिहार को लगातार राजस्व का नुकसान हो रहा है। 2016 में हुई शराबबंदी के कारण राज्य में पर्यटन को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। मैंने यह बार-बार कहा है कि सीमित मात्रा में शराब का सेवन गरीबों और मजदूर वर्ग सहित लोगों के लिए फायदेमंद है। मैं ऐसा निर्णय लेने के लिए गुजरात सरकार को धन्यवाद देता हूं। अगर बिहार में भी ऐसा किया जाए तो विदेशी मुद्रा में 10 गुना वृद्धि होगी। जीतन राम मांझी ने नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा '2005 से 2010 तक उन्होंने हर घर में शराब उपलब्ध कराई और आज वह कह रहे हैं कि वह शराब पीने के खिलाफ हैं।' 2016 में बिहार सरकार ने राज्य भर में शराब की बिक्री, खरीद, खपत, निर्माण और भंडारण पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया। यदि कोई भी इस कानून का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो भारी जुर्माना और सख्त सजा का प्रावधान है।

आप से संजय सिंह और सुशील गुप्ता

फिर जा सकते हैं राज्यसभा? एनडी गुप्ता की हो सकती है विदाई

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। नए साल की शुरुआत में अब महज सप्ताह भर का समय शेष बचा है। नए साल की शुरुआत के साथ ही सभी राजनीतिक दल लोकसभा चुनावों की तैयारियों को तेज कर जीत को सुनिश्चित करने के लिए पूरे दम-खम के साथ जुट जाएगी। लेकिन इससे पहले साल की शुरुआत राज्यससभा के सदस्यों के चुनाव के साथ होगी। दिल्ली में तीन राज्यसभा सदस्यों के लिए 10 जनवरी से नॉमिनेशन शुरू होगा। इसके लिए 2 जनवरी को अधिसूचना जारी होगी। इसके बाद ही पता चल पाएगा कि 19 जनवरी को कौन-कौन राज्यसभा पहुंचेंगे।

संजय सिंह और सुशील गुप्ता का दोबारा राज्यसभा पहुंचना लगभग तय

बता दें कि, दिल्ली से अभी संजय सिंह, सुशील कुमार गुप्ता और नारायण दास गुप्ता

राज्यसभा के सदस्य हैं और इनका कार्यकाल 27 जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा में आम आदमी पार्टी ने प्रचंड बहुमत के साथ 62 सीटें जीती थी, और बीजेपी 8 सीटों पर जीत के साथ मुख्य विपक्षी दल है। आप की तरफ से राज्यसभा सांसदों के लिए भेजे जाने वाले नामों की बात करें तो अटकलें हैं कि शराब घोटाला मामले में तिहाड़ जेल में बंद वर्तमान राज्यसभा सांसद संजय सिंह को पार्टी दोबारा राज्यसभा भेज सकती है। जबकि हरियाणा के पार्टी अध्यक्ष सुशील गुप्ता को भी दूसरा मौका मिलने की पूरी संभावना है। पार्टी सूत्रों की मानें तो हरियाणा में पार्टी की जमीन तैयार करने में दिन-रात जुटे रहने वाले सुशील कुमार गुप्ता को हरियाणा में विधानसभा चुनाव को देखते हुए एक बार फिर से संसद भेजा जा सकता है।

एनडी गुप्ता की विदाई तय तीसरे नाम की रेस में कई चेहरे

वहीं नारायण दास गुप्ता की विदाई तय मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि बढ़ती उम्र एवं व्यक्तिगत कारणों से उन्होने सक्रिय राजनीति से फिलहाल खुद को दूर कर रखा है। जिसे देखते हुए तीसरे नाम को लेकर पार्टी की तरफ से मंथन जारी है। तीसरे सदस्य के नाम की रेस में जो नाम सबसे आगे चल रहा है वह है जस्मीन शाह।

उसके बाद, केजरीवाल के विश्वासी और आंदोलन की सहयोगी अवस्थी का नाम सामने आ रहा है। राज्यसभा सांसद बनने से पहले संदीप पाठक भी अस्वथी के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय में बैंक एंड पर प्रबंधन कार्य संभाल रहे थे। हालांकि, अभी तक पार्टी की तरफ से किसी के भी नाम को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं कि गई है। बता दें कि पंजाब के 7 और दिल्ली के 3 राज्यसभा सांसदों को मिला कर आप के पास कुल 10 राज्यसभा सांसद हैं। जिनमें से दिल्ली के तीन सांसदों का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

केरल की विजयन सरकार के दो मंत्रियों ने दिया इस्तीफा

इन दो नेताओं को मिलेगी जिम्मेदारी

कोच्चि, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल की पिनाराई विजयन सरकार के दो मंत्रियों ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। परिवहन मंत्री एंटनी राजू और बंदरगाह मंत्री अहमद देवरकोविल ने मुख्यमंत्री पिनरई विजयन को अपना इस्तीफा सौंपा है। इनकी जगह अब केबी गणेश और कडन्नप्पल्ली रामाचंद्रन नए मंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह 29 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा। इस्तीफा कैबिनेट फेरबदल का हिस्सा सूत्रों के मानें तो मंत्रियों का इस्तीफा कैबिनेट फेरबदल का हिस्सा है। क्योंकि विधानसभा चुनाव के बाद यह तय हुआ था कि विजयन सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद सरकार में शामिल एलडीएफ के दो मंत्री अपने पदों से इस्तीफा देंगे और उनकी जगह नए मंत्री शपथ लेंगे। इसके समझौते के चलते एंटनी राजू और देवरकोविल ने इस्तीफा दिया है। दोनों मंत्रियों की जगह अब केबी गणेश कुमार और रामचंद्रन कडन्नप्पल्ली कैबिनेट मंत्री का पद संभालेंगे।

पटियाला जेल में हत्या के मामले में अंडर ट्रायल कैदी की सेल्फी का मामला सामने आ गया

चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पटियाला जेल में हत्या के मामले में अंडर ट्रायल कैदी की सेल्फी का मामला सामने आ गया है। इस पर पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि यह सत्य है तो इससे दुखद और कुछ नहीं हो सकता। यह फोटो शिकायतकर्ता ने आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सौंपी थी। हाईकोर्ट ने इस पर अब एडीजीपी जेल को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। जमानत याचिका दाखिल करते हुए हत्या के मामले में आरोपी ने नियमित जमानत देने की मांग की थी। याची ने हिरासत की लंबी अवधि और इस मामले में भूमिका न होने की दलील दी थी। सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पक्ष ने हाईकोर्ट के समक्ष सोशल मीडिया पर मौजूद कुछ फोटो सौंपी। यह फोटो जेल में ली गई थी और इसमें आरोपी के साथ जेल में मौजूद अन्य कैदी भी थे। कोर्ट ने एक फोटो में पाया कि कई कैदी इसमें मौजूद हैं, जिनके हाथ में मोबाइल फोन हैं। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार जेल में खुलेआम मोबाइल का इस्तेमाल हो रहा है और जेल प्रशासन हाथ पर हाथ रखे बैठा है। अंडर ट्रायल कैदी की इस प्रकार सोशल मीडिया पर फोटो होना व्यवस्था पर सवाल उठाता है। ऐसे में हाईकोर्ट ने अब इस मामले में पंजाब के एडीजीपी जेल को आदेश दिया है कि वे इस मामले और जेल में प्रतिबंधित वस्तुओं के इस्तेमाल को लेकर अगली सुनवाई पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करें। संगरूर की जेल में पोक्सो एक्ट में विचाराधीन कैदी की ओर से पीड़िता को मोबाइल से जेल का वीडियो भेजने की अदालत को जानकारी दी गई थी।

चार लाख करोड़ रुपए के कर्ज में डूबी एमपी सरकार

चुनावी वादों को पूरा करने के लिए फिर मांगा लोन

भोपाल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव जीतने के लिए किए गए लोकलुभावन वादों को लोकसभा चुनाव से पहले पूरा करना पूरा करना मध्य प्रदेश की सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। एक तरफ सरकार पर वादों को पूरा करने के लिए जनता और विपक्ष का दबाव है। वहीं, राज्य की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल है। हालात ये है कि मोहन यादव सरकार को सत्ता संभालते ही आरबीआई से कर्ज लेने की जरूरत पड़ गई है।

सरकार आरबीआई से लेगी 2000 रुपए का कर्ज

दरअसल, शपथ लेने के दो हफ्ते के भीतर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के खर्चों को पूरा करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2,000 करोड़ रुपये का ऋण मांगा है। इसके साथ ही मध्य प्रदेश कर्ज के बोझ तले दबता नजर आ रहा है। दरअसल, वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से लगभग 4 लाख करोड़ का कर्ज विरासत में मिला है।

कर्ज लेकर शुरू की गई लाडली बहना योजना

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जिस लाडली बहना योजना को भाजपा की बड़ी जीत की वजह माना जाता है। इसके लिए राज्य को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। दरअसल, शिवराज सिंह चौहान सरकार ने अकेले 2023 में 44,000 करोड़ रुपए का उधार लिया था। इसमें चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान लिए गए 5,000 करोड़ रुपए का कर्ज भी शामिल है। माना जाता है कि इसका बड़ा हिस्सा लाडली बहना योजना पर खर्च किया गया। अब, नई सरकार आने के बाद, राज्य सरकार का खजाना खाली है। वहीं, उसके पास चुनावी वादों की एक लंबी फेहरिस्त भी है। ऐसे में भाजपा को डर सता रहा है कि अगर इसे पूरा नहीं किया गया, तो लोकसभा चुनाव पर इसका बुरा असर पड़ेगा और अगर पूरा करती है, तो राज्य और भी बड़े कर्ज के बोझ तले दब जाएगा।

मुख्यमंत्री ने आर्थिक कंगाली से किया इनकार

हालांकि, मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधानसभा में आश्वासन दिया है कि राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है।

इसके साथ ही उन्होंने भरोसा दिया है कि कोई भी कल्याणकारी योजना धन की कमी की वजह से नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने मुद्दे उठाए हैं और कहा है कि योजनाएं बंद हो जाएंगी। इसे खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक अनावश्यक डर है। उन्होंने कहा कि लाडली लक्ष्मी योजना सहित कोई भी योजना बंद नहीं की जाएंगी। सीएम यादव ने कहा कि भाजपा का घोषणापत्र रामायण और गीता जैसा है। उन्होंने नए वादों को पूरा करने के साथ ही आश्वासन दिया कि पिछली सरकार की सभी योजनाएं भी जारी रहेंगी।

कर्ज पर गरमाई राजनीति

वहीं, राज्य पर बढ़ते कर्ज को लेकर विपक्षी कांग्रेस ने सरकार को अलर्ट किया है। पार्टी प्रवक्ता अब्बास हफीज ने कहा कि मध्य प्रदेश का हर नागरिक कर्ज में डूबा हुआ है। मध्य प्रदेश में जन्म लेने वाला हर बच्चा अब 40,000 रुपए के कर्ज में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लगातार मध्य प्रदेश को दिवालियापन की ओर धकेल रही है। इसके साथ ही उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि वे कब समझेंगे? हफीज ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है और सरकार बनाती, तो वह राजस्व उत्पन्न करने के नए स्रोत खोजने की कोशिश करेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 277 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष शु.14 2080 सोमवार, 25 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मिमिक्री विवाद पर उपराष्ट्रपति ने खुद को पीड़ित बताया

ट्रेनी अफसरों से कहा- संवैधानिक पद पर हूं, फिर भी लोग नहीं बख्शते

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। 9 दिसंबर को टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की थी। इस पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि अपमान सहने के बावजूद किसी को सेवा के मार्ग से हटना नहीं चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक सांसद की ओर से उनकी मिमिक्री करने के बाद खुद को पीड़ित बताया है। उन्होंने कहा कि एक पीड़ित जानता है कि उसे क्या सहना पड़ता है। उसे सभी का सामना करना है, हर किसी से अपमान सहना है। फिर भी एक ही दिशा में बढ़ते रहना है, जो रास्ता भारत माता की सेवा की ओर जाता है।

उन्होंने कहा कि अपमान सहने के बावजूद किसी को सेवा के मार्ग से हटना नहीं चाहिए। हमें दूसरों के प्वाइंट ऑफ व्यू पर ध्यान देना चाहिए, लेकिन जब उनके व्यू आपको रास्ते से हटाने के लिए हों तो लोगों को अपनी रीढ़ की हड्डी की ताकत दिखानी चाहिए।

उपराष्ट्रपति रविवार को अपने आवास पर इंडियन स्टेटिस्टिकल सर्विस (आईएसएस) प्रोबेशनर्स के बैच को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत माता की सेवा करने के लिए आपको लोगों से आलोचना सहना भी सीखना होगा। मैं एक संवैधानिक पद पर हूं, इसके बावजूद लोग मुझे नहीं बख्शते।

क्या इससे मेरी मानसिकता बदलनी चाहिए? क्या इससे मुझे अपने रास्ते से भटक जाना चाहिए, नहीं। हमें हमेशा धर्म के रास्ते पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हम पर सवाल उठाने वाले लोग पुराने आलोचक हैं, जिन लोगों का पाचन तंत्र हमारे विकास के लिए खराब है, उनसे कभी डरना नहीं चाहिए।

संसद सत्र के दौरान लोकसभा और राज्यसभा से 146 सांसदों को निलंबित कर दिया गया था। 19 दिसंबर को विपक्षी दलों ने संसद के मकर द्वार पर इसके खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी राज्यसभा के सभापति धनखड़ की मिमिक्री कर रहे थे। उन्होंने करीब 5 मिनट तक उनकी नकल उतारी।

उनकी मिमिक्री पर वहां मौजूद सांसद ठहाके लगा रहे थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस घटना का वीडियो बना रहे थे। इस पर भाजपा ने कहा था कि संवैधानिक पद पर बैठे लोगों का अपमान किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धनखड़ ने भी सदन में कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह से कहा था कि कहीं तो बख्श दो।

वन नेशन वन इलेक्शन का खाका तैयार

सहमति बने तो 2029 से लागू करने का प्लान, इसके लिए 2026 तक 25 विधानसभाओं के चुनाव जरूरी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। वन नेशन वन इलेक्शन पर विचार कर रही पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली कमेटी के पास इसका खाका तैयार है। विधि आयोग के इस प्रस्ताव पर सभी दल सहमत हुए तो यह 2029 से लागू होगा। इसके लिए दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराने होंगे।

मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम इसमें शामिल नहीं हैं, क्योंकि इन राज्यों में इसी महीने चुनावी नतीजे आए हैं। इसलिए इन विधानसभाओं का कार्यकाल 6 महीने बढ़ाकर जून 2029 तक किया जाएगा। उसके बाद सभी राज्यों में एक साथ विधानसभा-लोकसभा चुनाव होंगे।

पहला चरण : 8 राज्य, वोटिंग जून 2024 में

आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम : इनका कार्यकाल जून 2024 में ही पूरा हो रहा है।

हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली : इनके कार्यकाल में 5-8 महीने कटौती करनी होगी। फिर जून 2029 तक इन राज्यों में विधानसभाएं पूरे 5 साल चलेंगी।

दूसरा चरण : 6 राज्य, वोटिंग : नवंबर 2025 में

बिहार : मौजूदा कार्यकाल पूरा होगा। बाद का साढ़े तीन साल ही रहेगा।

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुदुचेरी : मौजूदा कार्यकाल 3 साल 7 महीने घटेगा। उसके बाद का कार्यकाल भी साढ़े 3 साल होगा।

तीसरा चरण : 11 राज्य, वोटिंग : दिसंबर 2026 में

उत्तर प्रदेश, गोवा, मणिपुर, पंजाब व उत्तराखंड : मौजूदा कार्यकाल 3 से 5 महीने घटेगा। उसके बाद सवा दो साल रहेगा।

गुजरात, कर्नाटक, हिमाचल, मेघालय, नगालैंड, त्रिपुरा : मौजूदा कार्यकाल 13 से 17 माह घटेगा। बाद का सवा दो साल रहेगा।

इन तीन चरणों के बाद देश की सभी विधानसभाओं का कार्यकाल जून 2029 में समाप्त होगा। सूत्रों के अनुसार, कोविंद कमेटी विधि आयोग से एक और प्रस्ताव मांगेगी, जिसमें स्थानीय निकायों के चुनावों को भी शामिल करने की बात कही जाएगी।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की अगुआई में 8 मेंबर की कमेटी, 23 सितंबर को हुई पहली बैठक दिल्ली के जोधपुर ऑफिसर्स हॉस्टल में वन नेशन वन इलेक्शन कमेटी की पहली बैठक हुई थी। कमेटी अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समेत बाकी सदस्य शामिल हुए। पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता में 2 सितंबर को बनी इस कमेटी में गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व सांसद गुलाम नबी आजाद समेत 8 मेंबर हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कमेटी के स्पेशल मेंबर बनाए गए हैं।

क्या है वन नेशन वन इलेक्शन

भारत में फिलहाल राज्यों के विधानसभा और देश के लोकसभा चुनाव अलग-अलग समय पर होते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन का मतलब है कि पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव हों। यानी मतदाता लोकसभा और राज्य के विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक ही दिन, एक ही समय पर या चरणबद्ध तरीके से अपना वोट डालेंगे।

आजादी के बाद 1952, 1957, 1962 और 1967 में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ ही होते थे, लेकिन 1968 और 1969 में कई विधानसभाएं समय से पहले ही भंग कर दी गईं। उसके बाद 1970 में लोकसभा भी भंग कर दी गई। इस वजह से एक देश-एक चुनाव की परंपरा टूट गई।

लोकतांत्रिक प्रोडक्शन इकोनॉमी मॉडल का होना जरूरी : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि भारत की आर्थिक विकास से सरकार के केवल कुछ करीबी अमीर दोस्त लाभान्वित हो रहे हैं और एक लोकतांत्रिक 'उत्पादन अर्थव्यवस्था' मॉडल का होना जरूरी है जो उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां और श्रम की गरिमा के साथ साथ विकास सुनिश्चित कर सके।

एक्स पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने कहा, सार्थक रोजगार के बिना आर्थिक विकास असमानता को बढ़ावा देता है और विकास को कमजोर करता है। वर्तमान में, सरकार के केवल कुछ करीबी अमीर दोस्त भारत के आर्थिक विकास से लाभान्वित हो रहे हैं, जिससे आम भारतीय बेरोजगारी और प्राइस राइज से जूझ रहे हैं।

उन्होंने कहा, एक लोकतांत्रिक 'उत्पादन अर्थव्यवस्था' मॉडल न केवल विकास सुनिश्चित करता है, बल्कि उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां और श्रम की गरिमा भी सुनिश्चित करता है, जो सतत आर्थिक विकास की नींव रखता है।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि केवल विकास मेट्रिक्स भारत को महाशक्ति का दर्जा नहीं दिलाएंगे, हमारे देश के विकास पथ में एक ठोस हिस्सेदारी के साथ गरीबी और बेरोजगारी को संबोधित करने के लिए प्रत्येक भारतीय को सशक्त बनाने की आवश्यकता है।

बृजभूषण बोले- मेरा रेसलिंग फेडरेशन से कोई लेना-देना नहीं

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बृजभूषण शरण सिंह ने नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। यहां उन्होंने नई रेसलिंग फेडरेशन को लेकर अपना पक्ष रखा।

रेसलिंग फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने फेडरेशन को सस्पेंड किए जाने पर एतराज जताया है। उन्होंने रविवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि खेल वातावरण फिर से शुरू हो सके इसलिए गोंडा में नेशनल चैंपियनशिप फिर करवाई जा रही थी। सरकार फेडरेशन पर रोक लगाने की बजाय चैंपियनशिप को अपनी निगरानी में कराए ताकि खिलाड़ियों का नुकसान न हो।

खेल एवं युवा मंत्रालय ने 21 दिसंबर को गठित नई रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया को सस्पेंड कर दिया है। इस फैसले के बाद बृजभूषण ने बीजेपी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने नई दिल्ली में ही मीडिया के सामने अपनी बातें रखीं।

मेरा नई फेडरेशन से कोई लेना-देना नहीं :

बृजभूषण ने कहा, मैं कुश्ती संघ से संन्यास ले चुका हूं। अब सरकार के फैसले पर जो भी बात करनी होगी, वो नई फेडरेशन करेगी। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं सांसद हूं और अपने काम पर फोकस करूंगा। खिलाड़ियों के हित को देखते हुए मेरा सरकार से अनुरोध है कि नेशनल चैंपियनशिप पर लगी रोक हटाई जाए ताकि पहलवानों का नुकसान न हो। बृजभूषण सिंह ने 'दबदबा तो है दबदबा तो रहेगा' के पोस्टर लगाए जाने के सवाल पर कहा कि इससे मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

डब्ल्यूएफआई को निलंबित किया जाना महज तमाशा

शरद पवार वाली एनसीपी का भाजपा पर वार

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने रविवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। इस मामले पर शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने कहा कि डब्ल्यूएफआई को निलंबित किया जाना तमाशा है। एनसीपी ने कहा कि इस तरह का निर्णय करके सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महिला पहलवानों की मदद नहीं करने के आरोप से खुद को मुक्त नहीं कर सकती। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है क्योंकि नवनिर्वाचित संस्था ने पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप के आयोजन की 'जल्दबाजी में घोषणा' की थी। मंत्रालय के एक अधिकारी ने यह भी कहा कि नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया। डब्ल्यूएफआई के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे जिसमें पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह और उनके पैनल ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

कोलकाता में एक लाख लोगों ने किया सामूहिक गीता पाठ

प्रधानमंत्री मोदी ने खास संदेश भेजकर तारीफ की

कोलकाता, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के परेड मैदान में आज एक लाख लोग सामूहिक रूप से गीता पाठ कर रहे हैं। अखिल भारतीय संस्कृत परिषद और मातीलाल भारत तीर्थ सेवा मिशन की ओर से इस गीता पाठ कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी शामिल होने की बात कही जा रही थी लेकिन प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। प्रधानमंत्री ने एक खास संदेश जारी करके इस कार्यक्रम की तारीफ की है।

अपने संदेश में पीएम मोदी ने लिखा कि कोलकाता के परेड ग्राउंड में आयोजित किया जा रहा 'लोक्खो कॉन्ठे गीतार पाठ' कार्यक्रम बेहद सराहनीय है। इसे संयुक्त रूप से सनातन संस्कृति

संसद, मातीलाल भारत तीर्थ सेवा मिशन आश्रम और अखिल भारतीय संस्कृत परिषद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। पीएम मोदी ने लिखा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, ज्ञान, दर्शन-आध्यात्मिक बौद्धिकता, समावेश, सांस्कृतिक विविधता और सद्भाव का मिश्रण है। श्रीमद भागवत गीता महाभारत काल से लेकर हमारी स्वतंत्रता की आजादी तक और अभी भी हम सभी को प्रेरित कर रही है। पीएम मोदी ने लिखा कि गीता हमें एक अर्थपूर्ण जीवन जीने की दिशा दिखाती है और जीवन की चुनौतियों से निपटना सीखाती है।

कोलकाता में हो रहे इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए दुनियाभर से 300 से अधिक संत कोलकाता पहुंचे हैं। कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले लोगों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किया था। कार्यक्रम के आयोजकों में शामिल स्वामी निर्गुणानंद ने बताया कि 5-5 हजार लोगों के 20 ब्लॉक बनाए गए हैं। इस कार्यक्रम के जरिए गिनीज रिकॉर्ड पर भी नजर है। कार्यक्रम के आयोजकों ने जुलाई में ही मेजबानी की तैयारी शुरू कर दी थी।

आईईडी ब्लास्ट,दो घायल

भुवनेश्वर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कंधमाल जिले के जंगल में रविवार को आईईडी ब्लास्ट में एसओजी के दो जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एसओजी के जवान सुबह करीब 10:30 बजे इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे। वहां माओवादियों ने आईईडी बिछाया था, जवानों ने वहां पैर रखा तो ब्लास्ट हो गया। इस दौरान दो जवान घायल हो गए। उनका इलाज चल रहा है।

शॉपिंग मॉल में आग

मदुरै, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मदुरै के तल्लाकुलम के विशाल डी शॉपिंग मॉल में शनिवार देर रात को आग लगी। यह आग मॉल के चौथी मंजिल पर लगी थी। फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को बुझाया गया। इस आग के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में अंदर 1000 से ज्यादा लोग फंसे थे।

कांग्रेस ने 'जन-केंद्रित' मुद्दों को उठाने की बनाई योजना

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में शानदार जीत के बाद साल की जोरदार शुरूआत करने वाली कांग्रेस को तीन हिंदी भाषी राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भारी झटका लगा। तेलंगाना ही एकमात्र सांत्वना है। लेकिन उसे उम्मीद है कि वह 2024 के आम चुनावों में केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को कड़ी टक्कर पेश कर सकती है। भले ही भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत चेहरे के साथ लगातार तीसरी बार 350 सीटों का लक्ष्य बना रहा है। कांग्रेस ने अपने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार की घोषणा नहीं करने का फैसला किया है और इंडिया ब्लॉक के साझेदारों के साथ बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के बाद निर्णय लेने का फैसला किया है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा शीर्ष पद के लिए इंडिया गुट के चेहरे के रूप में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रस्तावित करने के बावजूद, जिसका दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप नेता अरविंद केजरीवाल ने भी समर्थन किया था।

>14

केरल में कोरोना से एक और मौत

4 दिन में 7 लोगों की जान गई, देशभर में 24 घंटे में 656 मामले, एक्टिव केस 3 हजार के पार

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में रविवार को कोरोना से एक और मौत हुई। राज्य में पिछले 4 दिनों के दौरान 7 लोगों की मौत हो चुकी है। सेंट्रल हेल्थ मिनिस्ट्री के मुताबिक केरल में कोरोना के सबसे ज्यादा एक्टिव केस हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 425 नए मामले सामने आए हैं।

देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान 656 केस मिले हैं। एक्टिव केसेज की संख्या 3 हजार 742 हो गई है। 24 घंटे में 333 लोग कोरोना से रिकवर हुए हैं। केरल में 296 लोग ठीक हुए हैं। केरल के बाद कर्नाटक में कोरोना का असर सबसे ज्यादा देखा जा रहा है। यहां 24 घंटे में 104 नए मामले सामने आए हैं और 8 लोग ठीक हुए हैं। एक्टिव केसेज की संख्या कर्नाटक में 271 हो गई है।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने शुक्रवार 22 दिसंबर को कहा था, राज्य में नवंबर से कोविड केस में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि यहां टेस्टिंग बाकी राज्यों से ज्यादा हो रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने कोरोना के नए वैरिएंट जेएन.1 को लेकर कहा कि स्थिति बिल्कुल नियंत्रण में है।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, पिछले एक महीने में दुनियाभर में कोरोना के मामलों में 52 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। 19 नवंबर से 17 दिसंबर के बीच 8 लाख 50 हजार केस रिपोर्ट हुए हैं और 3 हजार मौतें हुई हैं। हालांकि इस एक महीने के दौरान डेथ रेट 8 प्रतिशत घटी है। इसका मतलब पिछले महीने कोरोना से 8 प्रतिशत ज्यादा लोगों ने दम तोड़ा था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार कोरोना का नया जेएन.1 वैरिएंट अब तक 41 देशों में फैल चुका है। फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, सिंगापुर, कनाडा और स्वीडन में जेएन.1 के मामले सबसे ज्यादा हैं।

श्रीराम के धनुष-बाण सोने-हीरे जड़ित

टेंट सिटी में 10 फीट लंबी चरण पादुका लगाई गई, 90 करोड़ लोग देखेंगे लाइव प्रसारण

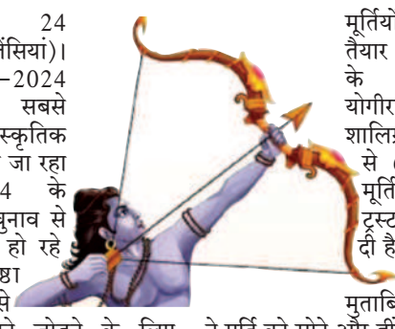

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीरामोत्सव-2024 दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक समारोह होने जा रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे प्राण-प्रतिष्ठा समारोह से जन-जन को जोड़ने के लिए विहिप और आरएसएस ने 'मास्टर प्लान' बनाया है। विहिप 1 जनवरी से 15 जनवरी तक 15 दिन देशभर में अभियान चलाएगी।

इस दौरान 12 करोड़ परिवारों के 60 करोड़ लोगों को भगवान राम का चित्र और जन्मभूमि पर पूजित अक्षत (चावल) देकर 22 जनवरी के समारोह को सामूहिक रूप से देखने, भजन और भोज का न्योता दिया जाएगा।

वहीं भगवान श्रीराम की 3 मूर्तियों में से 2 तैयार हैं। मैसूर के अरुण योगीराज ने शालिग्राम पत्थर से 6 माह में मूर्ति तराशकर ट्रस्ट को सौंप दी है। योगीराज के मुताबिक, ट्रस्ट ने मूर्ति को सोने और हीरे से जड़ित धनुष और तीर से सजाने की कल्पना की है। इससे मूर्ति की दिव्यता बढ़ जाएगी।

देश के 5 लाख गांवों के 30 करोड़ लोगों को भी जोड़ेंगे

विहिप के केंद्रीय मंत्री अंबरीश ने बताया कि विहिप की 22 जनवरी को देश के पांच लाख गांवों के मंदिरों, धार्मिक या सार्वजनिक स्थलों पर भी आयोजन की योजना है। इसमें प्राण-प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

पीएम विश्वकर्मा योजना को लेकर

बूथ स्तर तक पहुंचेगी बीजेपी, इसकी वजह क्या है?

अयोध्या, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में पारंपरिक कला से जुड़े कुशल कारीगरों को समर्थन देने के लिए सरकार ने प्रधान मंत्री विश्वकर्मा योजना शुरू की है, जिसके तहत भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा अनुशंसित 18 ट्रेडों के कारीगरों को ऋण दिया जाएगा। जिला स्तर पर भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में तीन सदस्यीय समिति योजना के कार्यान्वयन की निगरानी करेगी। समिति परियोजना से संबंधित जिला प्रशासन की बैठकों में भी सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए तैयार है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने पार्टी के राज्य मुख्यालय में जिला समन्वयकों की बैठक के दौरान योजना के पीछे की रणनीति पर प्रकाश डाला। उन्होंने पार्टी के समर्थन आधार को मजबूत करने के उद्देश्य से एक नया लाभार्थी वर्ग बनाने की योजना पर जोर दिया। बंसल ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र स्तर पर 1,000 लोगों की सहायता करने के बड़े लक्ष्य के साथ, प्रत्येक बूथ से चार से पांच लोगों को लाभ मिलने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह योजना अपने प्रभाव को अधिकतम करने के इरादे से श्रमिकों की सिफारिशों पर निर्भर थी। आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी में, पार्टी ने मोदी-योगी सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के साथ एक मजबूत संचार रणनीति शुरू की है। प्रति माह तीन करोड़ कॉल की सुविधा के लिए 11,000 कॉल करने वालों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है जिसमें लाभार्थियों और पार्टी कार्यकर्ताओं को समान रूप से शामिल किया जाएगा।" भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ग्रामीण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने खासकर ग्रामीण कारीगरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने की जरूरत पर जोर दिया है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह को राज्य स्तर पर योजना का प्रभारी नियुक्त किया गया है, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी और सुधीर सिंह क्रमशः अवध और कानपुर क्षेत्र की देखरेख करेंगे। विभिन्न जिलों में कई पूर्व जिला प्रमुखों को योजना के तहत अधिकतम पंजीकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में राज्य महासचिव गोविंद शुक्ला, संजय रॉय, अमरपाल मौर्य और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें जमीनी स्तर पर जुड़ाव और कल्याण पहल के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला गया।

'यूपी में शवदाह गृहों में सुविधाओं की गंभीर समस्या

आम लोग सुविधा पाने के लिए कर रहे संघर्ष'- इलाहाबाद हाईकोर्ट

इलाहाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने पूरे प्रदेश में खस्ताहाल शवदाह गृहों पर चिंता व्यक्त की है। कोर्ट ने इस मामले को लेकर राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता को सक्षम अधिकारियों को इससे अवगत कराने को कहा है ताकि इस समस्या का उचित समाधान निकाला जा सके। राजेन्द्र कुमार वाजपेयी नाम के एक व्यक्ति द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने कहा कि हमें कोविड-19 महामारी के दौरान भयावह स्थिति का सामना करना पड़ा, जब हम शवदाह गृहों में सुविधाओं की गंभीर कमी की वजह से शवों का उचित तरीके से दाह संस्कार करने में असमर्थ थे।

शवदाह गृहों की हालत पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

अदालत ने कहा आबादी दिनों-दिन बढ़ रही है, लेकिन शवदाह स्थलों पर आधारभूत सुविधाएं कछुए की गति से विकसित की जा रही हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम लोग उचित सुविधाएं पाने के लिए आजीवन संघर्ष कर रहे हैं और मरने के बाद भी उन्हें उचित शवदाह सुविधाओं से वंचित किया जा रहा है। हम एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए प्रयासरत हैं, लेकिन शवदाह केंद्रों पर उचित सुविधाएं देने में अब भी असमर्थ हैं। अदालत ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार को इस संबंध में ठोस कदम उठाने चाहिए। अदालत ने अपर महाधिवक्ता एमसी चतुर्वेदी को इस आदेश की सूचना अपर मुख्य सचिव (पंचायतीराज) और अपर मुख्य सचिव (नगरीय विकास) को देने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़े तो यह मामला मुख्य सचिव के समक्ष भी पेश किया जा सकता है। इससे पूर्व, प्रदेश में शवदाह गृहों की जर्जर हालत पर विचार करते हुए कुछ निर्देश पारित किए थे। अदालत के आदेश के अनुपालन में प्रदेश सरकार के सचिव (नगर विकास) की ओर से एक हलफनामा दाखिल किया गया जिसे अदालत ने रिकॉर्ड में दर्ज किया। हालांकि, राज्य सरकार के अधिवक्ता के अनुरोध पर अदालत ने 18 दिसंबर के अपने आदेश में इस मामले को 18 जनवरी 2024 को नए सिरे से सुनवाई के लिए पेश किए जाने का निर्देश दिया।

लोकसभा चुनाव के लिए 5 जनवरी को होगा मतदाता सूची का प्रकाशन

पटना, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव को लेकर सभी जिलाधिकारियों को अंतिम रूप से पांच जनवरी तक मतदाता सूची प्रकाशित करने का निर्देश दिया है। अभी तक 20 लाख मतदाताओं द्वारा नाम व पते आदि में त्रुटि सुधार को लेकर आवेदन दिया गया है। संबंधित अधिकारियों को 26 दिसंबर तक सभी त्रुटियों को दूर करने का निर्देश दिया गया है। पहली जनवरी, 2024 तक 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले युवकों-युवतियों का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित होना है। लोकसभा चुनाव के लिए मतदाता सूची में आवेदन के आधार पर संशोधन किए जा रहे हैं। जिलों को बताया गया कि मतदाता सूची को लेकर प्राप्त आवेदन पत्रों के निबटारे का काम 26 दिसंबर तक पूरा कर लिया जाना है। निर्धारित समय सीमा के अंदर आवेदन पत्रों की जांच के बाद निष्पादित करने से अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के बाद राज्य की सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम किया गया है। अब पहली जनवरी 2024 की उम्र के आधार पर नए मतदाताओं का नाम अंतिम मतदाता सूची में प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही मतदाता सूची की त्रुटि दूर करने का काम सभी जिलों में किया जा रहा है। राज्य में मतदाता सूची में नाम शामिल करने और त्रुटि दूर करने को लेकर 20 लाख से अधिक आवेदन पत्र जिलों में प्राप्त हुए हैं। मतदाताओं के आवेदन की ओर भी जिला निर्वाचन अधिकारियों का ध्यान सीईओ ने आकृष्ट किया।

क्या इस बार महेश शर्मा का कट जाएगा टिकट?

भाजपा नोएडा समेत वेस्ट यूपी की इन सीटों पर महिला उम्मीदवार उतार सकती है

नोएडा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मोदी सरकार बीते दिनों नारी शक्ति वंदन अधिनियम लाई थी, जोकि राष्ट्रपति के साइन करते ही कानून बन गया। देश की सभी लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटें आरक्षित करने वाले इस विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा ने एकमत होकर मंजूरी दी थी। ऐसे में भाजपा इस अधिनियम को आधार बनाते हुए पहले से ज्यादा महिलाओं को टिकट दे सकती है। यूपी की 80 लोकसभा सीटों में सिर्फ 11 सांसद महिलाएं हैं। यानी कि लोकसभा में यूपी से सिर्फ 14 फीसदी महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। ऐसे में भाजपा चाहती है कि इस संख्या में इजाफा हो और अधिक से अधिक महिलाएं सांसद बनकर सदन में पहुंचें। इस ऐतिहासिक बदलाव के बाद से सक्रिय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

केंद्र सरकार द्वारा नारी उत्थान के लिए लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम से सक्रिय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। वहीं, पश्चिमी यूपी की तस्वीर भी इस बार कुछ अलग नजर आएगी। वेस्ट यूपी में भाजपा की एक भी महिला सांसद नहीं है। ऐसे में भाजपा संगठन कम से कम चार से पांच सीटों पर महिला प्रत्याशियों को उतारने का मन बना रहा है। सूत्रों की मानें तो पार्टी ने सर्वे के आधार पर वो सीटें फाइनल कर ली हैं, जिन पर महिला उम्मीदवार उतारे जाएंगे। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में आधा दर्जन से अधिक सीटों पर भाजपा सांसदों के टिकट काटेगी। जहां प्रत्याशी बदलने की चर्चा है उन सीटों में गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बागपत, मेरठ जैसी सीटें शामिल हैं। इनमें से गौतमबुद्धनगर सीट पर महिला प्रत्याशी देने पर संगठन विचार कर रहा है। यहां से भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ। महेश शर्मा दो बार से सांसद हैं और उनसे पहले वर्तमान में भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर सांसद बने थे। इस बार भाजपा यहां महिला प्रत्याशी मैदान में उतार सकती है। गौतमबुद्धनगर सीट पर बुलंदशहर की जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ। अंतुल तेवतिया की दावेदारी सबसे मजबूत है। पेशे से डॉक्टर अंतुल तेवतिया वेस्ट यूपी का जाना पहचाना जाट चेहरा हैं और निर्विरोध जिला पंचायत अध्यक्ष चुनी गई थीं। उनका परिवार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा रहा है। उनके पिता आरएसएस बुलंदशहर के विभाग संघचालक रहे। वहीं, बुलंदशहर लोकसभा सीट सुरक्षित से राज्यसभा सांसद कांता कर्दम को उम्मीदवार बनाया जा सकता है।

खाद की बोरियों में छिपाकर ले जा रहे थे 4 क्विंटल गांजा

एएनटीएफ टीम ने 2 तस्करों को दबोचा,

महोबा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। महोबा में खाद की बोरियों में छिपाकर साढ़े चार क्विंटल गांजा ट्रक से ले रहे दो तस्करों को झांसी एएनटीएफ टीम ने पकड़ा है। एएनटीएफ टीम ने गांजे और ट्रक को जब्त कर लिया है। जब्त गांजे की अनुमानित अंतरराष्टीय कीमत 2 करोड़ 18 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसके साथ ही नशे के इस कारोबार से जुड़े लोगों की तलाश में जुट गई है। वहीं, अब इस मामले को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर तंज कसा है। उन्होंने बिना नाम लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- उप्र में 2 करोड़ का गांजा पकड़ा गया। लेकिन जनता पूछ रही है इसकी आड़ में कितना और निकाला गया और कहां पहुंचाया गया। गांजे की तस्करीवालों को तो शायद बुलडोज़र के भय से मुक्तिदान मिला होगा या दिखावे के लिए ही सही कोई कार्रवाई होगी क्या? महोबा से ट्रक में गांजा छुपाकर जा रहे तस्करों को श्रीनगर कोतवाली क्षेत्र के बिलखी तिराहा में एएनटीएफ टीम ने जैसे ही पकड़ा तो दोनों तस्कर ट्रक छोड़कर भागने लगे। इसके बाद टीमों ने घेराबंदी करके तस्करों को पकड़ लिया। वहीं, जब ट्रक की एएनटीएफ टीम ने जांच की तो बड़ी संख्या में टेपिंग किए बॉक्स रखे थे।

एक के बाद के सभी बंडल खोले गए तो यह गांजा लगभग साढ़े 4 कुंतल हो गया। तस्करों ने गांजा को प्रेशर मशीन से दबाकर छोटे छोटे बंडलों में पैकिंग करके रखा था। पकड़े गए दोनों तस्कर महोबा जनपद के ही रहने वाले हैं। जिनका नाम रामेश्वर रैकवार और नरेश रैकवार श्रीनगर क्षेत्र के भड़रा गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के नेता को हत्या, हमलावरों ने ताबड़तोड़ मारी गोली

सीवान, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के सीवान में अपराधियों ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के नेता सह पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आरिफ जमाल की गोली मारकर हत्या कर दी। जमाल रात को अपने गांव कुतुब छपरा मोड़ के पास फास्ट फूड की दुकान पर खड़े थे, तभी बाइक सवार अपराधियों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी और गोलियां मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सीवान इलाज के लिए ले जाने के क्रम में उनकी मौत हो गई। घटना हुसैनगंज थाना क्षेत्र के कुतुब छपरा मोड़ की है। मौजूद लोगों ने बताया कि तीन की संख्या में नकाबपोश अपराधी एक बाइक पर सवार होकर आए और फायरिंग शुरू कर दी। अपराधियों द्वारा तीन गोलियां चलाई गई, जिसमें एक गोली आरिफ जमाल के पेट में लगी और वहीं गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने उन्हें सदर अस्पताल में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद परिजनों ने सीवान के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

'भाजपा के लिए काम रहे मायावती और ओवैसी'

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर राकेश टिकैत ने लगाया बड़ा आरोप

प्रयागराज, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय किसान यूनियन के नेता चौधरी राकेश टिकैत ने कहा है कि मायावती भाजपा के लिए काम कर रही हैं बिल्कुल वैसे ही जैसे असदउद्दीन ओवैसी। कहाकि अयोध्या में राम मंदिर तो बनवाया जा रहा है लेकिन उसमें दीवारें फाइवर की हैं। पत्थरों से कैसे किसी भी इमारत को मजबूत किया जा सकता है यह ज्ञान भाजपा को मायावती से लेना चाहिए। दो दिवसीय प्रवास पर टिकैत शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। फैजाबाद से सोरांव, फाफामऊ होते हुए किसानों की कार्यशाला में पहुंचे राकेश टिकैत ने कहाकि अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य राममंदिर के अनावरण के अवसर पर किसी को जाने से रोका नहीं जा सकता है, क्योंकि राम तो सभी के हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मंदिर के अनावरण के समय न बुलाने के एक सांसद के बयान पर कहाकि लोगों को लगने लगा है कि इस प्रकार का विवादित बयान देकर वे राजनीतिक और वोट का फायदा उठा सकते हैं।

राम मंदिर को लेकर योगी सरकार पर कसा तंज

योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अयोध्या में नकली विकास हो रहा है, दिखावा ज्यादा है और फर्जी वाड़ा हो रहा है। आगामी लोकसभा चुनाव में किसानों की भूमिका के सवाल पर टिकैत ने कहाकि भाजपा वाले फिर से फर्जीवाड़ा करेंगे। किसान तो केवल अधिकार के लिए आंदोलन करना जानता है और वही करेगा भी। आगामी प्रधानमंत्री के रूप में किसे देखना चाहेंगे, इस सवाल पर राकेश टिकैत का जवाब गोलमोल रहा। कहा कि जिसका काम अच्छा होगा किसान उसी को वोट देंगे। हालांकि किसानों की हालत यूपी और बिहार समेत अन्य राज्यों में खराब बताते हुए कहा कि अन्नदाताओं की जमीनें अधिग्रहण में जा रही हैं, किसानों को कर्ज पर कर्ज देकर उनकी जमीनें हथियाने की योजना है। कुश्ती संघ के चुनाव पर भी बोले, कहाकि बजरंग पुनिया द्वारा पद्मश्री हताशा में लौटाया गया है क्योंकि छह महीने तक आंदोलन हुआ लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया।

किसानों को दिया अधिकार का मंत्र

चौधरी राकेश टिकैत ने कार्यशाला में किसानों को अपने अधिकार के लिए आंदोलन करने के तरीके बताए। कहा कि एकजुटता बहुत जरूरी है। किसान अपने आप को निरीह समझ लेता है यही गलत है। कहाकि कहा कि देश में महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी चरम पर है। सरकार दावा करती है कि 83 करोड़ लोगों को पांच किलो राशन दिया जा रहा है लेकिन इसके बदले किसानों के पांच कुंतल अनाज की क्षमता वाले खेत को आवारा जानवर चर रहे हैं इससे किसान भुखमरी की कगार पर पहुंच रहा है यह देखने वाला कोई नहीं है।

माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली हुई पर जमीन पर दो सरकारी विभाग में छिड़ा घमासान

एलडीए और आयकर विभाग आमने-सामने

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। डालीबाग में माफिया मुख्तार अंसारी के कब्जे से खाली कराई गई निष्क्रांत संपत्ति को लेकर अब एलडीए और आयकर विभाग आमने सामने आ गए हैं। दोनों में तगड़ी खींचतान चल रही है। एलडीए इस खाली भूखंड पर जहां गरीबों के लिए फ्लैट बनाने जा रहा था। वहीं, आयकर विभाग ने अपनी कब्जेदारी दिखाते हुए उस पर विभाग का बोर्ड लगा दिया है। आयकर विभाग के उप आयकर आयुक्त ने इस संबंध में एक पत्र भी लिखा।

जिसमें कहा कि शासन द्वारा यह जमीन उनके विभाग को निश्शुल्क दी गई है। हालांकि इसके बाद भी एलडीए ने डालीबाग में दो भूखंडों पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। वहीं, आयकर विभाग ने दावा किया है कि एक भूखंड को उनके द्वारा जब्त कर लिया गया है। उसपर विभाग का बोर्ड भी लगा दिया गया है। उधर, एलडीए वीसी ने आयकर आयुक्त को पत्र लिखा। जिसमें अपर मुख्य सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग का हवाला देते हुए कहा कि राजस्व अभिलेखों में निष्क्रांत संपत्ति के रूप में दर्ज भूखंड पर 72 ईडब्ल्यूएस आवास बनाए जाने के लिए निश्शुल्क हस्तांतरित किया गया है। इसके साथ ही आयकर विभाग से भूखंड पर लगा बोर्ड हटाने के लिए कहा है।

अखिलेश के सिर सपा का ताज, अब चाचा रामगोपाल के साथ शिवपाल यादव का भी विश्वास, नई राह पर पार्टी

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल समाजवादी पार्टी के लिए साल 2023 कई मायनो में खास रहा है। अखिलेश यादव की नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी के लिए देश की राजनीति में एक नई राह खोलने वाला साबित हुआ है। पार्टी में चल रहे पारिवारिक विवाद को पार्टी ने सुलझा लिया है। इसे लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी की बड़ी सियासी जीत के तौर पर देखा जा रहा है। यूपी पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को एक बार फिर समाजवादी पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी के नेताओं की सहमति पर उन्हें एक बार फिर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। यानी की पार्टी लोकसभा 2024 का चुनावी दंगल अखिलेश यादव के नेतृत्व में लड़ने वाली है। अखिलेश यादव को तीसरी बार सपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है।

सपा को मिला शिवपाल और राम गोपाल का साथ

इधर पार्टी ने नाराज चल रहे चाचा शिवपाल यादव और राम गोपाल यादव ने पार्टी का साथ देने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। लोकसभ चुनाव से पहले सपा रूठों को मनाने में कामयाब रही है। जिसका फायदा निश्चित तौर पर पार्टी को मिलने वाला है। उत्तर प्रदेश की राजनीति समाजवादी पार्टी का दबदबा रहा है। पार्टी ने करीब तीन यूपी की सत्ता के सिंहासन पर शासन किया है। हालांकि सपा ने एक ही बार पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा किया है। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सियासत में अपना जनाधार दोबारा वापस पाने के लिए एक के बाद एक सियासी दांव चल रहे हैं। एक तरफ पार्टी ने अपने रूठों को मनाने में सफल रही है तो वहीं, दूसरी तरफ पार्टी पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक (पीडीए) फॉर्मूले पर चल रही है। इसे पार्टी बड़ा सियासी दांव माना जा रहा है। पार्टी पीडीए फॉर्मूले के उत्तर प्रदेश मतदाताओं को साधने में जुटी हुई है।

उपचुनाव में बीजेपी को किया परास्त

अखिलेश यादव ने अब पीडीए की नई परिभाषा देने का काम किया है। उन्होंने 'पीडीए' में ए का मतलब अल्पसंख्यक के साथ अगड़े और आदिवासी को जोड़ दिया है। दरअसल अखिलेश यादव ने बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए के जवाब में पीडीए का नारा दिया था। इधर साल 2023 के सितंबर महीने में उत्तर प्रदेश के मऊ की घोसी विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की है। समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने बीजेपी के दारा सिंह चौहान को 42,759 वोटों के अंतर से चुनावी मैदान में परास्त किया था।

कानपुर में स्कूल वैन ड्राइवर ने छात्रा से किया रेप, टीचरों ने कहा किसी से मत बताना

कानपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर के रावतपुर थाना क्षेत्र में स्कूल वैन चालक द्वारा कक्षा 6 की छात्रा से दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता ने जब स्कूल प्रिंसिपल और टीचर को घटना की जानकारी दी तो उन्होंने छात्र को शांत रहने की सलाह दी। लड़की ने घर जाकर परिजनों को आपबीती बताई। रावतपुर थाना क्षेत्र के विनायकपुर निवासी पीड़िता की दादी ने बताया कि, 'उनकी बेटी और दामाद दोनों मूक-बधिर हैं। उनकी पोती कक्षा 6 की छात्रा है।22 दिसंबर की सुबह स्कूल वैन चालक कल्लू उर्फ रमेश बच्ची को घर से वैन में बैठाकर ले गया था। लेकिन स्कूल जाने की बजाय वह उसे अपने कमरे पर ले गया। वहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह बच्ची को स्कूल में छोड़कर भाग गया। बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। जिसके बाद उसने अपनी क्लास टीचर्स, प्रिंसिपल को घटना की जानकारी दी।'

दादी ने दर्ज कराई शिकायत

कानूनी कार्रवाई करने और अभिभावकों से शिकायत करने के बजाय ड्राइवर को बुलाकर पीटा गया और स्कूल प्रबंधन ने बदनामी के डर से मामले को दबा दिया। वहीं बच्ची की दादी की शिकायत पर स्कूल प्रबंधन ने आरोपी वैन चालक के खिलाफ दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। इसके साथ ही स्कूल प्रिंसिपल मुध मेन, क्लास टीचर के खिलाफ घटना को छिपाने और परिवार को मामले की जानकारी किसी को न देने की धमकी देने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 25 दिसंबर, 2023 5

युविचार

कोशिश आखिरी सांस तक करनी चाहिए
मंजिल मिले या तजुर्बा,
चीजें दोनों ही नायाब हैं!

कांग्रेस के श्वेत पत्र के जबाव में केटीआर ने जारी किया श्वेत-पत्र

कहा, बीआरएस सरकार द्वारा 10 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मूल्य सृजन

हैदराबाद 24 दिसंबर(स्वतंत्र वार्ता) बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने दावा किया कि बीआरएस सरकार ने पिछले दशक में तेलंगाना में 50 लाख करोड रुपये से अधिक की आय अर्जित की है। उन्होंने कांग्रेस के उन आरोपों का खंडन किया जिसमें यह कहा गया था कि केसीआर ने तेलंगाना को कर्ज में डुबो दिया है। रविवार को तेलंगाना भवन में तेलंगाना में वित्तीय स्थिति पर पार्टी की ओर से श्वेत पत्र जारी करते हुए केटीआर ने कहा कि बीआरएस के कार्यशैली को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में जब विधानसभा में कांग्रेस ने एक श्वेत पत्र प्रस्तुत किया था, तब हमें इसका जवाब देने का मौका नहीं मिल पाया। हमारी जिम्मेदारी है कि हम लगों को राज्य में अपने अथक परिश्रम के बारे में बताएं।

इससे पहले कांग्रेस सरकार ने राज्य विधानसभा में तेलंगाना की खस्ता वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी किया था। श्वेत पत्र में राज्य पर 6,71,757 करोड रुपये का कर्ज होने का अनुमान लगाया गया.जो 2014-15 में 72,658 करोड रुपये से अधिक है। बिजली क्षेत्र पर कांग्रेस सरकार ने एक अन्य श्वेत पत्र से पता चला है कि तेलंगाना डिस्काम को 62,461करोड रुपये तक का घाटा हुआ था, जो 2014 में 12,186 करोड रुपये से अधिक है।

इस पर केटीआर ने कहा कि हमने राज्य को कर्ज में डुबो दिया है। जो श्वेत पत्र के अनुसार 6,71,157 करोड रुपये है। वास्तव में हमारा कर्ज 3,17,015 करोड रुपये है, क्योंकि बाकी बांड बेचकर रकम हासिल किया था। तेलंगाना की स्थापना के समय वित्तीय स्थिति के बारे में बताते हुए केटीआर ने कहा कि जब केसीआर ने मुख्यमंत्री का पद संभाला था तो राज्य की वित्तीय स्थिति खराब थी। राजनीतिक साजिशों के अलावा हमें विभाजन के बाद कर्मचारियों और संपत्तियों के वितरण का काम सौंपा गया। 2700 मेगावाट बिजली की कमी थी। उन्होंने कहा कि हमें स्वच्छ पेयजल की कमी पानी की कमी चिकित्सा सुविधाओं की कमी के अलावा फ्लोरोसिस जैसी समस्याएं विरासत में मिली हैं। हमने खुद को किसानों की आजीविका में सुधार कानून, व्यवस्था में को मजबूत बनाने और सिंचाई चुनौतियों पर काम करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी। केटीआर ने आगे कहा कि तेलंगाना ने पिछले 10 साल में प्रगति की है, और प्रति व्यक्ति आय 2014 में 1,12,162 रुपये से बढकर 2023 में 3,17,115 रुपये हो गयी। इसी तरह जीएसडीपी 4.51 लाख करोड से बढकर 2023 में 12.27 लाख करोड रुपये तक जा पहुंची। गरीबी बी 2014 के 21.92 प्रतिशत से घटकर चालू वित्त वर्ष में मात्र 5.8 प्रतिशत रह गयी है। केटीआर ने वर्तमौन सरकार केशासन को पछिली सरकार को बदनाम करने के बजाए अपनी जिम्मेदारियों पर ध्यान देने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षो में बीआरएस सरकार द्वारा 13,72,930 करोड रुपये खर्च किया गया। उन्होंने कहा कि हम लोगों की उम्मीद को मरने नही देंगे और हम लोगों के साथ खडा रहने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना सरकार ने सात आईएएस अधिकारियों का तबादला किया

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक और नौकरशाही फेरबदल में, राज्य सरकार ने रविवार को छह आईएएस अधिकारियों और एक आईपीएस अधिकारी का तबादला कर दिया। जनजातीय कल्याण विभाग के विशेष सचिव ई. श्रीधर को स्थानांतरित कर दिया गया और उन्हें ज्योति बुद्ध प्रकाश के स्थान पर निषेध एवं उत्पाद शुल्क आयुक्त के रूप में तैनात किया गया, जिन्हें परिवहन आयुक्त के रूप में स्थानांतरित किया गया है।

श्रीधर को ईवी नरसिम्हा रेड्डी के स्थान पर टीएसआईआईसी के वीसी और एमडी और ईडी का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। ईवी नरसिम्हा रेड्डी को क्रिस्टीना जेड चोंगथु के स्थान पर जनजातीय कल्याण निदेशक के रूप में तैनात किया गया है।

रंगारेड्डी कलेक्टर भारती होलीकेरी को स्थानांतरित कर दिया गया और जीएडी को रिपोर्ट करने का निर्देश दिया गया, जबकि मेडचल-मल्काजगिरी कलेक्टर गौतम पोटरू को रंगारेड्डी कलेक्टर का पूर्ण अतिरिक्त प्रभार दिया गया। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की अतिरिक्त आयुक्त श्रुति ओझा को स्थानांतरित कर दिया गया है और उन्हें इंटरमीडिएट शिक्षा निदेशक और सचिव, इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के पद पर तैनात किया गया है, जिससे नवीन मित्तल को विधिवत कार्यमुक्त कर दिया गया है, जो इन पदों का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे। पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रहे देवेन्द्र सिंह चौहान को आयुक्त, नागरिक आपूर्ति और कार्यकारी अधिकारी, प्रमुख शासन सचिव, सीएएफ और सीएस के पद पर नियुक्त किया गया है, जिससे अनिल कुमार को पूर्ण अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है।

हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत

सिरपुर कागजनगर, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम जिले के कागजनगर मंडल के इजगांम पुलिस स्टेशन में हेड कांस्टेबल के रूप में कार्यरत दयानंद (55) की शनिवार रात ड्यूटी के दौरान दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। अपने नीले कोट के कर्तव्यों के हिस्से के रूप में कार्यरत थे। वह नाज़ुरुल नगर बाज़ार गए, जहाँ उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे गिर पड़े। बाज़ार में कुछ स्थानीय लोगों ने इजगांम पुलिस स्टेशन में जानकारी दी। सहकर्मी पुलिस ने उसे अपने वाहन में ले जाकर कागजनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इससे पहले कि डॉक्टर उसका इलाज शुरू कर पाते, उसकी मौत हो गई थी।

ताड़ के पेड़ से गिरने से ताड़ी निकालने वाले की मौत

मंचेरियल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात लक्सेटिपेट मंडल के चंदाराम गांव में ताड़ के पेड़ से गिरने के बाद 62 वर्षीय ताड़ी निकालने वाले की मौत हो गई। घटना का खुलासा रविवार को हुआ पोन्नम वेंका गौड़ शनिवार की शाम ताड़ी निकालने के दौरान ताड़ के पेड़ के ऊपर से गिर गईं। उन्हें घातक चोटें आईं और उन्हें तुरंत मंचेरियल के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। रात 11.30 बजे इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। ताड़ी निकालने वाले के परिवार में पत्नी और बेटी हैं। उनकी बेटी से मिली शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया

पोल्ट्री फार्म मैनेजर की करंट लगने से मौत

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपट्टनम में शनिवार रात एक पोल्ट्री फार्म मैनेजर की उसके फार्म में करंट लगने से मौत हो गई। पीड़ित इब्राहिमपटनम के पोलकम्पल्ली गांव निवासी गुंडला बालकृष्ण (45) पोल्ट्री फार्म में काम कर रहे थे, तभी उन्हें करंट लग गया। उसे जमीन पर पड़ा देख अन्य कर्मचारी उसे पास के एक निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इब्राहिमपटनम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

ट्रैफिक पुलिस ने मुसारामबाग में लगाया प्रतिबंध

हैदराबाद, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी शहर के मुसारामबाग में मुसी नदी पर एक फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। सिटी ट्रैफिक पुलिस ने फ्लाईओवर के निर्माण के मद्देनजर अंबरपेट और मलकपेट के बीच सड़क पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस ने कहा कि प्रतिबंध शनिवार से लागू होंगे। फ्लाईओवर पूरा होने तक यातायात प्रतिबंध लागू रहेगा। नया फ्लाईओवर अली कैफे चौरास्ता से पिस्ता हाउस रेस्टोरेंट तक बनाया जाएगा।

अंबरपेट से मलकपेट टीवी टावर की ओर जाने वाले सभी वाहनों को अली कैफे एक्स रोड पर जिंदा तिलिस्मत की ओर मोड़ दिया जाएगा। वहां से इसे गोलनाका न्यू ब्रिज, हाईटेक फंक्शन हॉल और अफजल नगर की ओर मोड़ दिया जाएगा। मलकपेट से अंबरपेट की ओर आने वाले वाहनों को इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर डायवर्ट किया जाएगा। ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि वहां से वाहनों को अफजल नगर, गोलनाका न्यू ब्रिज, जिंदा तिलिस्मत और अली कैफे एक्स रोड से अंबरपेट जंक्शन की ओर मोड़ दिया जाएगा। ऐसे में पुलिस ने वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी है।

विधायक अस्पताल में लिफ्ट में फंस गए

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी बीआरएस पार्टी की विधायक लस्या नंदिता आज शहर के न्यू बोइनापल्ली में एक निजी अस्पताल की लिफ्ट में फंस गईं। विधायक लस्या नंदिता रविवार को अस्पताल के वार्षिकोत्सव में शामिल हुईं। विधायक अस्पताल की तीसरी मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में चढ़े. उनके साथ कई अन्य लोग भी लिफ्ट में क्षमता से अधिक चढ़ गए। लिफ्ट में तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट का दरवाजा बंद हो गया था. इसके बाद लिफ्ट नीचे तहखाने में उतर गई। नतीजा यह हुआ कि विधायक पंद्रह मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे. कुछ देर के लिए अस्पताल में अफरा-तफरी मच गयी. अस्पताल के कर्मचारियों ने लिफ्ट का दरवाजा तोड़कर विधायक को बाहर निकाला।

शक्ति, शांति, आनन्द का जीवन में अवतरण होता रहे : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकन्दराबाद चातुर्मास पश्चात गुरुदर्शनार्थ विहाररत साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी अपनी सहवर्तिनी साध्वियों के साथ आज किशनबाग स्थित संचिया माता मंदिर के प्रांगण में पहुंची। उपस्थित सैंकड़ों श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने विभिन्न प्रभावक जैन मंत्रों के साथ एवं बीज मंत्रों के साथ भव्य अनुष्ठान करवाया। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इस अवसर पर धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञाजी ने कहा कि हमारी जीवन यात्रा निरन्तर चल रही है जन्म और मृत्यु के बीच का समय जीवन है। जीवन यात्रा कैसे चलानी है, वह व्यक्ति पर निर्भर करता है। आनन्द, शांति और सुख का जीवन जीना व्यक्ति के हाथ में है। हमारा व्यवहार हमारा आचरण, हमारे विचार, हमारी जीवन यात्रा को अच्छी और बुरी बनाते हैं। आवश्यकता इस बात की है हर व्यक्ति रिश्तों को निभाना सीखे। दर्पण और रिश्ते एक जैसे होते हैं। दर्पण गलती से टूटता है और रिश्ते गलतफहमी से टूटते हैं। हमारी यह प्रेरणा है परिवार और समाज संगठन में जीने वाला हर व्यक्ति गलतफहमी से दूर रहे। आनन्द का जीवन जीएं। साध्वी सुदर्शनप्रभा, सिद्धियशा, राजुलप्रभा, चैतम्यप्रभा एवं शौर्यप्रभा ने 'मंत्र-महिमा' गीत का सामूहिक संगान किया।

सुजानगढ़ निवासी हैदराबाद प्रवासी श्री दूलीचंदजी नाहटा ने सपरिवार हर्षोल्लास के साथ पावन शुभागमन पर हार्दिक स्वागत किया। साध्वीवृंद द्वारा वीतराग स्तवन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। नाहटा परिवार के नन्हे मुन्ने बच्चों वीर, सुधीर, नयन, शौर्य एवं सांचल नाहटा ने अपनी मंत्रमय प्रस्तुति दी। श्रीमती चांद वेद, श्रीमती शांता बेद ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। श्री विपिन नाहटा ने अपने प्रांगण में प्रदार्पण पर खुशी जाहिर की एवं अग्रिम मंगल प्रस्थान हेतु शुभ भावनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर ज्ञानबाग,आगापुरा, बेगम बाजार, डी वी कॉलोनी, बरकतपुरा, काचीगुड़ा, नारायणगुड़ा, बोइनपल्ली, महेशनगर कॉलोनी, हिमायतनगर, अत्तापुर, सिकंदराबाद, कबूतरखाना आदि क्षेत्र के लोगों की सराहनीय स्थिति रही।

पूर्व आर्मी एसोसिएशन की त्रैमासिक बैठक

सिरपुर कागजनगर, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर कस्बे के शिशु मंदिर हाई स्कूल में रविवार को सेवानिवृत्त सेना संघ की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक हर तीन महीने में एक बार आयोजित की जाती है और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष के. शिव कुमार ने कहा कि उन्होंने हाल ही में निर्वाचित सिरपुर विधायक पालवाई हरीश बाबू के साथ अपनी समस्याओं पर चर्चा की थी और उनसे पूर्व सेना संघ को जमीन और अमर नायकों के स्तूप के लिए एक जगह आवंटित करने के लिए कहा था और उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी।

पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा ने कहा कि उन्हें उनकी कोई परवाह नहीं है, जबकि वह उनसे कई बार मिले और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा।

बैठक में पूर्व सैनिक संघ के जिला उपाध्यक्ष पपाया, महासचिव सुनील मंडल, संगठन सचिव विनायक चापड़े, संयुक्त सचिव रामाकांत यादव, कोषाध्यक्ष शिवप्रसाद, दिलीप सरकार, राजेश घोष, तारा पद मंडल, शिव पद मंडल, अजय मिश्रा, डी. श्रीनिवास, अनुरोद सिंह व अन्य ने भाग लिया।

रविवार को नेहरू चिड़ियाघर पार्क में आये 30,000 पर्यटक

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्रिसमस की छुट्टियां और सप्ताहांत हमेशा हैदराबाद में परिवारों के लिए नेहरू प्राणी उद्यान की यात्रा के लिए आदर्श समय रहे हैं। रविवार भी कुछ अलग नहीं था, क्योंकि क्रिसमस की छुट्टियों और लंबे सप्ताहांत का जश्न मनाने के लिए शहर भर से हजारों लोग परिवारों के साथ चिड़ियाघर में एकत्र हुए थे।

अंतिम गणना के अनुसार, नेहरू प्राणी उद्यान में रविवार को रिकॉर्ड 30,000 आगंतुक आए। चिड़ियाघर के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि सभी आयु वर्ग और हर वर्ग के लोगों को जंगली जानवरों को देखने के रोमांच का आनंद लेते देखा गया। हालांकि लगभग 30,000 आगंतुकों की भीड़ को प्रबंधित करना एक संघर्ष था, चिड़ियाघर के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि मुख्य द्वार पर और यहां तक कि नेहरू ज़ूम के अंदर के परिसर में भी कोई अप्रिय घटना न हो।

केटीआर ने महिला को उसकी बेटी की शिक्षा के लिए 1 लाख रुपये सौंपे

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव भद्राद्री कोठागुडेम जिले के येलांडु शहर की एक महिला के बचाव में आए, जो अपनी बेटी की शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता मांग रही थी। रामाराव ने रविवार को तेलंगाना भवन में महिला से मुलाकात कर उसे एक लाख रुपये का चेक सौंपा। महिला अन्नपूर्णा ने कथित तौर पर हैदराबाद में प्रजा दरबार के दौरान एक आवेदन प्रस्तुत कर अपनी बेटी के लिए सरकार से वित्तीय मदद मांगी थी, जो नर्सिंग कोर्स कर रही है। उनके आवेदन का पालन करने के बावजूद, उन्हें कथित तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई जानकारी नहीं मिली है। प्रजा दरबार के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें विधानसभा में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मिलने और उनसे मदद मांगने का सुझाव भी दिया।

इसी बीच किसी ने उन्हें सुझाव दिया कि अगर वह तेलंगाना भवन में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव या रामाराव से मिलें तो उन्हें कुछ मदद मिल सकती है। इसके बाद अन्नपूर्णा ने रविवार को तेलंगाना भवन का दौरा किया और रामा राव से मुलाकात की, जिन्होंने धैर्यपूर्वक सुना और वित्तीय सहायता की पेशकश की। उन्हें रामा राव के आवास पर आमंत्रित किया गया और 1 लाख रुपये का चेक सौंपा गया। अन्नपूर्णा ने अपनी बेटी की शिक्षा और परिवार की आर्थिक मदद करने के लिए रामा राव को धन्यवाद दिया।

अवैध रूप से भंडारित पीडीएस चावल जब्त

भैंसा, 23 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अवैध रूप से भंडारित पीडीएस चावल को अधिकारियों द्वारा जब्त कर गोदाम में ले जाया गया। सीसीएस सीआई मल्लेश वे शनिवार को आकस्मिक रूप से भैंसा पहुंचे। वहा उन्हें राशन का चावल भंडारित मिला और अवैध रूप से भंडारित 31 बोरी चावल जो लगभग 15 क्विंटल पीडीएस चावल पकड़ा। इस हद तक, प्रवर्तन डीटी जाधव प्रकाश ने उन्हें जब्त कर लिया और टाउन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने बताया कि जिस व्यक्ति ने चावल का भंडारण किया जाकिर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

जज़ ने विकलांग व्यक्तियों की प्रतिभा की सराहना की

कोठागुडेम, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रथम अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एम. श्यामश्री ने विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) की प्रतिभा की सराहना की और कहा कि वे सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने शनिवार रात यहां तेलंगाना विविध प्रतिभावंतुला संघम (टीवीपीएस) के तत्वावधान में आयोजित अर्ध-क्रिसमस समारोह में भाग लिया और केक काटा। उन्होंने गरीबों को कपड़े और बच्चों को विशेष उपहार बांटे। इस अवसर पर बोलते हुए न्यायाधीश श्यामश्री ने कहा कि भगवान ने दिव्यांगों को अधिक बुद्धि और ज्ञान दिया है जिससे वे अपनी विकलांगताओं पर काबू पाने के साथ-साथ अपने जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने अर्ध-क्रिसमस समारोह को भव्य तरीके से आयोजित करने के लिए टीवीपीएस की सराहना की।

टीवीपीएस के संस्थापक अध्यक्ष सतीश गुंडापनेनी ने कहा कि समाज विकलांगों के साथ खड़ा है और अधिकारियों को उन्हें प्रोत्साहित करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि वे आत्म-सम्मान के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने संघम की गतिविधियों के बारे में बताया। टीवीपीएस के कानूनी सलाहकार रवि कुमार, इसके महासचिव मेडी प्रवीण कुमार, सदस्य जग्गू दासू, काला बाबू रामनैया, लिंगैया, पत्रकार कल्लोजी श्रीनिवास और सुरेश उपस्थित थे।

जीएचएमसी ने 28 से आयोजित होने वाले प्रजा पालन सत्र की तैयारी शुरू की

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी 28 दिसंबर से प्रजा पालन सत्र के सुचारू संचालन के लिए विस्तृत व्यवस्था कर रही है। जीएचएमसी आयुक्त, रोनाल्ड रोज़ ने रविवार को हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल और संगारेड्डी जिलों के कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी, भारती होलिकेरी और अन्य क्षेत्रीय स्तर के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। 6 जनवरी को समाप्त होने वाला 10 दिवसीय कार्यक्रम लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए जीएचएमसी सीमा के 150 वार्डों में आयोजित किया जाएगा। अधिकारी प्रत्येक वार्ड में चार स्थानों की पहचान करेंगे और सार्वजनिक मुद्दों पर सहायता के लिए प्रत्येक स्थान पर चार टीमों को नियुक्त करेंगे।

इसके अलावा, महालक्ष्मी और 500 रुपये वाले गैस सिलेंडर जैसी योजनाओं के लिए आवेदन भी यहां उपलब्ध कराए जाएंगे। आवेदक इन योजनाओं के लिए अपने फॉर्म सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच या दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे के बीच भी जमा कर सकते हैं।

सभी आवेदन आधार कार्ड और राशन कार्ड की एक प्रति के साथ जमा किए जाने चाहिए। महिलाओं के लिए अलग कतार भी रखी जायेगी। रोज़ ने अधिकारियों को जनता को कार्यक्रम और स्थानों के बारे में पहले से बताने का निर्देश देते हुए कहा कि संबंधित विधायकों को स्थानीय जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित करना चाहिए और जागरूकता पैदा करने के लिए विशेष बैठकें आयोजित करनी चाहिए।

IN THE COURT OF THE HON'BLE SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT: AT: HYDERABAD

E.A. No.314 of 2023
IN
E.P. No.81 of 2023
IN
O.S. No.370 of 2018

BETWEEN:-
1. Smt. Sampat Devi Murarka --- Petitioner/DHR/Plaintiff
2. Geeta Agarwal
3. Seeta Agarwal
4. Rajesh Murarka Petitioner Nos. 2 to 4/ Proposed DHRs

AND

Sri. Diwan Ram Mohan
Respondent/JDR/Defendant

To,
Sri. Diwan Ram Mohan
S/o. Late Sri Hanumanth Rao,
Aged about 67 years, Occ. Business,
R/o. 13-2-372/A Raheempura, Puranapool, Hyderabad, Telangana,
And also at
Shops Nos.1&3, on ground floor,
In premises bearing M.No.4-2-107/110, Srikrishan Murarka Palace, Badichowdi, Hyderbad, Telangana
Whereas the above named Petitioners/Proposed DHR's have filed the above E.A. tocome on record as the legal representative of the deceased Petitioner No.1/DHR/Plaintiff i.e. Smt. Sampat Devi Murarka.
Therefore, you the above named Respondent/JDR/Defendant, is hereby wanted to appear before the Hon'ble Court in person or by Pleader duly instructed on 23-01-2024 at 10.30 O' Clock in the forenoon to Show Cause of against the Application, failing which the Application will be heard and determined ex-party.

By the order of the Court

Sd./-
M/s. PURUSHOTAMLAAL
Advocates & Associates
Office:# 104, L.B.K. Nivas, H.No.3-4-758, Barkatpura, Hyderabad
Mob.: 9246349717

IN THE COURT OF THE HON'BLE SENIOR CIVIL JUDGE CITY CIVIL COURT: AT: HYDERABAD

E.A. No.315 of 2023
IN
E.P. No.80 of 2023
IN
O.S. No.369 of 2018

BETWEEN:-
1. Smt. Sampat Devi Murarka --- Petitioner/DHR/Plaintiff
2. Geeta Agarwal
3. Seeta Agarwal
4. Rajesh Murarka Petitioner Nos. 2 to 4/ Proposed DHRs

AND

Sri. Diwan Sunil@ Suneel Diwan Respondent/JDR/Defendant

To,
Sri. Diwan Sunil@ Suneel Diwan
S/o. Diwan Ram Mohan,
Aged about 38 years, Occ. Business,
R/o. 13-2-372, Dhoolpet, Puranapool, Hyderabad, Telangana,
And also at Shops Nos.6, on ground floor, In premises bearing M.No.4-2-107/110, Srikrishan Murarka Palace, Badichowdi, Hyderbad, Telangana
Whereas the above named Petitioner/Proposed DHR's have filed the above E.A. to come on record as the legal representative of the deceased Petitioner No.1/DHR/Plaintiff i.e. Smt. Sampat DeviMurarka.
Therefore, you the above named Respondent/JDR/Defendant, is hereby wanted to appear before the Hon'ble Court in person or by Pleader duly instructed on 23-01-2024 at 10.30 O' Clock in the forenoon to Show Cause of against the Application, failing which the Application will be heard and determined ex-party.

By the order of the Court

Sd./-
M/s. PURUSHOTAMLAAL
Advocates & Associates
Office:# 104, L.B.K. Nivas, H.No.3-4-758, Barkatpura, Hyderabad
Mob.: 9246349717

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 25 दिसंबर - 2023

बीजेपी का टारगेट 35 करोड़ वोट

छत्तीसगढ़,मध्य प्रदेश और राजस्थान विधानसभा में मिली अपार सफलता के बाद भाजपा के उत्साहित कार्यकर्ता अब लोकसभा को भी भारी बहुमत से जीतने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए बीजेपी एक बार फिर 2019 से भी बड़ी जीत हासिल करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। सोने पर सुहागा यह कि बीजेपी की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय बैठक में वरिष्ठ नेताओं ने एक नया टारगेट फिक्स कर दिया है कि इस बार पार्टी को पैंतीस करोड वोट किसी भी हाल में लाना है। लोकसभा चुनाव में भारी जीत के लिए इस बार सिर्फ दस प्रतिशन वोट बढ़ाने की दिशा कार्यकर्ता जुट जाएं। यह कोई बडा लक्ष्य भी नहीं है जिसे पूरा न किया जा सके। 2019 में भाजपा को 22.9 करोड़ वोट मिले थे। 2019 के चुनाव में सत्तारूढ़ पार्टी को 37 प्रतिशत से अधिक वोट मिले थे जबकि उसके नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को करीब 45 फीसद वोट मिले थे। 2014 में केंद्र में मोदी सरकार आने के बाद से बीजेपी ने विधानसभा चुनावों में अपना वोट प्रतिशत 50 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया और काफी हद तक इसमें उसे सफलता भी मिली। तीन बडे राज्यों में हाल की जीत के पीछे भी यही मंत्र था, जिसे अब पार्टी लोकसभा चुनाव में लेकर आगे बढ़ रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और प्रदेश अध्यक्षों की बैठक के दौरान पीएम मोदी ने कार्यकर्ताओं का आहवान भी किया कि मिशन मोड में लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कमर कस लें। बीजेपी को पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में 37 फीसदी से अधिक वोट मिले थे जिसे पार्टी इस बार बढ़ाकर 50 फीसदी के करीब तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बीजेपी 2019 में 303 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी अब पार्टी ने 350 सीटों का नया टारगेट सेट किया है, जो उत्साही कार्यकर्ताओं के लिए कोई बडी बात नहीं लगती है। बैठक के पहले दिन प्रधानमंत्री ने महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों तक पहुंचने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम मोदी अक्सर इन्हें ही चार सबसे बड़ी 'जातियां' बताते रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन लोगों को 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' से जोड़ें, जिसका उद्देश्य उनकी सरकार की प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को शत प्रतिशत पूरा करना है। पार्टी के नेताओं ने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने जीत के लिए सीट संख्या का कोई खास टारगेट नहीं दिया है लेकिन ऐसी जीत सुनिश्चित करने पर जोर दिया जो 2019 के प्रदर्शन से ज्यादा बड़ी हो। बीजेपी की बैठक में 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर के उद्घाटन पर भी विशेष चर्चा हुई। कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राम मंदिर के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देने और उस पर चर्चा करने के लिए कहा गया। राम को घर-घर और जन-जन तक पहुंचाने का टारगेट रखा गया है। भाजपा को विश्वास है कि चुनाव में यह उसके पक्ष में एक सबसे बड़ा मुद्दा होगा। भाजपा के पदाधिकारियों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के संबंध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिन्दू परिषद की ओर से चलाए जा रहे कार्यक्रमों में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही उन्हें यह भी कहा गया कि वह जनता के बीच इस बात को जरूर बताएं कि विपक्षी दलों ने दशकों से कानूनी विवाद में फंसे इस मुद्दे को हल करने में कई बाधाएं खडी की। इन बाधाओं को तोडते हुए पीएम मोदी की सरकार ने अब भव्य राममंदिर तैयार कर दिया है। जिसका उद्घाटन बाईस जनवरी के शुभ मुहूर्त में पीएम मोदी खुद करने वाले हैं। इस मौके पर लाखों की संख्या में भक्तजन अयोध्या पहुंचेंगे और जो लोग नहीं पहुंच पा रहे हैं वे अपने गांव व घर के मंदिर में पूजा-पाठ कर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

सकारात्मक सोच के साथ वर्तमान को सार्थक बनाएं

संजीव ठाकुर

हमें सदैव वर्तमान में जीना चाहिए, इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए और भविष्य के प्रति सकारात्मक सोच के साथ आगे सदैव अग्रसर होते रहना चाहिए। किसी भी राष्ट्र को बड़ा बनाने या समृद्ध बनाने के लिए वर्षों की मेहनत अथक प्रयास और सकारात्मक सोच के साथ संयम एवं उच्च मनोबल की आवश्यकता होती है, तब जाकर ही राष्ट्र एक मजबूत तथा विकासवान राष्ट्र बन पाता है। आजादी के 75 वर्ष के बाद भारत ने विकास की गति को बहुत मजबूती के साथ थामा हुआ है। 141 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में युवा जनसंख्या का प्रतिशत बहुत ज्यादा है, आने वाले भविष्य में देश की बागडोर इन्हीं युवा हाथों में होने वाली है। एक बहुत अच्छी कहावत है कि आशाओं पर आकाश टिका हुआ है और निसंदेह आशा,उम्मीद, संभावना बहुत ही सारगर्भित एवं चमत्कारिक शब्द भी हैं। उम्मीद जो इतिहास में कई बार चमत्कार करती आई है। यह आशा एवं उम्मीद का ही प्रतिफल है कि हम सकारात्मक होकर उच्च मनोबल के साथ किसी लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ते है। फिर यदि लक्ष्य मेडिकल साइंस में किसी नई दवा को इजाद करना हो या स्पेस रिसर्च में नई टेक्नोलॉजी लाना हो या देश मे विकास की नई धारा को प्रवाहित करना हो, तो सकारात्मक ऊर्जा हमें इस संदर्भ में मदद करने वाला तत्व होता है। अच्छी और सही सोच हमेशा अच्छे परिणाम देने वाला होती है, पर बिना सकारात्मक सोच के और बिना किसी सार्थक परिणाम की कल्पना किए हुए उस पर पसीना बहाना बड़ा ही दुष्कर कार्य प्रतीत होता है। अच्छे पद अथवा अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी सकारात्मक सोच और उच्च मनोबल तथा संयम को लेकर ही आगे अपनी तैयारी करता है एवं उच्चतम अंक या उच्च पद की प्राप्ति करता है। कोई भी खिलाड़ी ओलंपिक में बिना पदक की लालसा के तैयारी नहीं कर सकता और पदक को लक्ष्य मानकर जब वह पूर्ण मनोबल के साथ आशाओं की लकीरों के मध्य वह जब अपना पसीना मैदान में बहाता है तो वह लक्ष्य प्राप्ति की ओर लगातार अग्रसर होता है और उसे अंत में अपनी सकारात्मक ऊर्जा के कारण वह पदक अवश्य प्राप्त होता है। दार्शनिक भी कहते हैं कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक बेहतर और अच्छी शुरुआत सफलता का बहुत बड़ा हिस्सा होती है। हम संभावनाओं के दम पर जो हमें निरंतर प्रेरित करती है अपना पहला कदम उठाकर सफलता सुनिश्चित करते हैं। जीवन की कटु सच्चाई तथा जिंदगी के उतार-चढ़ाव को झेलने के लिए एवं सफलता की ओर अग्रसर होने के लिए हमें आशा एवं सकारात्मक सोच की सदैव मदद करती इसके बिना किसी सफलता के बारे में सोचना भी बेमानी होगा। संभावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें अपने संपूर्ण मनोबल के साथ उस कार्य को अंजाम देने के लिए अपनी तरफ से पूरी पूरी कोशिश करनी होगी एवं लक्ष्य के साथ दे तथा साधनों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर उस के संदर्भ में उसके अंतर्निहित हर तत्व को भलीभांति पहचान कर उस पर मेहनत करनी होगी अन्यथा बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यदि मेहनत और कठोर श्रम न किया जाए तो असफलता ही हाथ लगती है ।

सांसदों का निलंबन और लोकतंत्र के प्रश्न ?

रघु ठाकुर

संसद के नए भवन में संसद के पिछले हमले की 22वीं बरसी के दिन दर्शक दीर्घा से दो लोग संसद में कूदे और उन्होंने पीले रंग का धुआं भी छोड़ा। इस घटना की चेतावनी सरकार के पास पहले से भी थी, कनाडा के आतंकवादी संगठन के मुखिया जिन्होंने चेतावनी सार्वजनिक रूप से दी थी कि वह इस संसद की 22वीं बरसी के दिन कुछ आश्चर्यजनक करेंगे। इसके बाद भी सरकार ने चेतावनी पर समुचित ध्यान नहीं दिया और आवश्यक कदम नहीं उठाए। यह प्रसन्नता की बात है की कोई गंभीर घटना नहीं हुई और जो लोग कूदे हैं उनका उद्देश्य कोई हिंसा करना नहीं बल्कि संसद का ध्यान कुछ मुद्दों पर आकर्षित करना लगता है। उनके तरीके से असहमति हो सकती है परंतु उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करने के लिए अहिंसक तरीके को ही इस्तेमाल किया है। मैं नहीं जानता हूं कि संसद के अध्यक्ष महोदय इसे किस रूप में लेंगे परंतु अगर वह मेरी सलाह माने तो उन्हें इन लोगों को स्वतरू अपनी ओर से माफ कर देना चाहिए और सरकार को सलाह देना चाहिए कि उनकी जो समस्या है वह एक अर्थ में देश की भी पीड़ा है उसे सुने। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले बार जब 22 साल पहले संसद पर हमला हुआ था तो वह आतंकवादी हमला पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित था और उनका उद्देश्य हिंसा करना था। परंतु भले ही इस बार उद्देश्य वह ना रहा हो और आतंकवादी ना रहे हो केवल दुस्साहसी सोच के लोग रहे हो, परंतु दूर तक कुछ भी संभव हो सकता था। पिछले बार सांसदों ने बहुत कमजोरी दिखाई थी और सांसद तथा मंत्रियों ने सेंट्रल हाल में घुसकर अपने आप को बंद कर लिया था, कई सुरक्षा प्रहरी आतंकवादियों से लड़ते हुए मारे गए थे। अनेक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। परंतु जो गंभीर रूप से घायल हुए उनकी सुधि बाद में किसी सरकार ने नहीं ली। यह भी सरकारों की एक गंभीर भूल है। और अब सुरक्षा प्रहरी भी सोचने लगे हैं कि हम क्यों जान खतरे में डालें? हालाकि इस बार सांसदों ने बहादुरी दिखाई और अपराधियों को स्वतरू पकड़कर सुरक्षा प्रहरियों को सौंपा। वे इसके लिए अभिनंदन और साधुवाद के पात्र हैं। तीसरी महत्वपूर्ण बात जो मैं कहना चाहता हूं कि जिन सांसद महोदय ने इन लोगों को दर्शक दीर्घा के पास दिलाए हैं वह भी एक प्रकार से कदाचरण के अपराधी हैं।

चूंकि सांसद का यह दायित्व होता है कि वह पास जारी करने के पहले लोगों को पहचानता हो या उनका पता उसके पास हो। ऐसे व्यक्तियों को पास सांसद ने कैसे दिए? और वह भी भाजपा के सांसद ने? कल्पना करें कि अगर वह सांसद किसी बीजेपी विरोधी पार्टी के होते तो आज भाजपा उसे किस रूप में प्रचारित कर रही होती। अगर भाजपा और स्पीकर महोदय में ईमानदारी की भावना है तो उन्हें इन सांसद महोदय के खिलाफ भी उसी प्रकार कदाचरण के लिए कार्यवाही करना चाहिए जिस प्रकार उन्होंने महुआ मोइत्रा की कदा चरण के लिए संसद सदस्यता समाप्त की है। क्या बीजेपी का सांसद होना इस बात का लाइसेंस है कि वह किसी भी अपराधी लोगों को या किसी भी कारण से किसी को बगैर किसी जिम्मेदारी के पास जारी करा दें और किसी भी गंभीर घटना को अवसर दिला दें या देश के प्रधानमंत्री और ग्रहमंत्री जी की जान को खतरा पैदा कर दें। इन सांसद महोदय का अपराध भी गंभीर प्रद्धति का है और अगर संसद इस पर निष्पक्ष राय नहीं बनायेगी तो यह भी संसदीय इतिहास में एक अपराध के रूप में जाना जाएगा। प्रधानमंत्री जी और गृहमंत्री जी से मैं पूछना चाहता हूं कि आप कश्मीर में तो सुरक्षा कर सकते हैं परंतु अपनी संसद में अपने घर में ही अपनी सुरक्षा नहीं कर सकते। आप की काबिलियत पर भी यह एक प्रश्न चिन्ह है और भले ही आप इसे टालने का प्रयास करें परंतु देश और समाज का एक हिस्सा आपकी इस अकर्मण्यता और असफलता पर चिंतित है। अगर मान लीजिए यह कोई प्रतिबद्ध आतंकवादी होते और हथियार लेकर गए होते या कोई ऐसी चीज जो जहरीले पाउडर वाली हो और उसे लेकर गए होते तो देश की संसद का क्या हाल होता? क्या यह सामान्य घटना है और क्या इस घटना के लिए देश के गृहमंत्री को जिम्मेदारी नहीं लेना चाहिए। वैसे तो हिंदुस्तान की संसद को ही यह महसूस करना चाहिए कि अब देश में यह भावना बन रही है की संसद में आम आदमी या जनता की बात नहीं होती और ना सुनी जाती है और इसीलिए कुछ गुमराह या विचारधारा से भटके या भटकाए गए नौजवानों ने यह रास्ता अपनायामैं इस रास्ते को उचित नहीं मानता हूं। मैं चाहता हूं कि देश में लोकतांत्रिक तरीके से बदलाव हो और देश की व्यवस्था बदले। पर देश के सत्ताधीशों से मैं कहना चाहता हूं कि आप जान लीजिए कि सुरक्षा किसी मूर्ति पूजा या मंत्र जाप से नहीं होती है बल्कि कौशल, सजगता, चातुर्य और प्रशासन की क्षमता से होती है। संसद पर हमले की घटना के बाद जो घटनायें घटित हुई हैं वे और भी चिंताजनक है। राज्यसभा और लोकसभा के सदस्यों ने संसद में गृहमंत्री से माँग की थी कि वे संसद में हुई चूक को लेकर बयान दें। परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि गृहमंत्री या प्रधानमंत्री ने सरकार की ओर से संसद को सूचित करने के बजाय फिर एक बार टकराव, जिद और अहम का रास्ता अपनाया तथा उत्तर ना देने के विरोध में जब सांसदों ने लोकसभा और राज्यसभा में विरोध दर्ज कराया तो उन्हें निलंबित कर दिया गया। पहले दिन लगभग 46 सांसद निलंबित हुए, फिर 100 से अधिक हुए, और अब तक लगभग 146 सांसद यानि समूचा प्रतिपक्ष लगभग निलंबित कर दिया गया है तो क्या प्रतिपक्ष के बगैर किसी संसद की पूर्णता की कल्पना हो सकती है। प्रतिपक्ष तो एक संवैधानिक संसद का अंग है और लोकतांत्रिक परंपराओं के दृष्टिकोण से आभूषण जैसा है। बगैर प्रतिपक्ष के संसद सुंदर नहीं हो सकती बल्कि वह क्षत विक्षत और कुरूप होगी। सरकार प्रशासनिक काम करती है और इस अर्थ में वह शरीर के हाथ के समान है परन्तु प्रतिपक्ष तो सरकार के लिए उनकी कमियों को बताने या उन्हें ठीक काम को प्रेरित करने के लिए मस्तिष्क और ज़बान का काम करता है। इस अर्थ में प्रतिपक्ष सिर है और सरकार हाथ हैं यदि शरीर से सिर कट जायेगा तो शरीर का कोई अर्थ नहीं रह जायेगा। आज समूची दुनिया में भारतीय लोकतंत्र संदिग्ध हो गया है और दुनिया की लोकतांत्रिक आबादी सरकार के इस कदम को अलोकतांत्रिक और अघोषित तानाशाही मान रही है। संविधान या कानून केवल शब्दों से नहीं चलते बल्कि उनकी भावनाओं से चलते हैं। स्पीकर महोदय के पास या सभापित महोदय के पास निलंबन के अधिकार तो है परन्तु उनके प्रयोग तार्किक और न्यायिक तरीके से होने चाहिए।

यह कितना विचित्र है कि हत्या के अपराधी को भी अपनी बात कहने का अवसर मिलता है परन्तु 20 लाख मतदाताओं के निर्वाचित प्रतिनिधि को सरकार से उत्तर माँगने का भी अधिकार नहीं है। 150 संसदीय क्षेत्र का मतलब, देश का एक तिहाई क्षेत्र होता है। क्या एक तिहाई मतदाताओं और उनके प्रतिनिधियों को सरकार से उत्तर माँगने का भी अधिकार नहीं है? निलंबन के बाद सरकार ने कई कानून पारित किए हैं अभी उनकी विस्तृत जानकारी नहीं मिली है परन्तु मीडिया से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनके कुछ प्रावधान जनहित के हो सकते हैं। परन्तु देश में प्रतिपक्ष और एक हिस्सा यह मान रहा है कि सरकार ने चोरी-चोरी कानूनों को पारित कराने के लिए निलंबन और योजनाबद्ध, विवाद पैदा किया है। अन्त में महामहिम राष्ट्रपति जी से अपील करूँगा कि वे प्रधानमंत्री जी को निर्देश दें कि वह संसद में उत्तर दें, निलंबन रद्द करने का प्रस्ताव लायें और लोकतंत्र की गाड़ी को पटरी पर वापिस लायें।

खेत खलिहान के प्रयोगधर्मियों को संरक्षण प्रोत्साहन की जरूरत

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बदलते सिनेरियों में सरकार को अब विश्वविद्यालयों की बड़ी बड़ी और संसाधनयुक्त प्रयोगशालाओं से अलग खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर अपनी मेहनत, नवाचारी, परंपरागत और आधुनिकतम खेती के बीच सामंजस्य बनाते हुए नित नए प्रयोग करने वाले प्रयोगधर्मी किसानों की मेहनत को मान्यता, संरक्षण और पहचान देने की पहल भी करनी होगी। इसमें कोई दो राय नहीं की देश के कृषि विश्वविद्यालयों में शोध और अनुसंधान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय कार्य हो रहा है और आज खेती किसानी के क्षेत्र में देश नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। कृषि के क्षेत्र में भारत आज अग्रणी देश बन गया है। हालात यह हो गए है कि आज गेहूं और धान के निर्यात पर रोक के बावजूद देश के किसानों की ही मेहनत का फल है कि बागवानी व अन्य कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाकर देश निर्यात के नए कीर्तिमान स्थापित करने की और अग्रसर है।

पर यहां हमें यह नहीं भूलना होगा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण जहां गेहूं, धान आदि के उत्पादन के हालात सेचुरेशन वाले हो गये हैं वहीं भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने के साथ ही पानी का अत्यधिक दोहन, स्वास्थ्य और सेहत के लिए हानिकारक होता जा रहा है। आज देश जैविक व परंपरागत खेती की और बढ़ रहा है। हांलाकि यह भी उपलब्धि है कि दुनिया में हमारा सिक्किम दुनिया का पहले नंबर पर जैविक अनाज उत्पादक प्रदेश बन गया है। खैर इस सबके बीच हमें उन प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों को प्रोत्साहित और उनकी मेहनत को संरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए आगे आना होगा जो अपनी सीमित साधन, संसाधन और विपरीत वित्तीय परिस्थितियों के बावजूद नई इबारत लिख रहे हैं। सही मायने में देखा जाये तो इन प्रयोगधर्मी अन्नदाताओं की मेहनत व लगन को किसी कृषि वैज्ञानिक से कम नहीं आका जा सकता। देश के अनेक प्रयोगधर्मी भूमिपुत्रों में से अपनी खेती-अपना खाद, अपना बीज-अपना स्वाद को ध्येय बनाकर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के टड़िया गांव के किसान वैज्ञानिक श्रीप्रकाश सिंह रघुवंशी ऐसे ही देश कुछ गुणे चुने खेत को ही प्रयोगशाला बनाकर जुटे हुए हैं। सच ही कहा गया है कि ईश्वर किसी ना किसी तरह से न्याय अवश्य करता है। इसी का जीता जागता उदाहरण श्रीप्रकाश रघुवंशी है। 23 साल की आयु में बीमारी के दौरान पेनिसिलिन की इंजेक्शन के दुष्प्रभाव से आंखों पर अधिक असर पड़ने के कारण आंखों की परेशानी के कारण खेत और खेती को ही प्रयोगशाला बनाकर श्रीप्रकाश ने जो नवाचार और प्रयोग किए आज उन्हें संरक्षित करने की अधिक आवश्यकता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निकट भविष्य में श्रीप्रकाश को पूरी तरह से दिखाई देना बंद होने की संभावना के अहसास के डर से लग रहा है कि ऐसी विकट स्थिति आई तो कृषि क्षेत्र में उनकी शोध यात्रा थम जाएगी।

उन्हें चिन्ता है कि गेहूं, अरहर, सरसों आदि की उनके द्वारा विकसित 'कुदरत' और करिश्मा प्रजाति के बीज और 200 प्रकार के देसी बीजों के खजाने का क्या होगा।श्रीप्रकाश ने नित नए प्रयोग करते हुए 200 प्रकार की देशी वैरायटी के बीज विकसित किए हैं। इनमें गेहूं की 80 प्रजाति, धान की 20 प्रजाति, अरहर की 5 प्रजाति, सरसों की 3 प्रजाति सहित हमारी जलवायु और वातावरण में अच्छी, जल्दी पकने वाली देशी प्रजातियों को विकसित करने का अहम काम किया गया है। 'गेहूं कुदरत-9 और कुदरत-8 विश्वनाथ लम्बे बाली वाला होता है। एक बाली में 80-90 दाने होते हैं। तेज पानी, हवा से पौधा गिरता नहीं। उत्पादन क्षमता 25 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ है। दाना मोटा, चमकदार और वजनदार होता होता है। खासबात यह है कि देश के कृषि विश्वविद्यालयों द्वारा किए जा रहे दावों को जांचा परखा गया है और गुणवत्ता पर खरे उतरे हैं।

देश के कई हिस्सों में खासतौर से यूपी, मध्यप्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब हरियाणा आदि में 100, 50, 25 ग्राम के सैंपल्स उपलब्ध कराकर प्रयोग किया गया है और यह प्रयोग सफल रहा है। अब श्रीप्रकाश की चिंता यही है कि इन स्वदेशी बीजों का बैंक बन जाए तो इनका उपयोग, उत्पादन और संरक्षण का काम हो सकेगा। इसका लाभ अंततोगत्वा देश के कृषि क्षेत्र को ही मिलेगा। श्रीप्रकाश के बहाने यहां चिंतनीय और विचारणीय हालात यह हो जाता है कि देश के ऐसे भूमि पुत्रों को राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जाना ही पर्याप्त नहीं है। सम्मान अपने आपमें मायने रखता है पर इनकी मेहनत और प्रयोग को जब उपादेय माना जाता है तो उसके संरक्षण और संवर्द्धन किया जाना चाहिए। मेरा मानना है कि केन्द्र व राज्य सरकार के कृषि मंत्रालयों को ऐसे नवाचारी, अपनी धुन में मस्त, मानव समाज और कृषि जगत के लिए किये जा रहे कार्यों को पहचान के साथ ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बल्कि होना तो यह चाहिए कि मंत्रालयों में एक अनुभाग ऐसा होना चाहिए जो केवल ऐसे लोगों को प्रोत्साहित करने, उन्हें सहयोग करने, आवश्यकतानुसार संसाधन उपलब्ध कराने और परीक्षण के बाद खरी उतरने वाले प्रयोगों को सरकार द्वारा अपने हाथ में लेकर आगे बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए। आज किसानों को भ्रमण कराया जाता है। यदि ऐसे नवाचारी भूमिपुत्रों के खेत खलिहान का भ्रमण कराया जाता है, अनुभवों से रुबरु कराया जाता है तो यह अधिक लाभदायक होगा इसमें कोई संदेह नहीं किया जाना चाहिए। देखा जाए तो श्रीप्रकाश तो एक बहाना है हां यह अवश्य है कि उत्तर प्रदेश सरकार और केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय को आगे आकर श्रीप्रकाश द्वारा 200 से अधिक किए गए 20 प्रजाति के बीज बैंक की स्थापना कर संरक्षित करने के लिए आगे आना चाहिए। श्रीप्रकाश के स्वास्थ्य की विपरीत परिस्थिति को देखते हुए संबल प्रदान करना चाहिए। यह केवल श्रीप्रकाश की ही बात नहीं हैं देश के हर कोने में इस तरह के कर्मयोगी मिल जाएंगे। मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के महेन्द्र मधुप ने इस तरह के कर्मयोगियों व उनके प्रयोगों को अन्वेषक किसान सहित अपनी पुस्तकों व अनवरत लेखकीय प्रयासों से सामने लाने की पहल की है। सरकार को इन्हें मान्यता देनी चाहिए।

केवल पुरस्कारों से कुछ होने वाला नहीं हैं अपितु इनकी मेहनत के नवाचारों को विस्तारित किया जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार पहले जांचें परखें पर जांच परख के बाद जब उपयोगी सिद्ध होती है तो फिर सरकार को ऐसे प्रयोगों को आगे बढ़ाना चाहिए। भले ही विश्वविद्यालयों में अन्य पीठों की तरह इस तरह की नवाचारी प्रयोगधर्मी भूमि पुत्रों के लिए भी पीठ की स्थापना कर आगे आ सकती है। कोरोना के बाद विश्व में नए हालात आए हैं जलवायु परिवर्तन और तापमान में बढ़ोतरी के कारण नई परिस्थितियां सामने आ रही है। विश्व में आसन्न खाद्यान्न संकट को लेकर चेताया जा रहा है। तब इस तरह की पहल की आवश्यकता और अधिक हो जाती है।

क्रिसमस का इतिहास और महत्व

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 25 दिसम्बर को विश्वभर में मनाया जाने 'क्रिसमस' पर्व ईसाई समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार है और संभवतः सभी त्यौहारों में क्रिसमस ही एकमात्र ऐसा पर्व है, जो एक ही दिन दुनियाभर के हर कोने में उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्रिसमस पर्व वास्तव में धार्मिक मायनों में केवल एक महत्वपूर्ण त्यौहार ही नहीं है बल्कि इसका एक सांस्कृतिक नजरिया भी है। यह पर्व केवल एक दिन का उत्सव नहीं है बल्कि यह पूरे 12 दिन का पर्व है, जो क्रिसमस की पूर्व संध्या से शुरू हो जाता है। हिन्दुओं में जो महत्व दीवाली का है, मुस्लिमों में जितना महत्व ईद का है, वही महत्व ईसाईयों में क्रिसमस का है। जिस प्रकार हिन्दुओं में दीवाली पर अपने घरों को सजाने की परम्परा है, उसी प्रकार ईसाई समुदाय के लोग क्रिसमस के अवसर पर अपने घरों को सजाते हैं। इस अवसर पर शंकु आकार के विशेष प्रकार के वृक्ष 'क्रिसमस ट्री' को सजाने की तो विशेष महत्ता होती है, जिसे रंग-बिरंगी रोशनियों से सजाया जाता है। मान्यता है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व 25 दिसम्बर को ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति का कल्याण करने के लिए पृथ्वी पर जन्म लिया था।

तब पूरे रोम में धार्मिक आडम्बर चारों ओर फैले थे, रोम शासक यहूदियों पर अत्याचार करते थे, धनाढ्य वर्ग विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत करता था जबकि गरीबों की हालत अत्यंत दयनीय थी। चारों ओर अशांति फैली थी, भाई-भाई का शत्रु बन गया था, धर्मस्थलों के पादरी अथवा पुजारी स्वार्थसिद्धि में लिप्त थे, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, ऊंच-नीच के बीच भेदभाव की गहरी खाई बन चुकी थी। ऐसे विकट समय में पृथ्वी पर जन्म लिया था यीशु (ईसा मसीह) ने। ईसाई धर्म के लोग मानते हैं कि ईसा के जन्म के साथ ही समूचे विश्व में एक नए युग का शुभारंभ हुआ था, यही कारण है कि हजारों वर्ष बाद भी उनके प्रति लोगों का वही उत्साह, वही श्रद्धा बरकरार है और 25 दिसम्बर की मध्य रात्रि को गिरिजाघरों के घड़ियाल बजते ही 'हैप्पी क्रिसमस' के उद्घोष के साथ जनसैलाब उमड़ पड़ता है, लोग एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते हैं और आतिशबाजी भी करते हैं। इस अवसर पर लोग गिरिजाघरों के अलावा अपने घरों में भी खुशी और उल्लास से ऐसे गीत गाते हैं, जिनमें ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति, प्रेम एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता स्पष्ट परिलक्षित होती है। हालांकि इस बात का कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलता कि क्रिसमस का त्यौहार मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां से शुरू हुई थी लेकिन माना जाता है कि यह पर्व मनाने की शुरूआत रोमन सभ्यता के समय ईसा मसीह के शिष्यों ने ही की होगी। जिन ईसा मसीह की स्मृति में लोग क्रिसमस का त्यौहार मनाते हैं, उनका जन्म अत्यंत विकट परिस्थितियों में हुआ था। दिसम्बर के महीने की हाड़ कंपा देने वाली कड़ाके की ठंड में इसराइल के येरूसलम से 8 किलोमीटर दूर बेथलेहम नामक एक छोटे से गांव में आधी रात के वक्त खुले आसमान तले एक अस्तबल में एक गरीब यहूदी यूसुफ की पत्नी मरियम की कोख से जन्मे थे यीशु, जिनके जन्म की सूचना सबसे पहले हेरोद जैसे क्रूर सम्राट को नहीं बल्कि गरीब चरवाहों को मिली थी। माना जाता है कि ये चरवाहे उसी क्षेत्र में अपनी भेड़ों के झुंड के साथ रहा करते थे और जिस रात ईसा ने धरती पर जन्म लिया, उस समय ये लोग खेतों में भेड़ों के झुंड की रखवाली करते हुए आग ताप रहे थे। कहा जाता है कि मरियम जब गर्भवती थी तो एक रात गैबरियल नामक एक देवदूत मरियम के सामने प्रकट हुआ, जिसने मरियम को बताया कि उन्हें ईश्वर के बेटे की मां बनने के लिए चुना गया है। उन दिनों जनगणना का कार्य चल रहा था और तब यह प्रथा थी कि जनगणना के समय पूरा परिवार अपने पूर्वजों के नगर में एकत्रित होता था और वहीं परिवार के सभी सदस्यों का नाम रजिस्टर में दर्ज कराता

। यूसुफ दाऊद के कुटुम्ब तथा देश का था, इसलिए गर्भवती मरियम को साथ लेकर वह भी नाम लिखवाने अपने पूर्वजों की भूमि बेथलेहम पहुंचा। जनगणना की वजह से बेथलेहम में उस समय बहुत भीड़ थी। वहां पहुंचकर युसूफ ने एक सराय के मालिक से रूकने के लिए जगह मांगी लेकिन सराय में बहुत भीड़ होने के कारण उन्हें जगह नहीं मिली। मरियम को गर्भवती देख सराय के मालिक को उस पर दया आई और उसने उन्हें घोड़ों के अस्तबल में ठहरा दिया। वहीं आधी रात के समय मरियम ने एक अति तेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसका 7 दिन बाद नामकरण संस्कार हुआ। बालक का नाम रखा गया 'जीजस', जिसे यीशु के नाम से भी जाना गया।

कैरल्स, क्रिसमस ट्री और सांता क्लॉज़

उमेश कुमार साहू

प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को प्रभु ईसा मसीह के जन्मोत्सव के रूप में 'क्रिसमस' का पर्व पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। क्रिसमस को पर्व के रूप में मनाने का प्रारंभ रोमन सभ्यता के समय हुआ। क्रिसमस के दिन गांव, कस्बों और शहरों में लोग एकत्रा होकर प्रभु ईसा मसीह की याद में गीत गाते हैं तथा एक-दूसरे को बधाई देते हैं। इस शुभ अवसर पर घरों को सजाने की परंपरा भी उसी समय से चली आ रही है। गिरजाघरों तथा घरों में बच्चे, बूढ़े, स्त्री -पुरूष सभी मिलकर 'कैरल्स' गाते हैं। सोलहवीं सदी में जोसेफ मोर ने 'साइलेंट नाइट' नामक सुमधुर गीत की रचना की थी जिसमें प्रभु ईसा मसीह द्वारा दिए गए शांति एवं भाईचारे के संदेश की महत्ता पर प्रकाश डाला गया था।'

ओ लिटिल टाउन आफ बेथलेहम' के रचयिता पास्टर फिलिप ब्रुक्स तथा चाल्स वेसले की सात हजार से अधिक कैरल्स रचनाओं में भी प्रभु ईसा के संदेशों की ही गूंज सुनाई देती है।

मार्टिन लेथर ने बच्चों के लिए एक अत्यंत सुंदर क्रिसमस कैरल गीत लिखा था जिसके बोल सुनने वाले को प्रभु ईसा के जन्म और उसके पालन पोषण की कहानियों की याद ताजा कर देते हैं।

क्रिसमस कैरल्स के अलावा घरों में 'क्रिसमस ट्री' की सजावट की शुरूआत को लेकर कुछ विवाद है। इस संबंध में एक पक्ष इसका प्रारंभ सबसे पहले जर्मनी में होने का दावा करता है। जर्मनी में चीड़ के वृक्ष को बहुत पवित्रा माना जाता है और उसे देवताओं को भेंटस्वरूप अर्पित करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। दूसरे पक्ष में फ्रांस के लोगों का दावा है कि उन्होंने ही तेरहवीं शताब्दी में इस परंपरा को प्रारंभ किया।

क्रिसमस ट्री के ही समान इस पर्व का एक और प्रमुख आकर्षण है 'सांता क्लाज'। माना जाता है कि सबसे पहले के 'सांता क्लाज' और कोई नहीं बल्कि मायरा के बिशप सेंट निकोलस ही थे जिनके असीम दयालुपन और सहृदयता ने लोगों को सांता क्लाज बनने के लिए प्रेरित किया। सांता क्लाज क्रिसमस के दिन बच्चों को मिठाइयां, फल, चाकलेट और कई तरह के उपहार देता है, इसलिए बच्चे भी उस दिन अपने प्रिय सांता का बेसब्री से इंतजार करते हैं ।

नए साल पर बन रहा है बेहद शुभ संयोग

भगवान भोलेनाथ को इस समस्त सृष्टि का रचियता माना जाता है.

उनका आदि है ना ही अंत है.

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव का विवाह पार्वती जी के साथ हुआ था.

इस विवाह के लिए पार्वती जी को सैकड़ों वर्षों तक कठोर तपस्या भी करनी पड़ी थी.

हिंदू धर्म में सोमवार के दिन का बेहद महत्व माना जाता है.

सोमवार का दिन भगवान भोलेनाथ को समर्पित होता है.

जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन विधि-विधान से शिवजी का पूजन और आराधना करता है. उसके जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं.

साल 2023 के खत्म होने में अब गिनती के दिन बाकी है। हर कोई अभी से नए साल के स्वागत करने की तैयारी में जुट गए हैं। कहा जाता है कि अगर साल का पहला दिन अच्छा बीतता है तो पूरे वर्ष खुशियों की बरसात होती रहती है। यही वजह है कि हर कोई 1 जनवरी को खास तरीके के साथ सेलिब्रेट करता है। इस बार का नया साल बेहद ही खास बताया जा रहा है। दरअसल, साल 2024 का प्रारंभ शुभ संयोग के साथ होने वाला है। ऐसे में इस दिन इन विशेष कामों को करने से सालभर आपके घर-परिवार पर सुख-समृद्धि और सौभाग्य की वर्षा होगी।

1 जनवरी 2024 को बन रहा है ये अद्भुत संयोग

बता दें कि इस बार नए साल का आरंभ सोमवार से हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह संयोग कई वर्षों बाद बना है। इसके अलावा 1 जनवरी 2024 को अमृत सिद्धि और शिववास का योग बन रहा है। ऐसे में इस बार का नया साल और खास हो गया है। सप्ताह का हर दिन अलग-अलग देवी-देवताओं को समर्पित है। इसी तरह सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा का विधान है। तो नए साल के दिन शिवजी की पूजा करने से कई गुना अधिक शुभ फलों की प्राप्ति होगी।

1 जनवरी 2024 के दिन जरूर करें ये काम

साल 2024 का पहला दिन सोमवार को पड़ रहा है तो इस दिन शिवजी की पूजा जरूर करें

मंदिर जाकर शिवलिंग पर जल अर्पित करें। साथ ही बेलपत्र, दूध, और फूल भी चढ़ाएं

भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए नए साल से महामृत्युंजय जाप भी प्रारंभ कर सकते हैं

सोमवार को नया साल है तो ऐसे में इस दिन शिव चालीसा का पाठ करना भी फलदायी होगा

पूरे वर्ष शंकर जी की कृपा पाने के लिए विधि-विधान के साथ महादेव की उपासना करें

नए साल के पहले दिन सफेद चीजें जैसे- दूध, दही, सफेद वस्त्र और चीनी का दान करें। कैलाशपति आपके घर-परिवार पर अपार कृपा बरसाएंगे।

संयमी आदमी बड़े खतरनाक होते हैं

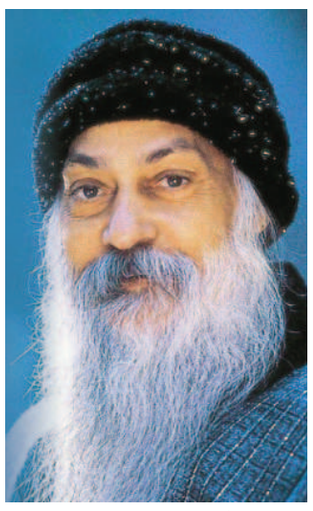

एक आदमी कहता है कि मैं ब्रह्मचर्य का दृढ़ व्रत लेता हूं! उसका मतलब है कि उसके भीतर कामुकता दृढ़ता से धक्के मार रही है। नहीं तो और कारण क्या है? एक आदमी कहता है कि मैं कसम खाता हूं कि आज से कम खाना खाऊंगा! उसका मतलब यह है कि कसम खानी पड़ रही है, ज्यादा खाने का मन है उसका। और तब अनिवार्यरूपेण द्वंद्व पैदा होता है। जिससे हम लड़ना चाहते हैं, वही हमारी कमजोरी है। और तब द्वंद्व पैदा हो जाना स्वाभाविक है।

वह लड़ता हुआ दरवाजे के भीतर गया, सम्हल-सम्हल कर बोला कि मेरे मित्र हैं। लेकिन जब वह बोल रहा है, तब उसको कोई नहीं देख रहा है, उसके मित्र को ही उस घर के लोग देख रहे हैं। तब फिर उसे ख्याल आया..कि मेरा कोट, मेरी पगड़ी। उसने कहा कि दृढ़ता से कसम खाई है, इसकी बात नहीं उठानी है। मेरा क्या है कपड़ा-लत्ता! कपड़े-लत्ते किसी के होते हैं! यह तो सब संसार है, यह तो सब माया है! लेकिन यह सब समझ रहा है। लेकिन असलियत तो बाहर से भीतर, भीतर से बाहर हो रही है। समझाया कि मेरे मित्र हैं, बचपन के दोस्त हैं, बहुत प्यारे आदमी हैं; रह गए कपड़े, कपड़े उन्हीं के हैं, मेरे नहीं हैं। पर घर के लोगों को ख्याल आया कि कपड़े उन्हीं के हैं, मेरे नहीं हैं..आज तक ऐसा परिचय कभी देखा नहीं गया था।

बाहर निकल कर क्षमा मांगने लगा कि बड़ी भूल हुई जा रही है, मैं क्या करूं, क्या न करूं, यह क्या हो गया है मुझे। आज तक मेरी जिंदगी में कपड़ों ने इस तरह से मुझे नहीं पकड़ा था। किसी को नहीं पकड़ा है, लेकिन अगर तरकीब उपयोग में करें तो कपड़े पकड़ ले सकते हैं। मित्र ने कहा, मैं जाता नहीं तुम्हारे साथ। पर वह हाथ जोड़ने लगा कि नहीं, ऐसा मत करो। जीवन भर के लिए दुख रह जाएगा कि मैंने क्या दुर्व्यवहार किया। अब मैं कसम खाकर कहता हूं कि कपड़ों की बात ही नहीं उठानी है, मैं बिल्कुल भगवान की कसम खाता हूं कि कपड़ों की बात नहीं उठानी है। और कसम खाने वालों से हमेशा सावधान रहना जरूरी है; क्योंकि जो भी कसम खाता है, उसके भीतर उस कसम से भी मजबूत कोई बैठा है, जिसके खिलाफ वह कसम खा रहा है। और वह जो भीतर बैठा है वह ज्यादा भीतर है, कसम ऊपर है और बाहर है। कसम चेतन मन से खाई गई है। और जो भीतर बैठा है, वह अचेतन की परतों तक समाया हुआ है। अगर मन के दस हिस्से कर दें, तो कसम एक हिस्से ने खाई है, नौ हिस्सा उलटा भीतर खड़ा हुआ है। ब्रह्मचर्य की कसमें एक हिस्सा खा रहा है मन का और नौ हिस्सा परमात्मा की दुहाई दे रहा है, वह जो परमात्मा ने बनाया है वह उसके लिए ही कहे चला जा रहा है।गए तीसरे मित्र के घर। अब उसने बिल्कुल ही अपनी सांसों तक पर संयम कर रखा है।

संयमी आदमी बड़े खतरनाक होते हैं; क्योंकि उनके भीतर ज्वालामुखी उबल रहा है, और ऊपर से वे संयम साधे हुए हैं। और इस बात को स्मरण रखना कि जिस चीज को साधना पड़ता है..साधने में इतना श्रम लग जाता है कि साधना पूरे वक्त हो नहीं सकती। फिर शिथिल होना पड़ेगा, विश्राम करना पड़ेगा। अगर मैं जोर से मुट्ठी बांध लूं, तो कितनी देर बांधे रख सकता हूं? चैबीस घंटे? जितनी जोर से बांधूंगा, उतनी ही जल्दी थक जाऊंगा और मुट्ठी खुल जाएगी।जिस चीज में भी श्रम करना पड़ता है, जितना ज्यादा श्रम करना पड़ता है, उतनी जल्दी थकान आ जाती है, शक्ति खतम हो जाती है और उलटा होना शुरू हो जाता है। **(क्रमशः)**

आखिर कैसी है यमलोक के मार्ग में पड़ने वाली वैतरणी नदी

हिंदू धर्म में 18 पुराणों में से एक गरुण पुराण है। जिसमें भगवान विष्णु और पक्षिराज गरुण जी का संवाद विस्तार पूर्वक वर्णित है। गरुण पुराण में सनातन धर्म से जुड़ी कई सारी विधियों, नियमों, कर्मकांडों आदि के बारे में बताया गया है। इस पुराण में जीवन और मृत्यु का अटल सत्य भी बताया गया है और इसमें यह भी बताया गया है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा जब शरीर त्यागती है। तो उसे स्वर्ग और नरक लोक की प्राप्ति कैसे उसके किए गए कर्मों के अनुसार होती है।

आज हम आपको इस गरुण पुराण के अनुसार वैतरणी नदी के बारे में बताएंगे। यह नदी दुष्ट और पाप कर्म करने वाले लोगों के लिए अति भयानक है। इसे पार करना मृत्यु के कष्ट से भी कई गुना अधिक कष्टकारी है। लेकिन सभी के लिए यह वैतरणी नदी इतनी कष्टकारी नहीं है। अच्छे कर्म करने वाली जीवात्माओं के लिए यह शांत और सरल है। तो आइये जानते हैं मृत्यु के बाद जब जीवात्मा यमलोक जाती हैं, तो बीच में पड़ने वाली यह वैतरणनी को कैसे पार करती हैं।

गरुण पुराण अनुसार कैसी है वैतरणी नदी

गरुण पुराण के अनुसार जो पापी जीव आत्माएं यमलोक के मार्ग को जाती हैं। उनको इस मार्ग के बीच वैतरणी नदी पार करनी पड़ती है। यह नदी अत्यंत भयानक है। कई योजन लंबी है। इस नदी में घोर अंधकार है। आग की तरह खोलती हुई यह नदी अनेक प्रकार की दुर्गंध सहित पदार्थों से भरी हुई है। लाल रक्त से रहित इस नदी को पापी जीवात्माएं पार करने से घबरा उठती हैं। जिन लोगों ने जीवन भर दूसरों को सताया है, चोरी की है, मदिरा(शराब पीना) का सेवन किया है, गुरुजनों का अनादर किया है, गलत कार्य किए हैं, गरीबों का हक मारा है, मां-बाप का अनादर किया है, ग्रहस्थ जीवन में रहते हुए पत्नी या पती से छल कपट किया है, मित्र के साथ धोका किया है, दान पुण्य नहीं किया है, वेद-शास्त्रों को पाखंड कहा है, देवताओं का अनादर किया है, निर्दोश जीव-जंतुओं की हत्या की है और मासाहार किया, पूजा, यज्ञ, गौ दान जिसने नहीं किया है आदि अनेक प्रकार के पाप कर्म से रहित ऐसे लोगों को मृत्यु के पश्चात इस वैतरणी नदी को पार करना पड़ता है।

इस नदी में यम दूत पापी आत्माओं को यम पाश से बांध कर ले जाते हैं। पापी मनुष्य कई बार इसमें डूबते हैं, इस नदी में माजूद सूंई की तरह बड़े-बड़े नुकीले दांतों वाले सर्प पापी आत्माओं को डंसते रहते हैं, बड़े-बड़े पैने दातों वाले गिद्ध पापी आत्माओं को नोचते रहते हैं। पाप कर्म करने वाली आत्माएं इस नदी को पार करते समय रोती बिलखती रहती हैं। किसी को यमदूतों के यम पाश से बंध कर कील से खिचते हुए यह नदी पार करनी पड़ती है, तो किसी को डूबते-डूबते। इस नदी में ऐसी भयानक स्थिति में पापी प्राणी नरक की यातनाओं को सहते हुए कई बार बेहोश हो जाता है। फिर होश में आकर जोर-जोर से चीखता बिलखता रहता है। अंत में वह अपने पूर्व जन्म के कर्मों को याद कर के पछताने लगता है, अपनी संतान, मित्र, पित-पत्नी को याद कर के जोर-जोर से पुकारने लगता है और भय के मारे जोर-जोर से रोने लगता है और फिर इस नदी में कष्ट पाकर सोचता है कि मैने ऐसे कर्म क्यों किए। लेकिन फिर भी यह नदी पार नहीं होती है।

वैतरणी नदी किन लोगों को नहीं पार करनी पड़ती

गरुण पुराण के अनुसार जो लोग भगवत मार्ग पर चलते हैं, जिन्होनें भगवान विष्णु की भक्ति के साथ-साथ अपने आराध्या देवी-देवताओं की भक्ति की है, किसी के साथ छल नहीं किया, लोगों की साहयता की हो, भगवान के नाम की चर्चा, उनके नाम का जाप, वेद-शास्त्रों का अध्ययन, यज्ञ, हवन-पूजन, एकादशी व्रत का पालन, चार धाम यात्रा, मंदिरों में दान-पुण्य, तीर्थयात्रा की हों ऐसे पुण्य कर्म करने वाले लोगों को वैतरणी नदी की यातना नहीं सहनी पड़ती है।

गौ दान किया हो तो पार कर पाएंगे वैतरणी नदी

गरुण पुराण में लिखा है की जिसने भी अपने जीवन में एक बार भी गौ दान किया है। उनको वैतरणी नदी से वही गौ माता पार कराती हैं। पुराण में बताया गया है कि जब जीवात्मा वैतरणी नदी के पास पहुंचती हैं। तो उस नदी के तट पर वही गौ माता प्रकट होती हैं जिनका दान आपने अपने जीवन काल में किया है और फिर जीवात्मा उनकी पूंछ को पकड़ कर बिना किसी यातना को भोग कर सीधा वैतरणी नदी पार कर पाती हैं। लेकिन गौ दान करते समय इस बात का ध्यान रखें की गौ माता को उसी जगह दान करें जहां उनकी जीवन परियंत सैवा हो सके। गौ शाला में उनकी देख-रेख हो सके। ऐसी जगह गौ दान न करें, जहां गौ माता को कष्ट भोगना पड़े, वरना उस पाप का स्वयं भुगतान आपको भोगना पड़ता है।

पूर्व व उत्तर दिशा बनवाएं दुकान का प्रवेश द्वार

दिन दुगनी-रात चौगुनी तरीके से कारोबार में होगी कमाई

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे दुकान के किस दिशा में प्रवेश द्वार बनवाने से क्या होता है। आज हम सबसे पहले बात करेंगे पूर्व और उत्तर दिशा के बारे में। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ये दोनों ही दिशाएं दुकान का प्रवेश द्वार बनवाने के लिए अच्छी मानी जाती है। दिशाओं में पूर्व व उत्तर दिशा को शुभ दिशाएं माना जाता है। यदि आपकी दुकान पूर्वमुखी है यानि कि आपकी दुकान का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा में है तो यह आपके व्यवसाय के लिए बहुत ही अच्छा और लाभ देने वाला होता है। इसके अलावा यदि दुकान की उत्तर दिशा में प्रवेश द्वार हो तो इससे आपकी दुकान के धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी और आपकी दुकान का और आपका नाम पूरे मार्केट में चमकेगा और आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

इस दिशा में न बनवाएं दुकान का प्रवेश द्वार

वास्तु के मुताबिक, पश्चिम दिशा और दक्षिण दिशा में दुकान का प्रवेश द्वार कारोबार के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। यदि आप पश्चिम दिशा में प्रवेश द्वार बनवाते हैं तो आपका बिजनेस भी ठीक चलेगा तो कभी बिल्कुल खराब, कभी मंदी रहेगी तो कभी तेजी।

इसके अलावा यदि आप दक्षिण दिशा का चुनाव करते हैं तो यह आपके बिजनेस के लिए और भी बेकार है।

आपका बिजनेस बिल्कुल चींटी की तरह धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा और आपको पैसों की तंगी बनी रहेगी। लेकिन यहां एक बात ध्यान देने की है कि अगर आप इन दिशाओं का चुनाव खाद्य पदार्थों और मनोरंजन सेवाओं की दुकान के लिए करते हैं तो ये दोनों ही दिशाएं अच्छी मानी जाती हैं।

इस दिशा में किचन होना बेहद जरूरी

वास्तु शास्त्र की परंपरा सदियों पुरानी है। प्राचीन समय में जब भी कहीं राजभवनों या घरों का निर्माण होता था। तो सबसे पहले वास्तु के नियमों को ध्यान में रखा जाता था। आज भी ज्यादातर लोग वास्तु के अनुसार अपने भवनों का निर्माण करवाते हैं। लेकिन कहीं न कहीं उसमें कोई कमी रह जाती है, जिस कारण घर में निगेटिविटि पैदा होने लगती है। घर के वास्तु में जो सबसे महत्वपूर्ण बात होती है, वह सही चीज का सही दिशा में होना। तो आज हम वास्तु शास्त्र के अनुसार यह बात जानेंगे कि घर में किचन किस दिशा में होना चाहिए।

वास्तु के अनुसार रसोई की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर का किचन हमेशा अग्नि कोण में होना चाहिए, यानी पूर्व-दक्षिण दिशा में। किचन में खाना बनाने के लिए अग्नि का प्रयोग होता है। जिसकी सही दिशा अग्नि कोण है। माना जाता है कि इस दिशा में खाना बनाने से घर में सुख-समृद्धि आति है। वास्तु दोष नहीं लगता है और घर में अन्न का भंडार भरा रहता है। ऐसे घर के सदस्य सदा सुखी रहते हैं।

वास्तु के साथ इन बातों का भी रखें ध्यान

किचन के वास्तु में मुख्य तौर पर चूल्हा अग्नि कोण की दिशा में होना चाहिए, क्योंकि वह अग्नि देव की सर्वश्रेष्ठ दिशा मानी गई है। किचन में पानी का नल ईशान कोण में होना चाहिए। यानी उत्तर-पूर्व दिशा में यह जल के देवता वरुण देव का स्थान भी माना जाता है।

वास्तु के अनुसार किचन में लगी खिड़की पूर्व दिशा में होनी चाहिए और किचन का चूल्हा खिड़की के बाहर की तरफ नहीं दिखना चाहिए।

बात करें रंग कि, तो माना जाता है कि किचन में रंग का उतना ही महत्व है जितनी दिशा का होता है। वास्तु के अनुसार घर की रसोई में पीला रंग, हल्का लाल रंग या गुलाबी रंग करवाना चाहिए। क्योंकि यह अग्नि देव से संबंधित रंग हैं। घर की रसोई में कभी भी काला या नीला और डार्क शेड रंग नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करना अशुभता को दर्शाता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में किचन से कभी भी सटा हुआ बाथरूम नहीं होना चाहिए। जहां ऐसा होता है, तो उस घर में परिवार के सदस्य रोग से घिरे रहते हैं। रसोई घर में भोजन बनाएं, तो रोटी का पहला हिस्सा गाय को सबसे पहले खिलाएं। माना जाता है इससे घर में अन्न की बरकत होती है। वास्तु के अनुसार यदि रसोई घर सही दिशा में नहीं बना है और उसे फिर से दिशा अनुसार नहीं बनाया जा सकता। तो वहां एक तुलसी का पौधा गमले में लेकर रख दें। ऐसा करने से वास्तु दोष समाप्त हो जाता है।

एनिमल में रणबीर की ऑनस्क्रीन मां उनसे 1 साल बड़ी : पहली मीटिंग में चारु को देख संदीप रेड्डी वांगा बोले थे- आप तो काफी यंग हैं

एक्ट्रेस चारु शंकर ने फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर की मां का रोल प्ले किया है। चारु ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि वो रियल लाइफ में रणबीर से सिर्फ एक साल बड़ी हैं। जब इस रोल के लिए उनसे फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की मुलाकात हुई थी, तो वे भी चारु को देख कर सरप्राइज थे।

उम्र की वजह से फिल्म को खोना नहीं चाहती थीं चारु

बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में चारु ने बताया- ये सच है कि मुझमें और रणबीर में सिर्फ एक साल का अंतर है। सिर्फ इस कारण मैं फिल्म को ना क्यों कहती। यह बहुत सुनहरा मौका था। मैं फिल्म के कास्ट को जानती थी, संदीप ने फिल्म की पूरी कहानी भी बताई थी। इसकी कहानी बहुत ही रोचक लगी थी।

डायरेक्टर के साथ पहली मुलाकात का किस्सा भी बताया

चारु ने डायरेक्टर के साथ पहली मीटिंग के बारे में भी बात की। चारु ने कहा- अभी भी याद है कि मैं जीन्स और कुर्ती पहनकर संदीप से मिलने गई थी। मैं बैठकर उनका इंतजार कर रही थीं, तभी वो मेरे सामने से गुजर कर अपने ऑफिस में चले गए। फिर उन्होंने अपने AD से मेरे बारे में पूछा। AD के बताए जाने पर उन्होंने अंदर मिलने के लिए बुलाया। उन्होंने आने के लिए मेरा शुक्रिया भी किया। फिर बोले- मैं आपसे कहना चाहता हूं कि आप बहुत यंग हैं।

नेपोटिज्म के तंज की वजह से अनन्या से दोस्ती हुई : सिद्धांत

अनन्या पांडे, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव स्टारर फिल्म खो गए हम कहां 26 दिसंबर, 2023 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म के डायरेक्टर अर्जुन वरैन सिंह हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सिद्धांत चतुर्वेदी ने बताया कि 2019 में हुए न्यूकमर राउंडटेबल के दौरान उनके और अनन्या के बीच जो हुआ, उसी की वजह से अनन्या से उनकी बातचीत शुरू हुई और फिर दोस्ती हुई। अनन्या ने भी सिद्धांत की बात पर हामी भरी।

न्यूकमर राउंडटेबल का पूरा किस्सा

साल 2019 में राजीव मसंद ने न्यूकमर्स राउंडटेबल होस्ट किया था, जहां नेपोटिज्म और आउटसाइडर्स पर भी खूब चर्चा हुई थी। इस दौरान अनन्या पांडे और सिद्धांत चतुर्वेदी के बीच का एक कन्वर्सेशन ट्रोलिंग का शिकार हुआ था। जिसमें नेपोटिज्म पर अनन्या पांडे ने अपनी स्ट्रगल जर्नी शेयर करते हुए कहा था कि मेरे पिता चंकी पांडे कभी कॉफी विद करण में नहीं गए और उन्होंने धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म नहीं की और मैंने बहुत स्ट्रगल किया है। इस बात पर सिद्धांत चतुर्वेदी ने कहा था- जहां हमारे सपने पूरे होते हैं वहां स्टारकिड्स का स्ट्रगल शुरू होता है।

बता दें कि सिद्धांत चतुर्वेदी और अनन्या पांडे दोनों ने साल 2019 में गली बॉय और स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू किया था। सिद्धांत एक आउटसाइडर थे जबकि अनन्या एक स्टारकिड हैं।

अनन्या और सिद्धांत एक दूसरे से पर्सनली और प्रोफेशनली कनेक्टेड हैं

सिद्धांत ने हाल ही में ये खुलासा किया कि 2019 में जो हुआ, उसी की वजह से सिद्धांत और अनन्या के बीच दोस्ती हुई। अनन्या ने भी सिद्धांत की बात में हां में हां मिलाई और कहा- हां, हमारी बातचीत उसी नेपोटिज्म के तंज से शुरू हुई और फिर हम दोस्त बन गए। सिद्धांत मेरा एक ऐसा दोस्त है जिसे मैं कॉल करके बता सकती हूं कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं। अगर मुझे लगता है कि पर्सनली और प्रोफेशनली कुछ ठीक नहीं है, या अगर उसे लगता है कि कुछ दिक्कत है, तो हम एक-दूसरे से शेयर करते हैं।

गर्लफ्रेंड संग सात फेरे लेंगे रति अग्निहोत्री के बेटे

रति अग्निहोत्री के बेटे फिल्म स्टार तनुज विरवानी जल्द ही अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड तान्या जैकब के साथ शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।इस जोड़े की सगाई नवंबर 2023 में सिंगापुर में हुई थी। हाल ही में दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान, तनुज ने अपने इस नए सफर के बारे में खुलकर बातचीत की।

हमारी शादी 25 दिसंबर को है लेकिन उससे जुड़ी जितनी भी सेरेमनी हैं वो हम 24 तारीख को करेंगे जिसकी तैयारी हमने शुरू कर दी है। दरअसल, हमने किसी वेडिंग प्लानर या एजेंसी को हायर नहीं किया है। जो भी फंक्शन हैं,हम परिवार वाले खुद उसका पर्सनली अरेंजमेंट देख रहे हैं। फिर चाहे वो मेहमानों को न्योता देना या फिर डेकोरेशन, हर छोटी सी छोटी बातों का ख्याल हम खुद रख रहे हैं। थोड़ा स्ट्रेस्फुल है लेकिन एन्जॉय भी खूब कर रहे हैं।

मम्मी के पुराने गानों पर थिरकेंगे

24 तारीख को हमने क्रिसमस थीम के इर्द-गिर्द फंक्शन प्लान किया है जिसमें बॉलीवुड म्यूजिक बजेगा, खूब सारे गेम्स खेले जाएंगे, दोनों परिवार एक-दूसरे से इंटरैक्ट करेंगे इत्यादि। हमने एक रेट्रो परफॉरमेंस भी रखा है जिसमे मां के पुरानी फिल्मों के गाने पर थिरकेंगे। मेरे पापा पहली बार स्टेज पर सोलो परफॉर्म करने वाले हैं।

शाहरुख ने अपकमिंग फिल्म के बारे में दिया हिंट बुजुर्ग व्यक्ति के किरदार में नजर आएंगे

शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'डंकी' कल यानी 21 दिसंबर को रिलीज कर दी गई है। 2023 में शाहरुख की कुल 3 तीन फिल्में रिलीज हुईं। इसी बीच उन्होंने राया अबिराचेड के साथ चैट में अपनी आने वाली फिल्म के बारे में हिंट दिया है। वो मार्च-अप्रैल तक अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि अपनी अगली फिल्म में वो बुजुर्ग व्यक्ति का रोल प्ले करेंगे।

इससे पहले भी शाहरुख वीर-जारा और जवान जैसी फिल्मों में बुजुर्ग व्यक्ति के किरदार में दिखे हैं। लेकिन इस फिल्म में पहली बार SRK पूरी फिल्म में बुजुर्ग हीरो की भूमिका में नजर आएंगे। चैट के दौरान जब उनसे उनकी अगली फिल्म के बारे में पूछा गया। इसपर एक्टर ने कहा- मुझे लगता है कि मैं अब मार्च-अप्रैल में एक फिल्म की शूटिंग शुरू करूंगा। उन्होंने कहा- मैं इस फिल्म में बुजुर्ग हीरो की भूमिका में नजर आऊंगा।

शाहरुख खान ने लगभग एक साल से कोई इंटरव्यू नहीं दिया है और केवल सोशल मीडिया और इवेंट के जरिए ही लोगों से बातचीत की है। चैट के दौरान, जब उनसे पूछा गया कि उन्हें डंकी की ओर क्या अट्रैक्ट करता है, तो एक्टर ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो, जो चीज आपको राजकुमार हिरानी की फिल्म की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वो खुद राजकुमार हिरानी हैं। उन्होंने कहा कि ये एक बहुत ही दिल को छूने वाली फिल्म है।

फाइटर के दूसरे गाने में समंदर किनारे ऋतिक और दीपिका की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखी

आज यानी 22 दिसंबर को ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' का दूसरा गाना रिलीज हो गया है। 'इश्क जैसा कुछ' नाम के इस गाने में ऋतिक और दीपिका ग्लैमरस लुक में नजर आए। समंदर किनारे फिल्माए गए इस गाने में दोनों की केमिस्ट्री जबरदस्त दिखाई दे रही है। बता दें, इस ट्रैक को विशाल- शेखर ने कंपोज किया है। गाने में विशाल, शेखर और शिल्पा राव ने अपनी आवाज दी है। ये फिल्म भारत की पहली हवाई एक्शन फिल्म होगी।

यूजर्स ने भी जमकर तारीफ की

'इश्क जैसा कुछ' ट्रैक में ऋतिक और दीपिका रोमांटिक अंदाज में दिखे। फैंस को भी दोनों की केमिस्ट्री बहुत अच्छी लग रही है। एक यूजर ने लिखा- डांस के किंग और ब्यूटी की क्वीन एक साथ। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- बहुत खूब! बस वाह! याद नहीं आ रहा कि पिछली बार किसी बॉलीवुड गाने में लीड स्टार्स के बीच इतनी दिलचस्प केमिस्ट्री कब दिखी थी। यूजर्स ने ऋतिक के डांस की भी काफी तारीफ की।

मद्रास हाईकोर्ट ने मंसूर पर लगाया 1 लाख का जुर्माना

तमिल एक्टर मंसूर अली खान को मद्रास हाईकोर्ट ने तगड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को उन्हें एक्टर्स तृषा कृष्णन, चिरंजीवी और खुशबू सुंदर के खिलाफ डिफेमेशन केस फाइल (मानहानि का मुकदमा दायर) करने की परमिशन देने से इनकार कर दिया।

बार और बेंच की रिपोर्ट्स की मानें तो हाईकोर्ट ने खान के डिफेमेशन केस फाइल करने की मांग को पब्लिसिटी स्टंट करार दिया है। इतना ही नहीं कोर्ट ने मंसूर पर 1 लाख रुपए का फाइन भी लगाया है। खान को यह अमाउंट चेन्नई के अडयार कैंसर इंस्टीट्यूट में जमा करने का निर्देश दिया गया है। मंसूर को तभी से आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है जब से उन्होंने फिल्म लियो में को-एक्ट्रेस रहीं तृषा को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया था।

इससे पहले दिसंबर की शुरुआत में हाईकोर्ट ने मानहानि का मुकदमा शुरू करने के लिए मंसूर को फटकार लगाई थी। 11 दिसंबर को जब यह मामला सामने आया, तो जस्टिस एन सतीश कुमार ने कहा था कि मंसूर को नहीं बल्कि तृषा को मंसूर के बयान के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि एक्टर को पता होना चाहिए कि सार्वजनिक तौर पर कैसा व्यवहार किया जाता है। खासकर तब जब बहुत से लोग एक्टर्स को रोल मॉडल के रूप में देखते हैं। इस पूरी कंट्रोवर्सी की शुरुआत मंसूर के उस बयान से हुई थी जिसमें उन्होंने तृषा के साथ फिल्म 'लियो' में बेडरूम और रेप सीन शूट करने की इच्छा जताई थी।

दो दिन में सलार का ग्लोबल कलेक्शन 295 करोड़

शनिवार को देश में 55 करोड़ कमाए

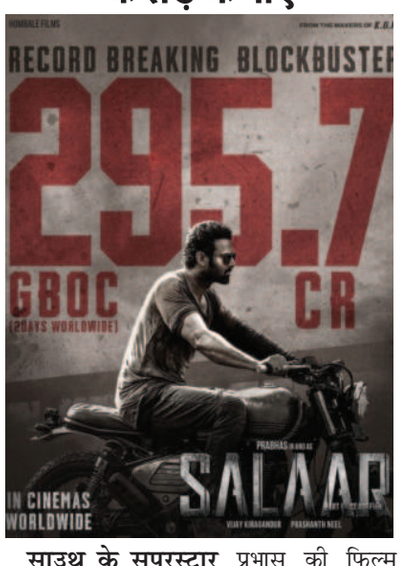

साउथ के सुपरस्टार प्रभास की फिल्म 'सलार' ने रिलीज के दूसरे दिन भी बॉक्स ऑफिस पर अपना जलवा बरकरार रखा। जहां ओपनिंग डे पर सलार ने इंडियन बॉक्स ऑफिस पर 90 करोड़ 70 लाख रुपए का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन इसने देशभर में 55 करोड़ रुपए कमाए। अब इसका टोटल इंडियन बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 145 करोड़ 70 लाख रुपए हो चुका है।

वहीं ट्रेड एक्सपर्ट्स की मानें तो ओपनिंग डे पर ग्लोबली 178.7 करोड़ का कलेक्शन करने के बाद सलार ने दूसरे दिन 106 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। मात्र दो दिनों में सलार का टोटल ग्लोबल कलेक्शन 285 करोड़ रुपए हो चुका है।

फर्स्ट वीकेंड तक 370 करोड़ कमा लेगी सलार

'सलार एक एक्शन जॉनर की मास फिल्म है। इस तरह की फिल्मों का टारगेट ऑडियंस बहुत बड़ा होता है। नॉर्थ में डंकी से क्लैश होने पर इस फिल्म के कलेक्शन पर असर पड़ा है पर इसके बावजूद भी यह फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है।

लोग इसे KGF से भी कम्पेयर कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह फिल्म फर्स्ट वीकेंड तक 350 से 370 वर्ल्डवाइड करोड़ का कलेक्शन कर सकती है। अगर इसके क्रिसमस डे (सोमवार) को भी जोड़ दिया जाए तो यह 420 से 430 करोड़ तक कमा लेगी।'

अनिल कपूर ने किया खुलासा : कहा- पिता ने करियर की शुरुआत में मेरी मदद नहीं की जिसकी वजह से मेरे अंदर कड़वाहट भर गई थी

रणबीर कपूर और अनिल कपूर स्टारर फिल्म 'एनिमल' हाल ही में रिलीज हुई है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर, कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं। अनिल कपूर को इंडस्ट्री में 40 साल हो गए हैं। ऐसे में एक्टर ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और कुछ किस्से शेयर किए। अनिल कपूर ने कहा- उनके पिता ने घोषणा कर दी थी कि अनिल को इंडस्ट्री में अपने दम पर आगे बढ़ना होगा और उन्हें उनसे (अपने पिता से) कोई मदद नहीं मिलेगी।

अनिल कपूर के पिता ने शुरुआती दौर में उनकी मदद नहीं की

अनिल कपूर जाने-माने निर्माता सुरिंदर कपूर के बेटे हैं। लेकिन इसके बावजूद भी एक्टर के शुरुआती साल उतने अच्छे नहीं गुजरे थे। एक इंटरव्यू के दौरान अनिल ने अपने पिता को याद किया, जिनका 2011 में निधन हो गया था। अनिल ने कहा- मेरे पिता बहुत ईमानदार, सभ्य और इंट्रोवर्ट थे। वो एक अच्छे इंसान थे। उन्होंने कभी धक्का-मुक्की नहीं की। वो फिल्मी या आक्रामक लोगों में से नहीं थे। वो एक सज्जन व्यक्ति थे।

अनिल कपूर के अंदर कड़वाहट भर गई थी

एक्टर ने आगे कहा- मेरे पिता ने मुझसे साफ-साफ कह दिया था कि वो मेरे लिए कुछ नहीं कर सकते। सच कहूं तो मैंने कभी उम्मीद भी नहीं की थी कि वो मेरे लिए कुछ करेंगे। इसलिए जिस दिन से मुझे लगा कि अब वक्त आ गया है, मैंने खुद से कहा- यह मेरे लिए बाहर निकलने, युद्ध के मैदान में जाने और लड़ने का समय है।

कभी कटरीना ने संघर्ष के दिनों में मलाइका से प्रेरणा ली

कहा- मुझे हमेशा साबुन के विज्ञापन मिलते थे, टैक्सी से एजेंसियों के चक्कर काटती थी

कटरीना और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस' 12 जनवरी को रिलीज होगी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान कटरीना ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और कुछ किस्से शेयर किए। कटरीना ने बताया कि मलाइका अरोड़ा ने उन्हें मॉडल बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उनका पहला विज्ञापन थलपति विजय के साथ शूट हुआ था।

कटरीना को हमेशा साबुन के विज्ञापन मिलते थे

कटरीना ने इंटरव्यू के दौरान कहा- जब मैंने मुंबई आकर अपने करियर की शुरुआत की तब मेरा सपना एक मॉडल बनने का था। मेरी आइडल उस समय की सुपरमॉडल्स- मधु सप्रे और लक्ष्मी मेनन थीं। मलाइका अरोड़ा भी उस दौरान मॉडलिंग की दुनिया में थीं। मुझे इन तीनों का काम बहुत अच्छा लगता था, और मेरे मन में इनके लिए हमेशा रिस्पेक्ट थी। इनके काम से मैंने प्रेरणा जरूर ली है।

कटरीना ने आगे बताया कि उन्होंने मुंबई में मौजूद विज्ञापन एजेंसियों की एक लिस्ट बनाई थी और काम पाने की उम्मीद में वह उन सभी एजेंसियों में जाती थीं।

कटरीना ने कहा- मैं टैक्सी से एक-एक करके उन सभी एजेंसियों में जाया करती थी। मैंने कई नकली साबुन के विज्ञापन किए हैं। मैं इसमें बहुत अच्छी हूं। मुझे हमेशा साबुन के विज्ञापन मिलते थे। हां एक साबुन का विज्ञापन मैं नहीं कर पाई थी क्योंकि उसमें मुझे कबड्डी खेलने के लिए कहा गया था। सच कहूं तो मुझे उस समय पता भी नहीं था कि कबड्डी होता क्या है।

कटरीना का पहला विज्ञापन थलपति विजय के साथ था

कटरीना ने अपने पहले विज्ञापन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने कहा- मैंने पहला विज्ञापन थलपति विजय के साथ शूट किया था। ये एक सॉफ्ट ड्रिंक का विज्ञापन था जिसमें मैं एक बैलेरीना डांसर की भूमिका निभा रही थी। हालांकि जब मेरे दोस्त ने ये विज्ञापन देखा तो कहने लगा आप उस विज्ञापन में दुनिया की सबसे अनाड़ी बैलेरीना डांसर दिख रही थीं।

कटरीना और विजय पहली बार साथ काम करेंगे

फिलहाल कटरीना श्रीराम राघवन की फिल्म 'मैरी क्रिसमस' की रिलीज के लिए तैयारी कर रही हैं। क्रिसमस के दौरान फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। ट्रेलर में विजय और कटरीना की मुलाकात क्रिसमस के दिन होती है और फिर वो साथ में सेलिब्रेशन करने का फैसला करते हैं। लेकिन ये रात कटरीना और विजय के लिए काफी भारी पड़ती दिखाई देती है। ट्रेलर में सस्पेंस के साथ-साथ दोनों के बीच रोमांटिक केमिस्ट्री को भी बेहद शानदार तरीके से दिखाया गया है।

फिल्म में कटरीना और विजय के अलावा संजय कपूर, विनय पाठक, टीनू आनंद जैसे सितारे भी लीड रोल में दिखेंगे। फिल्म 12 जनवरी 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले कटरीना को फिल्म टाइगर 3 में देखा गया था जिसमें उनके काम की काफी तारीफ हुई थी। वहीं विजय सेतुपति को फिल्म जवान में देखा गया था। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी।

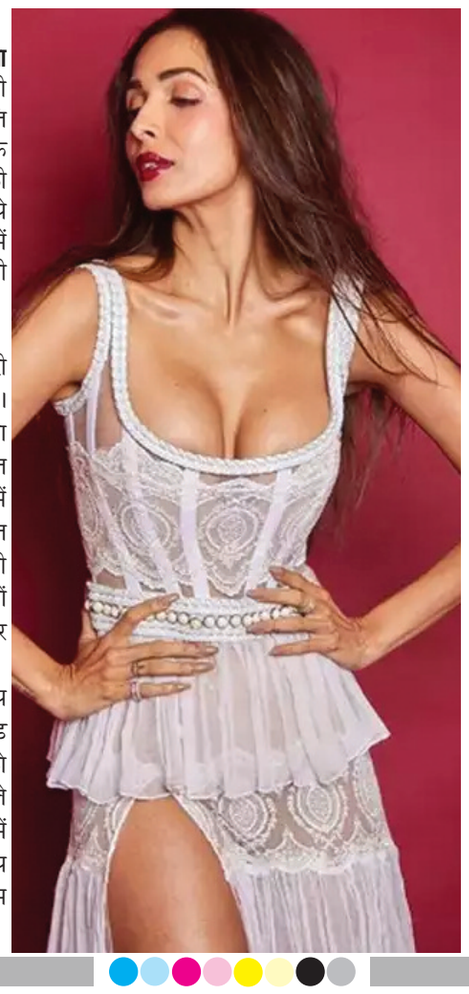

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म है 'कांस्पिरेसी गोधरा'

सत्य घटना से प्रेरित फिल्म 'एक्सीडेंट या कांस्पिरेसी गोधरा' के निर्माता बी.जे. पुरोहित और निर्देशक एम.के. शिवाक्ष हैं। मुख्य किरदार रणवीर शौरी, मनोज जोशी, हितु कनोडिया, डेनिशा घुमरा, अक्षिता नामदेव, गुलशन पाण्डेय, गणेश यादव, राजीव सुरति आदि ने निभाया है। फिल्म का विषय गोधरा कांड की जांच के लिए गठित की गई नानावटी जांच आयोग की जारी रिपोर्ट पर आधारित है। इसके जरिए निर्माता घटना की सच्चाई बताना चाहते हैं। फिल्म संदेश देती है कि दंगा हमेशा गलत होता है। ऐसी नौबत ही न आए कि कोई दंगा हो।

हमारी पूरी टीम 'एक्सीडेंट या कांस्पिरेसी गोधरा' फिल्म के सब्जेक्ट पर पिछले पांच-छह साल से काम कर रही है। पहले गोधरा में ट्रेन बर्निंग और उसके बाद गुजरात दंगा हुआ। इन दोनों के लिए नानावटी मेहता इंक्वायरी कमीशन बैठा था, उसकी जो रिपोर्ट आई थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने जजमेंट दिया था। बेसिकली, यह पूरी फिल्म नानावटी मेहता कमीशन बेस्ड कोर्ट रूम ड्रामा है। फिल्म का फ्लैशबैक दंगे के रीजन पर आती है और उसके बारे में इंक्वायरी करती है कि कैसे हुआ? कहाँ से यह उठा? इसके मास्टरमाइंड कौन थे? कौन प्लान किया था? इसके रिकॉर्डिंग विजुअल चलता है। फिल्म में बहुत सारी ऐसी चीजें भी हैं, जो पब्लिक डोमेन में नहीं हैं, पर उनका प्रूफ हमारे पास है। रिचर्स के दौरान हम हजार से ज्यादा लोगों से मिले। यह इतना सेंसिबल टॉपिक है कि सब कुछ जानते हुए भी लोग बात नहीं करना चाहते।

इन एग्जाम को पास करने पर मिलती हैं बैंक में नौकरियां

देश के लाखों युवा हर साल बैंकिंग के लिए तैयारी करते हैं. लेकिन उनमें से कुछ ही उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हो पाते हैं. आज हम आपको बताएंगे कि किन एग्जाम को पास करने पर बैंक में नौकरी मिलती है. एसबीआई और आरबीआई के अलावा, देश में अधिकांश बैंक नौकरियां आईबीपीएस की ओर से आयोजित परीक्षाओं के माध्यम से उपलब्ध होती हैं. दोनों बैंक एसबीआई, आरबीआई में अपनी-अपनी भर्ती परीक्षा आयोजित करते हैं.

आईबीपीएस पीओ परीक्षाः आईबीपीएस पीओ परीक्षा पैटर्न में तीन चरण होते हैं. इसके अलावा, IBPS SO परीक्षा और IBPS क्लर्क परीक्षा भी है. आईबीपीएस आरआरबी परीक्षाः आईबीपीएस आरआरबी सीआरपी परीक्षा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के लिए खुली है और देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा देने वाले छोटे बैंकों के लिए उम्मीदवारों का चयन करती है. इनमें सहकारी बैंक और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक शामिल हैं.

एसबीआई बैंक परीक्षाः भारतीय स्टेट बैंक में विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए विभिन्न परीक्षाएं होती हैं, जिनमें एसबीआई पीओ परीक्षा, एसबीआई एसओ परीक्षा और एसबीआई क्लर्क परीक्षा शामिल हैं.

एसबीआई पीओ परीक्षाः इसे एसबीआई प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) परीक्षा के रूप में भी जाना जाता है, यह परीक्षा एसबीआई प्रबंधन अधिकारी के लिए उम्मीदवारों का चयन करती है. एसबीआई पीओ परीक्षा को तीन चरणों में बांटा गया है.

एसबीआई एसओ परीक्षाः एसबीआई एसओ परीक्षा का उद्देश्य बैंकों के लिए विशेषज्ञ अधिकारियों (एसओ) का चयन करना है. चयन प्रक्रिया में उम्मीदवारों के अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर साक्षात्कार शामिल हैं.

एसबीआई लिपिक परीक्षाः एसबीआई लिपिक परीक्षा उत्तीर्ण करके, कनिष्ठ सहायकों को बैंकिंग दिग्गजों के लिपिक संवर्ग के रूप में भर्ती किया जाता है. इस परीक्षा को दो चरणों में बांटा गया है.

आरबीआई परीक्षाः आरबीआई देश का केंद्रीय बैंक है. जो उम्मीदवार बैंकिंग उद्योग में शामिल होना चाहते हैं, वे आरबीआई अधिकारी या क्लर्क कैडर परीक्षा उत्तीर्ण करके यहां प्रवेश कर सकते हैं. आरबीआई संगठन के भीतर विभिन्न भर्तियों की अपनी समीक्षा करता है. इसके अलावा अन्य बैंकों की ओर से भी एग्जाम आयोजित कराए जाते हैं, इन एग्जाम के जरिए बैंक में विभिन्न पद भरे जाते हैं.

एथिकल हैकिंग में बनाएं करियर

आजकल के समय को टेक्नोलॉजी का समय कहना गलत नहीं होगा. हर छोटा बड़ा काम तकनीकी से जुड़ा है. इस तकनीकी के जहां बहुत से फायदे हैं वहीं जब इसका इस्तेमाल गलत हाथों में होने लगता है तो ये बड़े लेवल पर नुकसान भी पहुंचा सकता है. बड़ी-बड़ी कंपनियों का डेटा सुरक्षित रखना, नेटवर्किंग को सेंध लगने से बचाना जैसे बहुत से काम होते हैं जो एथिकल हैकर करते हैं. जैसा कि नाम से ही साफ है कि ये है तो हैकिंग का काम लेकिन सही उद्देश्य से किया जाता है तो एथिकल हैकिंग बन जाता है.

अच्छी है ग्रोथ

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चलता है कि क्लाउड कम्प्यूटिंग की फील्ड में सर्टिफाइड एथिकल हैकर की डिमांड तेजी से बढ़ने वाली है. इससे एक बात तो पक्की है कि इस फील्ड में करियर बनाना आपके लिए कहीं से भी घाटे का सौदा नहीं साबित होगा.

कौन सा कोर्स कर सकते हैं

इस फील्ड में आने के लिए कैंडिडेट्स साइबर सिक्योरिटी, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों में बैचलर्स प्रोग्राम कर सकते हैं. इन कोर्सेस के अंतर्गत उन्हें बहुत सी चीजें सिखायी जाती हैं जैसे अलग-अलग सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी, पेंटरेशन तकनीक, एथिकल हैकिंग वगैरह. ये वे तकनीक सीखते हैं जिसके माध्यम से अलग-अलग टूल्स और टेक्नोलॉजीस का इस्तेमाल करके कंप्यूटर सिस्टम की समस्याओं को हल किया जाता है साथ ही सॉफ्टवेयर की समस्याओं को दूर किया जाता है.

कहां मिलता है काम

कंपनियों को साइबर अटैक से बचाना और उनका डाटा सेफ रखना इनका मुख्य काम होता है. ये कंपनी के ऑनलाइन बिजनेस का पूरा ध्यान रखते हैं और बहुत सी आईटी फर्म्स इन्हें नौकर पर रखती हैं. एचसीएल, विप्रो, इंफोसिस, आईबीएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, रिलायंस और एयरटेल जैसी कंपनियों में काम किया जा सकता है.

कितनी होती है सैलरी

इस एरिया में एवरेज सैलरी शुरुआत में साल के तीन से साढ़े चार लाख तक है. बाद में अनुभव बढ़ने के साथ-साथ ये साल के दस से बारह लाख तक आराम से पहुंच जाती है. आप डाटा सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट, एप्लीकेशंस सिक्योरिटी एग्जीक्यूटिव, सिक्योरिटी ऑडिटर, सिक्योरिटी सर्टिफाइड प्रोग्रामर और वेब सिक्योरिटी मैनेजर जैसे बहुत से पद पर काम कर सकते हैं.

यहां से करें कोर्स

इस फील्ड में आने के लिए बैचरल इन साइबर सिक्योरिटी, डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी नेटवर्क जैसे बहुत से कोर्स किए जा सकते हैं. इस फील्ड में 12वीं पास कैंडिडेट्स एंटर कर सकते हैं.

नौकरी के साथ लें ऑनलाइन एमबीए की डिग्री, करियर में आएगा उछाल

ग्रेजुएशन के बाद एमबीए की डिग्री आपको करियर में आगे बढ़ने में बहुत मदद कर सकती है. हालांकि कई बार ऐसा होता है कि बहुत से कैंडिडेट्स एमबीए की डिग्री के लिए कॉलेज ज्वॉइन नहीं कर पाते. ऐसे में ऑनलाइन एमबीए की डिग्री एक ऑप्शन है जिसका फायदा उठाया जा सकता है. ये ऑप्शन जॉब करने वालों या न करने वालों, दोनों के लिए खुला है. इससे आपको करियर में आगे बढ़ने में तो मदद मिलती ही है साथ ही और भी बहुत से फायदे होते हैं.

क्या हैं ऑनलाइन एमबीए के फायदे

ऑनलाइन एमबीए में आपको फ्लेक्सबिलिटी मिलती है. आप अपनी सुविधा के हिबास से कोर्स, वीडियो लेसन, क्विज वगैरह ज्वॉइन कर सकते हैं. क्लास का टाइम खुद तय कर सकते हैं. ताकि नौकरी या दूसरे कामों के साथ भी एमबीए हो जाए.

ये पैसा बचाने में भी मदद करता है. अगर आपको कॉस्ट कटिंग करनी है तो ऑनलाइन एमबीए एक ऑप्शन हो सकता है. ऑन-कैम्पस एक्सपेंसेस के साथ ही कम्यूटिंग तक इससे बहुत से क्षेत्रों में पैसा बचता है. नौकरी कर रहे हैं तो सैलरी भी मिलती है और पढ़ाई भी साइड में चलती रहती है. आपकी नॉलेज बढ़ती है और जिसका फायदा आपको नौकरी से लेकर प्रमोशन तक में मिलता है. फाइनेंस, एकाउंटिंग, मार्केटिंग की जानकारी बढ़ती है और बिजनेल एनालिटिक्स, इंटरनेशनल बिजनेस की जानकारी होने से और क्षेत्रों में फायदा पहुंचता है. ये आपके प्रमोशन के चांस बढ़ाता है, सैलरी बढ़िया मिलने लगती है और इससे जॉब सिक्योरिटी भी बढ़ती है. ऑनलाइन एमबीए के बाद आप आसानी से नौकरी पा भी सकते हैं और करियर स्विच भी कर सकते हैं.

इन जगहों से कर सकतें हैं कोर्स

आईआईएम कोझिकोड, एमाइटी ऑनलाइन यूनिवर्सिटी, आईआईएम इंदौर, एलियांस स्कूल ऑफ बिजनेस, एक्सएलआरआई वगैरह से बहुत से कोर्स किए जा सकते हैं. आप अपनी जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं.

कोर्स का चुनाव करते समय इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी का ब्रैंड, फैकल्टी की प्रोफाइल, कोर्स का क्यूरिकुलम और ड्यूरेशन, प्राइस, प्लेसमेंट या करियर सपोर्ट, पियर ग्रुप प्रोफाइल, स्पेशियलाइजेशन ऑप्शंस और टाइम कमिटमेंट कुछ एरिया हैं जिन्हें जरूर चेक कर लें.

रेड आउटफिट्स के साथ बनाएं क्रिसमस को और भी खास

क्रिसमस पर परफेक्ट ड्रेसेज की तराश में रही हैं। क्रिसमस पर सभी लड़कियां रेड ड्रेसेज ही पहनना पसंद करती हैं। ऑफिस, हाउस पार्टी या दोस्तों के साथ क्रिसमस ईवनिंग का प्लान बन गया है और रेड थीम है, तो स्योर अब आप सब कुछ छोड़कर क्या पहनें ये सोच रही होंगी। वैसे तो इसके लिए कई सारे ऑप्शन्स हैं, लेकिन कई बार याद ही नहीं क्या कि ऐसा क्या पहनें जिससे थीम से मैच भी करें और लुक फीका भी न लगें, तो इसके लिए यहां दिए गए ऑप्शन्स पर डालें एक नजर। जो हैं पार्टी के लिए एकदम बेस्ट।

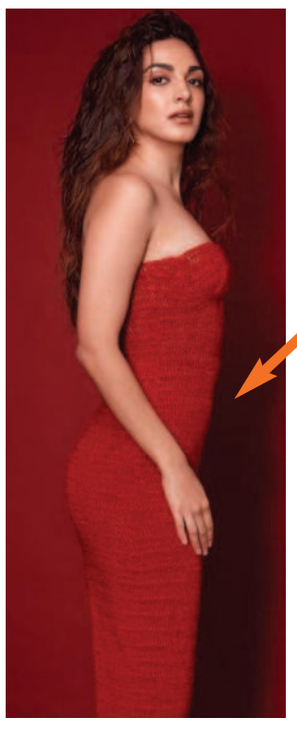

रेड साडी

अगर आप कुछ ट्रेडिशनल पहनना चाहती हैं तो कैटरीना की यह साड़ी ट्राई कर सकती हैं। कानों में हैवी ईयररिंग्स, छोटी सी बिंदी और बालों को खुला छोड़ आप क्रिसमस और भी गॉर्जियस दिख सकती हैं।

रेड स्ट्रैपलेस ड्रेस

कियारा आडवाणी की तरह आप भी इस मौके के लिए रेड ड्रेस चुन सकती हैं। किस तरह की ड्रेस आपको पसंद है इसका चुनाव आपको करना है। कियारा की तरह स्ट्रेपलेस, रैप या फिर मैक्सी ड्रेस। क्योंकि क्रिसमस के मौक पर बहुत ठंड रहती है, तो कंफर्ट का भी ध्यान रखें। वरना पार्टी में एन्जॉय करने की जगह आप ठिठुरती रहेंगी।

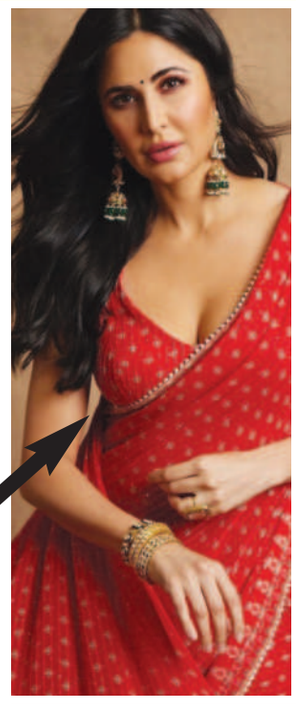

वन साइड ऑफ शॉल्डर ड्रेस

करीना की यह वन साइड ऑफ शॉल्डर ड्रेस आप चाहें तो क्रिसमस पर पहन सकती हैं। हाई हिल्स, बालों को खुला छोड़ और डॉर्क मेकअप के साथ अपना वेडिंग लुक आप चाहे तो कंप्लीट कर सकती हैं।

रेड डीप नेक ड्रेस

आप कुछ इस तरह का नी लेंथ डीप नेक ड्रेस भी चुन सकती हैं। इसके साथ ओवरकोट या शॉर्ट जैकेट की लेयरिंग करें। बेहद खूबसूरत लगेगा आपका लुक। रेड अपने आप में कम्प्लीट कलर होता है, तो इसके साथ बहुत ज्यादा मेकअप करने की जरूरत नहीं।

हाई स्लिट गाउन

पार्टी में चाहिए हर किसी की अटेंशन, तो इस तरह का थाई हाई स्लिट गाउन पहनें। यकीन मानिए मुड़-मुड़कर देखेंगे आपको लोग। विंटर सीज़न है तो आप वेलवेट फैब्रिक में गाउन चुनें। स्टाइल और कंफर्ट का परफेक्ट कॉम्बिनेशन।

रेड घाघरा चोली

पार्टी में चाहिए हर किसी की अटेंशन, तो इस तरह का घाघरा चोली व ओढनी पहनें। यकीन मानिए मुड़-मुड़कर देखेंगे आपको लोग। स्टाइल और कंफर्ट का परफेक्ट कॉम्बिनेशन। अगर आप सारा की तरह दिखना चाहती है तो जरुर ट्राई करें।

सरकारी नौकरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट में जिला जज भर्ती का नोटिस जारी, 15 जनवरी से करें अप्लाय

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी डिस्ट्रिक्ट जज 2023 के लिए 83 पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार वेबसाइट allahabadhighcourt.in पर जाकर अप्लाय कर सकेंगे।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन : लॉ में बैचलर डिग्री होनी चाहिए। इसके साथ ही उम्मीदवारों ने 7 वर्षों तक एक वकील के रूप में प्रैक्टिस की हो।

आयु सीमा : उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 2024 के अनुसार कम से कम 35 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष होनी चाहिए। ऊपरी आयु सीमा में छूट नियमानुसार दी जाएगी।

फीस : जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस : 1400 रुपए

एससी/ एसटी : 1200 रुपए

जनरल, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग से आने पीडब्यूडी वर्ग : 750 रुपए और एससी, एसटी वर्ग से आने वाले उम्मीदवारों को 500 रुपए जमा करना होगा। उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से आने वाले उम्मीदवारों को 1400 रुपए फीस के रूप में भुगतान करना होगा।

ऐसे करें आवेदन : ऑफिशियल वेबसाइट allahabadhigh-court.in पर जाएं।

होमपेज पर रिक्रूटमेंट विकल्प पर क्लिक करें।

अब हायर ज्यूडिशियल सर्विस पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करके सभी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

फीस का भुगतान करके फॉर्म सबमिट कर दें।

दिल्ली में होने जा रही नर्सरी टीचर के करीब 1450 से अधिक पदों पर भर्ती

राजधानी दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नर्सरी टीचर की भर्ती के लिए शॉर्ट नोटिस जारी किया गया है। कुल पद 1400 से अधिक हैं। अधिक विवरण नीचे पढ़ें। दिल्ली सबोर्डिनेट स्टाफ सेलेक्शन बोर्ड ने राजधानी के सरकारी स्कूलों में नर्सरी टीचर के पदों पर भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, इस भर्ती अभियान के तहत सहायक नर्सरी शिक्षक के कुल 1455 पदों पर भर्ती होनी है। आवेदन प्रक्रिया 9 जनवरी 2024 से शुरू होगी। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट - dsssb.delhi.gov.in पर जाकर इन पदों के लिए आवेदन कर सकेंगे। भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी नीचे पढ़ें।

आवेदन की समयसीमाःडीएसएसएसबी असिस्टेंट टीचर नर्सरी भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 9 जनवरी 2024 से शुरू होगी और 7 फरवरी आवेदन करने की अंतिम तिथि है। आवेदन शुल्क जमा करने के लिए भी उम्मीदवारों के पास 7 फरवरी तक का ही समय होगा।

योग्यताः शिक्षक की नौकरी करने के इच्छुक उम्मदवारों के पास राजधानी के सरकारी स्कूलों में नौकरी पाने का बढ़िया मौका है। आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों के पास ग्रेजुएशन और डीएलएड डिप्लोमा होना जरूरी है। हालांकि, दिल्ली सबोर्डिनेट स्टाफ सेलेक्शन बोर्ड की ओर से इस वैकेंसी के लिए शॉर्ट नोटिफिकेशन जारी हुआ है। विस्तृत अधिसूचना में भर्ती के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

कैसे करें अप्लाई?

आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद आधिकारिक वेबसाइट dsssb.delhi.gov.in पर जाएं।

होम पेज पर आवेदन के लिए उपलब्ध हुए लिंक पर क्लिक करें।

भारत पर बढ़ रहा विदेशी निवेशकों का भरोसा, खजाने में आए 1.62 लाख करोड़

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।भारतीय बाजार पर विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ता दिख रहा है। दरअसल चुनावों में बहुमत की सरकार और राजनीतिक स्थिरता की संभावनाओं को देखते हुए इस महीने अब तक भारतीय शेयर बाजारों में 57,300 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इंडियन इकोनॉमी के प्रमुख इंडिकेटर्स में ग्रोथ और आर्थिक वृद्धि में मजबूती दर्शाने वाले आंकड़ों की वजह से भी भारत पर विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है।

इस पूरे साल की बात करें तो अबतक विदेशी निवेश के रुप में भारतीय बाजार में 1.62 लाख करोड़ का भारी भरकम निवेश हुआ है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार के मुताबिक नए साल में अमेरिकी ब्याज दरों में कमी आने की उम्मीद है और ऐसे में एफपीआई वर्ष 2024 में भारतीय बाजार में अपनी खरीदारी बढ़ा सकते हैं।

इस महीने 57 हजार करोड़

आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार में 57,313 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह एक साल में उनका एक महीने में सबसे अधिक निवेश है।इसके पहले एफपीआई ने अक्टूबर में 9,000 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।हालांकि डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि विदेशी निवेशकों ने अगस्त और सितंबर के महीनों में 39,300 करोड़ रुपए की निकासी की थी।

ये है वजह

भारतीय बाजारों में एफपीआई के मजबूत प्रवाह के लिए कई कारकों को जिम्मेदार माना जा सकता है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के सह-निदेशक एवं शोध प्रबंधक हिमांशु श्रीवास्तव के मुताबिक राजनीतिक स्थिरता का माहौल और भारतीय बाजारों में व्याप्त सकारात्मक धारणा की इसमें अहम भूमिका रही है। देश की स्थिर और मजबूत अर्थव्यवस्था, कंपनियों की आमदनी में असरदार बढ़ोतरी और लगातार कई कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गमों (आईपीओ) ने विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आकर्षित किया है।

यहां भी दिखी ग्रोथ

वहीं बॉन्ड की बात करें तो इस अवधि के दौरान भारतीय ऋण बाजार में 15,545 करोड़ रुपये लगाए गए। इसके पहले नवंबर में 14,860 करोड़ रुपये और अक्टूबर में 6,381 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।एफपीआई ने सर्वाधिक निवेश वित्तीय सेवा क्षेत्र में किया है जबकि वाहन, पूंजीगत सामान और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में भी उन्होंने दिलचस्पी दिखाई।

लेटलतीफी की कीमत चुकाने में जाएगी जनता की गाढ़ी कमाई, खर्च होंगे 4.40 लाख करोड़ एक्स्ट्रा

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर सरकार का बहुत सारा पैसा खर्च होता है। ये पैसा सरकार अलग-अलग सोर्स से जुटाती है जिसमें जनता की गाढ़ी कमाई में से वसूला जाने वाला टैक्स भी है। लेकिन प्रोजेक्ट्स को पूरा करने में लेटलतीफी का खामियाजा सरकार के खजाने पर पड़ेगा और उसे 4.40 लाख करोड़ रुपए एक्स्ट्रा चुकाने होंगे। देश में 150 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाले 845 प्रोजेक्ट्स का काम देरी से चल रहा है और ये उनकी लागत बढ़ाने की एक बड़ी वजह है।सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में महीने में देश के अंदर 421 प्रोजेक्ट्स की लागत बढ़ चुकी है।

इनके लिए अब सरकारी खजाने से 4.40 लाख करोड़ रुपए एक्स्ट्रा करना होगा। मंत्रालय देश में चल रहे 150 करोड़ रुपये या उससे अधिक निवेश वाले 1,831 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की निगरानी करता है। इनमें से 421 की लागत बढ़ी है जबकि 845 परियोजनाएं लेटलतीफ हैं।मंत्रालय की नई रिपोर्ट के मुताबिक निगरानी के दायरे में आने वाले 1,831 प्रोजेक्ट्स का ओरिजिनल बजट 25,10,577.59 करोड़ रुपये था, लेकिन अब इनके पूरा होने की अनुमानित लागत 29,50,997.33 करोड़ रुपये है। इस तरह कुल लागत में 4,40,419.74 करोड़ रुपये यानी 17.54% की बढ़ोतरी हो चुकी है। रिपोर्ट के हिसाब से नवंबर 2023 तक इन प्रोजेक्ट्स पर 15,58,03.807 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। ये इन प्रोजेक्ट्स की एस्टिमेटेड कॉस्ट का 52.80% है।

5 साल से ज्यादा लेट चल रहे इतने प्रोजेक्ट

देरी से चल रहे 845 प्रोजेक्ट्स में से 204 में करीब 1 से 12 महीने की देरी है। वहीं 198 प्रोजेक्ट्स 13-24 महीने की देरी से चल रहे हैं। जबकि 322 प्रोजेक्ट्स में 25-60 महीने की देरी है और 121 प्रोजेक्ट्स 5 साल से अधिक विलंब से चल रहे हैं। देरी से चल रही 845 परियोजनाओं का एवरेज टाइम 36.64 महीने बढ़ गया है।

गूगल के 30 हजार कर्मचारियों की नौकरी पर संकट

पहले ही हो चुकी है 12 हजार लोगों की छंटनी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी गूगल में एक बार फिर से छंटनी के बादल मंडराने लगे हैं। कंपनी ने इस साल की शुरुआत में 12000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया था। यह कंपनी के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी छंटनी थी। अब गूगल अपनी विज्ञापन सेल्स यूनिट में बदलाव करने जा रही है। इसके बाद से कर्मचारियों के बीच फिर से छंटनी की प्रक्रिया शुरू होने की चर्चाएं होने लगी हैं। इस डिपार्टमेंट में लगभग 30 हजार लोग काम करते हैं।

सुंदर पिचई ने छंटनी के तरीके को गलत बताया था

गूगल के सीईओ सुंदर पिचई ने हाल ही में कहा था कि छंटनी की प्रक्रिया को कंपनी ने ठीक तरीके से नहीं किया। हालांकि, उन्होंने छंटनी को कंपनी के भविष्य के लिए बहुत जरूरी कदम बताते हुए जायज ठहराया था। उनका कहना था कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो आगे जाकर गूगल को बहुत दुष्परिणाम देखने को मिलते। हालांकि, 2023 की शुरुआत में की गई छंटनी के बाद किसी को नहीं निकाला गया है।

क्या होने वाला है गूगल में

सूचना के अनुसार, पिछले हफ्ते हुई बैठक में गूगल अमरीका एंड ग्लोबल पार्टनर्स के प्रेसिडेंट सॉन डाउनी ने एड सेल्स टीम को रीस्ट्रक्चर करने के प्लान के बारे में बताया। हालांकि, उन्होंने मीटिंग के दौरान छंटनी का जिक्र नहीं किया मगर, कंपनी में कर्मचारियों के बीच आशंका के बादल मंडराने लगे।

क्यों हो सकती है छंटनी

गूगल लगतार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश करती जा रही है। इसके अलावा कंपनी मशीन लर्निंग का इस्तेमाल एड परचेज में कर रही है।

एआई के इस्तेमाल से हर जगह लोगों की नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है। इसलिए एम्प्लॉईज आशंकित हैं। यदि कंपनी कर्मचारियों को नौकरी से नहीं निकालती है तो उन्हें किसी दूसरे विभाग में ट्रांसफर किया जा सकता है। गूगल ने इस मसले पर अभी तक कुछ नहीं कहा है।

इंफोसिस को लगा बड़ा झटका

विदेशी ग्राहक ने तोड़ दी 12500 करोड़ रुपये की डील

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय आईटी कंपनी इंफोसिस का बड़ा झटका लगा है। इंफोसिस ने एक विदेशी कंपनी के साथ ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सॉल्यूशंस को लेकर 150 बिलियन डॉलर (12,475 करोड़ रुपए) की डील की थी जो अब रद्द हो गई है। इसे लेकर दोनों कंपनियों के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर भी हुए थे, लेकिन अंत में होने वाला मास्टर एग्रीमेंट अब नहीं होने जा रहा है। इंफोसिस ने डील रद्द होने की जानकारी तो दी है लेकिन जिस कंपनी ने डील कैंसिल की है, उसका नाम नहीं बताया है।इंफोसिस ने 150 बिलियन डॉलर की इस डील के लिए सितंबर 2023 में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग साइन हुआ था। एमओयू 15 साल के लिए था। इसके तहत इंफोसिस को अपने प्लेटफॉर्म के जरिए वैश्विक कंपनी को डिजिटल एक्सपीरिएंसेज और एआई सॉल्यूशंस मुहैया कराना था। इंफोसिस के लिए कांट्रैक्ट वैल्यू के हिसाब से सितंबर तिमाही अब तक की सबसे दमदार तिमाही रही थी। इस तिमाही में कंपनी को कुल 770 बिलियन डॉलर के ऑर्डर मिले थे। जिसमें से 150 बिलियन डॉलर की तो इसी एक वैश्विक कंपनी के साथ डील की थी। इंफोसिस को पंद्रह दिन में दूसरा झटका लगा है। दो सप्ताह पहले ही इंफोसिस के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नीलांजन रॉय ने अचानक से इस्तीफा दे दिया था। वह 6 साल से इस पद पर बने हुए थे। आईटी सेक्टर के जानकारों का मानना है कि डील इंफोसिस की डील रद्द होना बताती है कि भारतीय आईटी बिजनेस लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है।सितंबर तिमाही में इंफोसिस को 770 बिलियन डॉलर की डील मिली थी। 150 बिलियन डॉलर की डील अब रद्द हो चुकी है। अब बाकी बड़ी डील की बात करें तो इंफोसिस को एक मौजूदा ग्राहक से 200 बिलियन डॉलर का कांट्रैक्ट मिला था। इसके तहत कंपनी को 5 साल तक एआई और ऑटोमेशन आधारित डेवलपमेंट और मेंटेमेंटेनेंस सर्विसेज मुहैया कराना है। लिबर्टी ग्लोबल के साथ भी इंफोसिस ने पांच साल के लिए एक 150 बिलियन डॉलर की डील साइन की थी। इंफोसिस के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे शानदार रहे थे। सितंबर तिमाही में कंपनी ने 6212 करोड रुपये मुनाफा कमाया था। सालाना आधार पर मुनाफे में तीन फीसदी की वृद्धि हुई। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 6.46 लाख करोड़ रुपये है।

टॉप-10 में से 3 कंपनियों का मार्केट-कैप 70,312.7 करोड़ बढ़ा

रिलायंस 17.35 लाख करोड़ के एम-सीएपी के साथ नंबर-1 पर, टीसीएस को हुआ नुकसान

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। डोमेस्टिक शेयर मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव के बीच बीते सप्ताह देश की 10 सबसे ज्यादा वैल्यूएबल कंपनियों में से 3 का मार्केट कैप टोटल 70,312.7 करोड़ बढ़ा है। सबसे ज्यादा फायदे में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही।

7 कंपनियों का मार्केट कैप 68,783.2 करोड़ घटा

पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में इजाफा हुआ, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, भारती एयरटेल और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को नुकसान हुआ है।

इन 7 कंपनियों का मार्केट कैप कुल मिलाकर 68,783.2 करोड़ घटा है।एक सप्ताह पहले रिकॉर्ड तेजी दर्ज करने के बाद बीएसई बेंचमार्क यानी सेंसेक्स के लिए पिछला हफ्ता गिरावट वाला रहा। मुनाफावसूली के चलते बीते सप्ताह में सेंसेक्स 376.79 अंक यानी 0.52% गिरा था।

रिलायंस का मार्केट कैप 47,021.59 करोड़ बढ़ा

हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप बीते हफ्ते 47,021.59 करोड़ बढ़कर 17.35 लाख करोड़ हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का भी मार्केट कैप इस दौरान 12,241.37 करोड़ बढ़कर 6.05 लाख करोड़ और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 11,049.74 करोड़ बढ़कर 12.68 लाख करोड़ हो गया।

दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 30,235.29 करोड़ घटकर 6.97 लाख करोड़, टीसीएस का 12,715.21 करोड़ घटकर 13.99 लाख करोड़ और एसबीआई का 10,486.42 करोड़ घटकर 5.68 लाख करोड़ रहा।इसके अलावा इंफोसिस का 7,159.5 करोड़ घटकर 6.48 लाख करोड़,आईटीसी का 3,991.36 करोड़ घटकर 5.67 लाख करोड़, भारती एयरटेल का 2,108.17 करोड़ घटकर 5.56 लाख करोड़ और एलआईसी का 2,087.25 करोड़ घटकर 5.01 लाख करोड़ रह गया।

टॉप 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस टॉप पर

टॉप-10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी की अपनी पोजिशन बरकरार रखी। रिलायंस के बाद इस लिस्ट में टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एयरटेल और एलआईसी रही।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है?

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है। मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है?

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है।

इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु में	धनु....	06-08 बजे
चंद्र-	वृष में	मकर..	08-15 बजे
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ...	10-05 बजे
बुध-	धनु में	मीन...	11-44 बजे
गुरु-	मेष में	मेष--	13-19 बजे
शुक्र-	वृश्चिक में	वृष--	15-04 बजे
शनि-	कुंभ में	मिथुन..	17-04 बजे
राहु-	मीन में	कर्क...	19-17 बजे
केतु-	कन्या में	सिंह...	21-28 बजे
		कन्या..	23-35 बजे
		तुला....	01-41 बजे
		वृश्चिक.	03-52 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-46**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. -**17-44**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी - **05 -46** - पूर्ण दिन-रात तक
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष , सोमवार **25 December**
नक्षत्र - रोहिणी - **21- 38** - तक उपरान्त मृगशिरा
योग - शुभ - **04 - 21**- तक उपरान्त शुक्ल
करण- गर - **17 -48** - तक उप- वणिज
विशेष:- सर्वार्थ सिद्ध योग-**07-27** से
व्रत -त्योहार - पिशाचमोचन श्राद्ध

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:07 से 09:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	06:46 - 08:07 शुभ	चंचल.	17:44 - 19:25 शुभ
काल	08:07 - 09:30 अशुभ	रोग.	19:25 - 21:02 अशुभ
शुभ	09:30 - 10:53 शुभ	काल.	21:02 - 22:39 अशुभ
रोग	10:53 - 12:16 अशुभ	लाभ	22:39 - 24:16 शुभ
उत्पात	12:16 - 13:39 अशुभ	उत्पात	24:16 - 01:53 अशुभ
चंचल	13:39 - 15:02 शुभ	शुभ	01:53 - 03:31 शुभ
लाभ	15:02 - 16:25 शुभ	अमृत	03:31 - 05:08 शुभ
अमृत	16:25 - 17:44 शुभ	चंचल	05:08 - 06:46 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें ।अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें । अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा । आज आपको अपने स्वास्थ्य सम्बन्धी कई जांचें करानी पड़ सकती हैं ।

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

कर्क ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी । आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं । सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें । हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज किसी अनियोजित रोमांचक यात्रा पर जाने की सम्भावना है । हो सकता है कि शहर में ही घूमना चाहें,लेकिन आपका विचार खूब मजे करने का है और ऐसा ही होगा भी । आप किसी करीबी के साथ हुए गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं । आपको पहले ही ऐसा करना चाहिए था,परन्तु आज सामने आने पर सब बातें साफ़ हो जायेंगी ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा और आपको किसी अप्रत्याशित घटना के लिए तैयार रहना है । आपको कई दिशायों में सक्रिय रहना पड़ेगा लेकिन सकारात्मक बने रहेंगे । आप नयी उर्जा एवं वास्तविकता से परिपूर्ण सार्थक योजनायें पेश करेंगे । अपनों को भी इनमे शामिल करें । आज किसी ख़ास व्यक्ति से मुलाक़ात होगी ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

घर पर पवित्रता का वातावरण बना रहेगा और चिंताएं नही रहेंगी । इसीलिए अपने परिवार के साथ रहें और खुशियाँ बाँटें । आपको जीवन में निराशा से दो दो हाथ करने का नया तरीका निकलना होगा ,जो आपके भीतर कई कारणों से भरी हुई है । आपकी भीतरी शक्ति समाधान तलाशने में मदद करेगी ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी । आज आप आराम के मूड में हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज सब कुछ आपके मनचाहे तरीके से होगा और आपको अपने प्रयासों में सफलता मिलेगी । आप पुराने नुक्सान की भरपाई भी कर लेंगे । इसके परिणामस्वरूप आप अपनी संभावनाओं के प्रति अधिक आशावादी भी हो सकते हैं ,किसी भी अवसर के बारे में गहरे से सोचे बिना जोखिम ना उठायें । असावधान रहेंगे तो किसी से मुठभेड़ हो सकती है ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

50 साल से बेच रहे हैं पानी, पीढ़ी बदल गई पर व्यापार नहीं

4 लाख से खड़ा किया 7000 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।क्या आज से 25 साल पहले किसी ने सोचा था कि पानी भी खरीदकर पीना होगा। लेकिन एक शख्स हैं जिन्होंने 50 साल पहले यह भाप लिया था कि भारत में बोतलबंद पानी का कारोबार करोड़ों रुपये का होगा। लोग दूध, सब्जी और अनाज बेचकर पैसा कमाते हैं लेकिन इस बिजनेसमैन ने पानी बेचकर बेशुमार दौलत कमाई। हम बात कर रहे हैं बिसलेरी के मालिक रमेश चौहान की। जिन्होंने भारत में बोतलबंद पानी के कारोबार को पहचान दिलाई। 1969 में रमेश चौहान ने जब बिसलेरी का कारोबार शुरू किया उस वक्त लोग हंसा करते थे कि भारत में पैसों से खरीदकर पानी कौन पीएगा। लेकिन, अब 50 साल बाद हर गली-नुक्कड, चौराहे और होटलों में बिसलेरी की बोतलें धड़ाधड़ा बिकती हैं। आइये आपको विस्तार से बताते हैं बिसलेरी और उसके मालिक रमेश चौहान की सक्सेस स्टोरी।वैसे बिसलेरी, एक इटालियन ब्रांड था, जिसे 1969 में चौहान फैमिली के नेतृत्व वाली कंपनी पारले ने 4 लाख रुपये खरीद लिया। 54 साल पहले जब बिसलेरी के कारोबार को चौहान परिवार ने खरीदा उस समय रमेश चौहान की उम्र महज 28 साल थी। 25 साल बाद बिसलेरी की कमान पूरी तरह से रमेश चौहान के हाथों में आ गई। इसके बाद से बिसलेरी के बोतलबंद पानी का बिजनेस तेजी से बढ़ा। अब बिसलेरी मिनरल वाटर के बिजनेस में सबसे बड़ा नाम है। कंपनी का वैल्युएशन 7000 करोड़ से ज्यादा है।भारत में पैकेज्ड वाटर का मार्केट करीब 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का है, इसमें से 60 फीसदी हिस्सा असंगठित है, जबकि संगठित बाजार में बिसलेरी की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत है। अपने 52 साल से ज्यादा के करियर में, चौहान ने कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया और विभिन्न तरीकों से व्यवसाय का विस्तार किया। बीच में खबरें आईं थी कि रमेश चौहान बिसलेरी के कारोबार को बेचना चाहते हैं, क्योंकि उनकी बेटी जयंती चौहान ने इस बिजनेस में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन ऐन वक्त पर जयंती ने अपना मन बदला और बिसलेरी की कमान अपने हाथों में ले ली। अब जयंती चौहान बिसलेरी के कारोबार को और आगे ले जाने की तैयारी में जुट गई हैं। बिसलेरी के अलावा रमेश चौहान ने थम्सअप, गोल्ड स्पॉट, सिट्रा, माज़ा और लिम्का जैसे ब्रांड भी भारतीय बाजार में उतारे। 2016 में, उन्होंने 'बिसलेरी पीओपी' लॉन्च किया, जो 4 आकर्षक स्वादों स्पाइसी, लिमोनाटा, फोंजो और पिनाकोलाडा, में मौज-मस्ती से भरपूर पॉप की एक श्रृंखला है। देशभर में आज बिसलेरी के पास 122 प्लांट, 4500 डिस्ट्रीब्यूटर्स और 5000 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रक्स हैं, जिनके दाम पर कंपनी रोजाना 2 करोड़ लीटर पानी लोगों तक पहुंचा रही है।

वेदांता की इस सब्सिडियरी को मिला जीएसटी का नोटिस, लग सकता है मोटा जुर्माना!

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)।वेदांता की सब्सिडियरी कंपनी बाल्को यानी भारत एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड को जीएसटी डिपार्टमेंट की तरफ से नोटिस मिला है। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स की तरफ से कंपनी को कुल 84.70 करोड़ रुपये का भुगतान करने का नोटिस दिया गया है। स्टॉक मार्केट को दी गई जानकारी के मुताबिक कंपनी को यह नोटिस छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के ऑफिस ऑफ द कमिश्नर स्टेट टैक्स विभाग के द्वारा वित्त वर्ष 2017-18 के लिए जारी किया है।

देना होगा इतना जुर्माना

बाल्को को जीएसटी विभाग से मिले नोटिस में कुल 84,70,09,977 रुपये का भुगतान करने की बात कही गई है। इसके साथ ही इस राशि पर 10 फीसदी ब्याज के साथ ही जुर्माना लगाने की बात कही गई है। इस मामले पर बाल्को अलग-अलग कानूनी विकल्प को तलाश रही है, मगर कंपनी को यह उम्मीद है कि इस नोटिस से उसके ऊपर कोई बड़ा वित्तीय प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

क्या करती है कंपनी?

बाल्को एक सरकारी कंपनी थी, जिसकी स्थापना साल 1965 में हुई थी। 2001 में सरकार ने इस कंपनी का 51 फीसदी बेच दिया था, जिसे वेदांता ने खरीदकर इसका मालिकाना हक प्राप्त कर लिया था। यह कंपनी मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ के कोरबा के आसपास खदानों से बॉक्साइट के खनन का काम करती है।बाल्को की वित्त वर्ष 2021-22 में कुल इनकम 2,720 करोड़ रुपये थी, जो वित्त वर्ष 2023 में घटकर केवल 75 करोड़ रुपये रह गई थी। वहीं कंपनी का मुनाफा वित्त वर्ष 2022-23 में 42 करोड़ रुपये था। वहीं इससे पहले यह 2,736 करोड़ रुपये था। पिछले एक साल में कंपनी के प्रॉफिट में भारी गिरावट देखने को मिली है।

डंकी रूट से अमेरिका कैसे जाते हैं?

बर्फीली नदी फिर तपता रेगिस्तान; 15 हजार किमी के लिए महीनों लगते हैं

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 19 जनवरी 2022। कनाडा-यूएस बॉर्डर पर अमेरिकी सीमा से महज 12 मीटर दूर 4 लोगों की लाश मिली। इनकी शिनाख्त गुजरात के जगदीश बलदेवभाई पटेल, उनकी पत्नी वैशालीबेन, 12 साल की बेटी विहंगा और 3 साल के बेटे धार्मिक के रूप में हुई। गांधीनगर जिले के डिगुंचा गांव के स्कूल टीचर बलदेवभाई अमीरी का सपना संजोए अमेरिका जाना चाहते थे। ये पूरा परिवार टूरिस्ट वीजा पर कनाडा पहुंचा था। वहां से अवैध तरीके से अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहा था। -35 डिग्री की सर्दी को बर्दाश्त नहीं कर सके और सभी की मौत हो गई।

हर साल हजारों भारतीय अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके जाने के लिए अवैध तरीका अपनाते हैं। पॉपुलर टर्म में इन्हें डंकी रूट कहा जाता है। हाल ही में रिलीज हुई शाहरुख खान की फिल्म 'डंकी' इसी पर बेस्ड है। भारत से अमेरिका की दूरी करीब 13,500 किमी है। हवाई यात्रा से यहां जाने में 17 से 20 घंटे लगते हैं। हालांकि डंकी रूट से यही दूरी 15 हजार किमी तक हो जाती है और इस सफर में महीनों लग जाते हैं। अमेरिका जाने के लिए 3 पड़ाव पार करने होते हैं...।

पहला पड़ाव: भारत से लैटिन अमेरिकी देश न

भारत में डंकी रूट का सबसे लोकप्रिय और पहला पड़ाव लैटिन अमेरिकी देश पहुंचना है। इनमें इक्वाडोर, बोलीविया और गुयाना जैसे देश शामिल हैं। इन देशों में भारतीयों को वीजा ऑन अराइवल मिल जाता है। मतलब ये कि इन देशों में जाने के लिए पहले से वीजा लेने की जरूरत नहीं है और ऑन द स्पॉट वीजा दे दिया जाता है। ब्राजील और वेनेजुएला समेत कुछ अन्य देशों में भारतीयों को आसानी से टूरिस्ट वीजा दे दिया जाता है। यहां से डंकी कोलंबिया पहुंचते हैं। कई लोग दुबई के रास्ते लैटिन अमेरिकी देश जाते हैं। इसमें उन्हें महीनों कंटेनर्स में रहना पड़ता है। डंकी रूट इस बात पर डिपेंड करता है कि जिस एजेंट के माध्यम से आप जा रहे हैं, उसके संबंधित देशों में कितने कनेक्शन हैं। हालांकि लैटिन अमेरिकी देशों में पहुंचना कठिन नहीं है, फिर भी यहां पहुंचने में महीनों लग जाते हैं। कई बार लोग दस महीने में कठिन परिश्रम और पैसा खर्च करके पहुंचते हैं। जालंधर, पंजाब के एक एजेंट ने बताया कि अमेरिका तक के डंकी रूट के लिए 70 लाख रुपए तक का खर्च आता है, जितना पैसा खर्च करेंगे उतनी परेशानियां कम होंगी।

दूसरा पड़ावः लैटिन अमेरिकी देशों से अमेरिका

कोलंबिया पहुंचने के बाद डंकी पनामा में एंटर करते हैं। इन दोनों देशों के बीच खतरनाक जंगल डेरियन गैप है। इसे पार करना बेहद जोखिम भरा है। नदी-नालों के बीच में जहरीले कीड़े और सांप का हमेशा डर बना रहता है। ये जंगल डेंजर क्रिमिनल्स के लिए भी जाना जाता है। इस जंगल में डंकी से लूट होती है। महिला हो या पुरुष यहां के अपराधी उनके साथ रेप तक करते हैं। कई बार डंकी थोड़ी देर के लिए सोता है और सांप उसे डस लेता है। इस जंगल में डंकियों की लाशें मिलना कोई नहीं बात नहीं है। यहां कोई सरकार नहीं है। अगर भाग्य ने साथ दिया और सब कुछ ठीक रहा तो डंकी 10 से 15 दिन में पनामा का जंगल पार कर जाता है।

ग्वाटेमाला में एक्सचेंज होते हैं एजेंट

पनामा का जंगल पार करने के बाद अगला पड़ाव ग्वाटेमाला है। ह्यूमन ट्रैफिकिंग करने वालों के लिए ग्वाटेमाला एक बड़ा कोऑर्डिनेशन सेंटर है। अमेरिकी बॉर्डर की ओर बढ़ते हुए यहां डंकी को दूसरे एजेंट के हैंडओवर किया जाता है। पिछले साल पंजाब के गुरदासपुर का एक युवक गुरपाल सिंह (26) डंकी रूट से मैक्सिको तक पहुंच गया था, लेकिन उसे मैक्सिको में पुलिस ने देख लिया और रुकने लिए कहा। जल्दबाजी में उसने एक बस पकड़ी और इस दौरान अपनी बहन को पंजाब फोन किया कि पुलिस ने उसे देख लिया है। इसी दौरान उस बस का एक्सीडेंट हो गया। स्पॉट पर ही उसकी मौत हो गई, लेकिन ये खबर मिलने में परिवार वालों को एक सप्ताह लग गया। उसकी लाश को गुरदासपुर के सांसद सनी देओल की मदद से भारत लाया गया।

अगर कोई डंकी पनामा जंगल से नहीं जाना चाहता तो कोलंबिया से एक रास्ता और है। यह रास्ता सैन एन्ड्रेस से शुरू होता है। बताया जाता है कि ये रास्ता बेहद रिस्की है। सैन एन्ड्रेस से डंकी सेंट्रल अमेरिका के देश निकारागुआ के लिए नाव लेते हैं। यहां से 150 किलोमीटर का सफर नाव से करने के बाद दूसरी नाव में ट्रांसफर होते हैं, जो मेक्सिको के लिए जाती है। इस नदी में सीमा पुलिस पेट्रोलिंग तो करती ही है। नदी में खतरनाक जानवर जान लेने के लिए तैयार रहते हैं।

इसी साल 31 मार्च को अमेरिका-कनाडा के बॉर्डर पर 8 लोगों के शव मिले थे। इनमें से चार भारतीय थे जो गुजरात के मेहसाणा के रहने वाले थे। मृतकों में प्रवीण चौधरी (50), पत्नी दीक्षा (45), मीत (20) और बेटी विधि (23) थी। ये चारों पहले टूरिस्ट वीजा पर कनाडा गए थे। वहां से अमेरिका जाने के लिए डंकी रूट पकड़ा था। जब ये लोग क्यूबेक-ओंटेरियो सीमा के पास सेंट लॉरेंस नदी पार कर रहे थे। तेज हवा से नाव पलट गई और सभी की मौत हो गई।

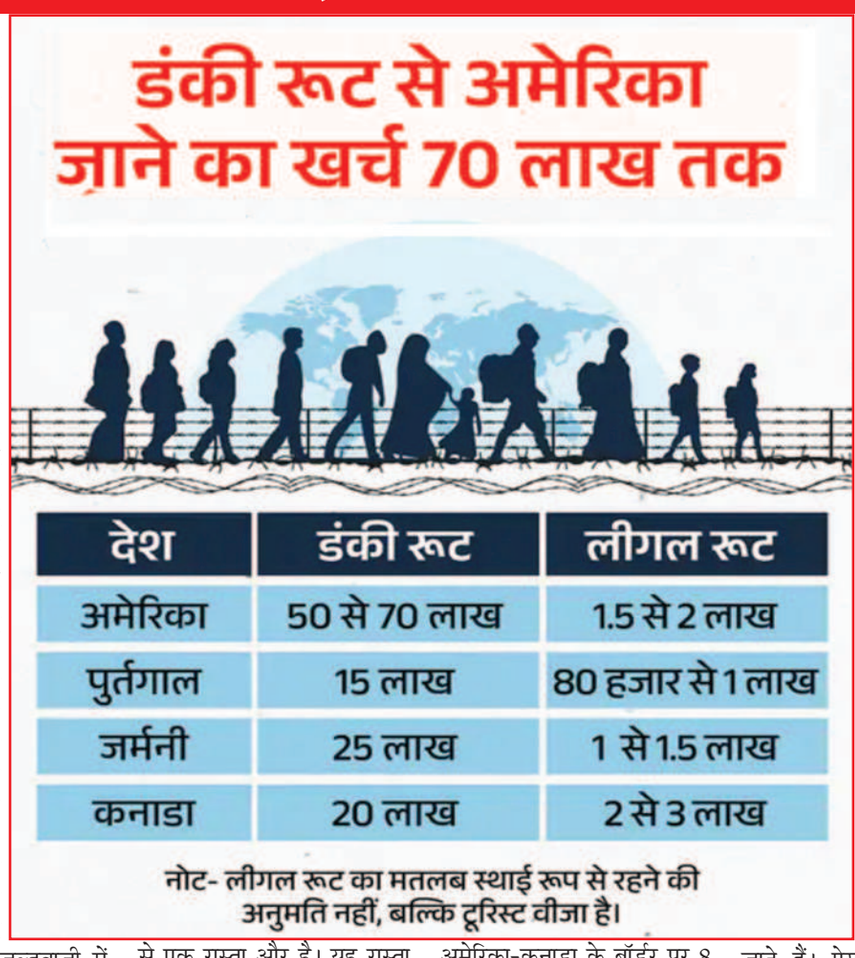

तीसरा पड़ावः मेक्सिको बॉर्डर

अब डंकी को मेक्सिको से यूएस बॉर्डर जाना होगा। रास्ते में अलग-अलग तरह की मुसीबतें है। सर्दी के साथ बीच में रेगिस्तान भी पड़ता है। इसके बाद डंकी पहुंचता है यूएस मेक्सिको सीमा पर जहां 3,140 किलोमीटर लंबी दीवार बनी हुई है। डंकी इसी को कूदकर अमेरिका में प्रवेश करते हैं। जो लोग दीवारों को पार नहीं कर पाते वे रियो ग्रांडे नदी को पार करने का खतरनाक रास्ता चुनते हैं। अमेरिका जाने से पहले डंकी से उसका पासपोर्ट और पहचान वाले दस्तावेज ले लिए जाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उसकी पहचान हो जाएगी और उसे वापस इंडिया डिपोर्ट कर दिया जाएगा। अब डंकी अमेरिका में अवैध तरीके से आ गया है।

अमेरिका पहुंचने के बाद क्या होता है?

अमेरिका में घुसने के बाद डंकी जानबूझकर अपने आप को वहां की पुलिस के हवाले कर देता है। इसके बाद उसे जेल में डाला जाता है। इस जेल को कैम्प कहा जाता है। डंकी को जेल से छुड़ाने के लिए वकील हायर किया जाता है। इसका खर्च एजेंट या डंकी का कोई रिश्तेदार उठाता है। वकील अपनी दलीलों से कोर्ट को भरोसा दिलाता है कि डंकी को अमेरिका में रहने दिया जाए। इसके बाद डंकी को जेल से रिहा किया जाता है। डंकी अमेरिका पर बोझ न बने, इसलिए उसे कमाने और खाने की अनुमति दी जाती है। ये अनुमति बढ़ती रहती है। 8-10 साल में ग्रीन कार्ड मिल जाता है। ग्रीन कार्ड मिलने का मतलब हैं डंकी अब यूएस में परमानेंट रह सकता है और उसे काम करने का अधिकार है। इसके 10-15 साल बाद उसे अमेरिका की नागरिकता भी मिल जाती है। जिस तरह से भारत में अवैध कॉलोनियों का वैध करने के लिए हर 5 से 7 साल के बीच स्कीम निकाली जाती है। ठीक वैसे ही अमेरिका में अवैध लोगों को नागरिकता देने के लिए स्कीम निकाली जाती है। इसमें कुछ फीस भरने के बाद डंकी अमेरिका का नागरिक बन जाता है। जेल में डंकी से पूछा जाता है कि क्या अमेरिका में उसका कोई परिचित रहता है। यदि वह हां कहता है तो उस परिचित से संपर्क किया जाता है और डंकी को रिहा करने के बदले इमिग्रेशन बॉन्ड भरने के लिए कहा जाता है। यह एक तरह की जमानत है, जिसके बदले डंकी को कई शर्तों के साथ रिफ्यूजी कैम्प से रिहा किया जाता है। इस परिचित का इंतजाम एजेंट करते हैं, लेकिन इसके बदले अलग से पैसा लेते हैं।

बॉन्ड की राशि इंडिया से डंकी के परिजन एजेंट को देते हैं। ये राशि 3 लाख 40 हजार से 2 करोड़ तक हो सकती है। बॉन्ड कितना लगेगा ये इमिग्रेशन मामलों की अदालत पर डिपेंड करता है। डंकी को कमाने-खाने की अनुमति के साथ जेल से रिहा कर दिया जाता है। इस दौरान डंकी पर अवैध रूप से बॉर्डर पार करने का केस चलता है, जिसमें उसे हर सुनवाई में मौजूद होना जरूरी है। ये जरूरी नहीं है कि हर डंकी को इमिग्रेशन बॉन्ड का मौका मिले। कई लोगों को रिफ्यूजी कैंप में रखने के बाद इंडिया डिपोर्ट भी कर दिया जाता है।

डंकी रूट का खर्चा 50 से 70 लाख रुपए

भारत से एक डंकी के अमेरिका पहुंचने का औसत खर्च 20 से 50 लाख रुपए है। कभी-कभी ये खर्च 70 लाख तक पहुंच जाता है। एजेंट वादा करता है कि डंकी को कम परेशानी झेलनी पड़ेगी, लेकिन असल में ऐसा कुछ नहीं होता। ज्यादातर पेमेंट तीन किस्तों में होती है। पहली भारत से निकलने पर दूसरी कोलंबिया बॉर्डर पहुंचने पर तीसरी अमेरिकी बॉर्डर के पास पहुंचने पर। पैसों का भुगतान नहीं होने पर एजेंटों के गिरोह मैक्सिको या पनामा में डंकी की हत्या करके पीछा छुड़ा लेते हैं।

अब सवाल उठता है कि लोग लीगल तरीके से क्यों नहीं जाते। दरअसल, ये लोग कम एजुकेटेड होते हैं और विदेशों में बसने के लिए होने वाले एग्जाम क्रैक नहीं कर पाते। यहां तक कि वे ठीक से अंग्रेजी भी नहीं बोल पाते। कुछ समय पहले तक डंकी रूट लेने वाले सबसे ज्यादा लोग पंजाब से हुआ करते थे और ये कनाडा ही जाते थे। जब से स्टडी और वर्किंग वीजा मिलने लगा है। यहां के लोग लीगल तरीके से जाने की तैयारी करने लगे हैं। अब डंकी रूट पकड़ने हरियाणा से भी बड़ी संख्या में लोग जाते हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 8 एक्टिव केस

रायपुर में 2 और दुर्ग में 1 नए मरीज मिले, प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 0. 20%

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में शनिवार को 3 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले है। रायपुर में 2 और दुर्ग में 1 पॉजिटिव केस सामने आया है। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 8 एक्टिव केस है। दो दिन पहले स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों को मिलाकर 1499 लोगों की जांच कराई थी। जिसमें से 3 कोरोना पॉजिटिव मिले है। प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर 0. 20% है।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वास्थ्य केंद्रों में कोविड की जांच शुरू कर दी है। कोविड से निपटने के लिए शुक्रवार मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सभी कलेक्टर और सीएमएचओ की बैठक लेकर जरूरी दिशा निर्देश भी दिए थे ।

कोरोना संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से पर्याप्त व्यवस्था की गई है । रायपुर के सीएमएचओ डॉक्टर मिथिलेश

चौधरी ने बताया अस्पतालों में सर्दी, खांसी, बुखार के लक्षण वाले मरीजों की जांच हो रही है।

इन जिलों में एक्टिव केस

जिला	*कोरोना पॉजिटिव केस*
रायपुर	04
बिलासपुर	01
दुर्ग	02
कांकेर	01

अगर कोई पॉजिटिव केस मिल रहा है, तो उसकी जीनोम सीक्वेंसिंग करने के लिए सैम्पल रायपुर एम्स भेजा जा रहा है। कोरोना संक्रमण से निपटने के जिले में पर्याप्त व्यवस्था है। ऑक्सीजन की पर्याप्त सप्लाई जिले में उपलब्ध है। ऑक्सीजन बेड के साथ कंसंट्रेटर सिलेंडर, ऑक्सीजन प्लांट वर्किंग स्थिति में है।

लोगों को डरने की जरूरत नहीं

सीएमएचओ डॉक्टर मिथिलेश चौधरी ने कहा कि लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। अगर उन्हें सर्दी, खांसी बुखार के लक्षण आते हैं तो वह स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच करवाए, और अपना इलाज करवाए ।

लक्षण दिख तो यहां जांच करवाने पहुंचे

सर्दी खांसी बुखार या कोरोना से संबंधित कुछ लक्षण नजर आते हैं तो अपने नजदीकी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करवा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी हेल्थ सेंटर में कोरोना संक्रमण की जांच की व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की गाइडलाइन

स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी कलेक्टर को आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि, कोविड-19 संक्रमण नियंत्रण में है, लेकिन इसके लगातार बदलते वैरिएंट पर नजर रखना जरूरी है। केरल सहित देश के कुछ राज्यों में कोरोना के केस बढ़े हैं। हालांकि छत्तीसगढ़ में नए वैरिएंट की पहचान नहीं हुई है, लेकिन सावधानी बरतने की जरूरत है।

नए साल और त्योहार को देखते हुए कोविड संक्रमण को रोकने के लिए जिला अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की उपलब्धता की जांच की जाए।

कोरोना संबंधी मामलों से निपटने के लिए मॉक-ड्रिल की जाए। सभी उपकरणों की जांच की जाए।

हर जिले में कोविड की पर्याप्त संख्या में जांच की जाए। कम से कम 100 टेस्ट हर दिन होने चाहिए। हो सके तो सभी RT-PCR विधि से किए जाएं।

कोविड पॉजिटिव पाए जाने पर इसके जीनोम सीक्वेंसिंग जांच के लिए सैंपल रायपुर एम्स भेजे जाएं। जिससे नए वैरिएंट की पहचान की जा सके।

मंच टूटने से गिरे मंत्री लखनलाल देवांगन

कोरबा में विधायक संग खड़े होने की मची थी होड़; लड्डुओं से तौलते वक्त हादसा

कोरबा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की कैबिनेट में एक दिन पहले ही मंत्री बने लखनलाल देवांगन शनिवार को मंच टूटने से गिर पड़े। बताया जा रहा है कि कोरबा में उन्हें लड्डुओं से तौला जा रहा था। इस दौरान लखनलाल माइक थामे नारे लगा रहे थे। तभी मंच टूट गया और देवांगन सहित कई नेता गिर पड़े।

दरअसल, मंत्री बनाए जाने के बाद लखनलाल देवांगन के गृह जिले कोरबा में उनका स्वागत कार्यक्रम रखा गया था। टीपी नगर में हो रहे इस कार्यक्रम में मंत्री के स्वागत के लिए स्थानीय भाजपा

नेताओं और लोगों की भीड़ उमड़ी थी। चुनाव के दौरान यहीं पर लखनलाल देवांगन में अपना कार्यालय भी खोला था।

मंच पर लखनलाल देवांगन का स्थानीय नेताओं और लोगों ने माला पहनाकर स्वागत किया। वहीं मंच पर ही उन्हें लड्डुओं से तौला जा रहा था। इस दौरान बड़ी संख्या में नेता मंच पर चढ़ गए। एक साथ इतने लोगों के चढ़ने से मंच टूट गया और लखनलाल सहित सभी नेता गिर पड़े।

वायरल वीडियो में दिख रहा है कि लखनलाल देवांगन नारे लगा रहे थे, किरणदेव जिंदाबाद ... जिंदाबाद... और फिर मंच टूट गया। गनीमत रही कि किसी को गंभीर चोटें नहीं आई। आनन-फानन में मंच के नीचे खड़े लोगों ने मंत्री को बाहर निकाला। फिलहाल ये वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

प्रोफेसर ने छात्राओं से की अश्लील हरकत, गिरफ्तार

सूरजपुर के एनएसएस कैंप में छेड़छाड़, एनएसयूआई के साथ थाने के सामने किया प्रदर्शन

सूरजपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। सूरजपुर जिले में पंडित रेवती रमण मिश्र पीजी कॉलेज के प्रोफेसर के खिलाफ एनएसएस कैंप के दौरान छात्राओं से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। शनिवार को एनएसयूआई ने छात्राओं के साथ मिलकर कोतवाली थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद पुलिस ने प्रोफेसर व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आनंद कुमार पैकरा को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने पसला गांव में 15 से 21 दिसंबर तक 7 दिवसीय शिविर का आयोजन किया था। जिसमें एनएसएस के 12 छात्रों समेत 35 छात्राएं शामिल हुई थी। आरोप है कि अर्थशास्त्र के प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पैकरा ने 4 छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़खानी की है।

छात्राओं का आरोप है कि प्रोफेसर ने छात्राओं को धमकी भी दी थी कि परिजनों को कुछ बताने पर उनका परीक्षा परिणाम प्रभावित कर देंगे। घटना की शिकायत करने कोतवाली थाने पहुंची पीड़ित छात्राओं की रिपोर्ट दर्ज करने की सूचना पर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सीके चौधरी के

कार्यकर्ताओं के साथ थाने में जमकर हंगामा किया।

घटना से आक्रोशित छात्राओं ने कोतवाली पहुंचे आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उसकी चप्पल से पिटाई कर दी। प्रोफेसर के कृत्य से नाराज लोगों ने भी आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की। पुलिस ने धारा 354 व पास्को एक्ट की धारा 8 के तहत अपराध दर्ज कर प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है।

इस मामले में पंडित रेवती रमण कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. एचएन दुबे ने बताया कि एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर आनंद पैकरा के खिलाफ चार छात्राओं ने अश्लील हरकत करने की शिकायत की है। महिला प्रोफेसर के नेतृत्व में टीम गठित कर शिकायत की जांच कराई जा रही है। जांच प्रतिवेदन मिलने पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के हत्थे चढ़े 10 साइबर अपराधी

गिरिडीह, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले में पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा के दिशा निर्देश पर एक बार फिर साइबर अपराधियों के खिलाफ बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान गुप्त सूचना के आधार पर जिले के बगोदर, डुमरी, गांडेय और अहिल्यापुर थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए 10 साइबर अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इस दौरान पुलिस ने छापेमारी करते हुए 11 मोबाइल फोन, 17 सिम कार्ड, 4 एटीएम कार्ड, 1 पासबुक, 1 चेक बुक और 2 मोटरसाइकिल समेत अन्य सामान बरामद किया है।

प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों ने स्वीकार किया की, वे डेटा कंपनी प्रोवाइडर से नंबर लेकर ठगी करते थे। इस पैसे वे गाड़ी में पेट्रोल भराते थे। एक अपराधी ने बताया कि उसे पैसे खर्च करने के बदले कमीशन दिए जाते थे। जानकारी देने के क्रम में उन्होंने साइबर अपराधियों को साइबर अपराध छोड़ देने का अल्टीमेटम दिया। बताया गया कि सीआईडी की तरफ से लांच किए गए प्रतिबिंब एप साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी में बहुत ही अहम भूमिका निभा रही है और इस प्रकार गिरिडीह जिले में साइबर अपराध के खिलाफ लगातार ताबड़तोड़ कार्रवाई जारी है।

झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: झारखंड में शादी होने से नहीं मिलेगा आरक्षण का लाभ, मूल राज्य में ही ऐसा संभव

रांची, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने आरक्षण का लाभ लेने को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अपने फैसले में अदालत ने कहा है कि आपको आपके मूल राज्य में ही आरक्षण का लाभ मिल सकता है। आप बिहार में आरक्षित श्रेणी में थी और आपकी शादी झारखंड में हो गई। ऐसे में आपको यहां भी आरक्षण का लाभ मिलेगा, ऐसा नहीं है।

दरअसल हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने रीना राणा द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए यह निर्देश दिया है। याचिका में कहा गया था कि वर्ष 2016 में झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने शिक्षक नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला था। नियुक्ति प्रक्रिया में प्रार्थी रीना राणा भी शामिल हुई थी। उन्होंने अपने पति के जाति प्रमाणपत्र के आधार पर आरक्षण का दावा

किया था, लेकिन जेएसएससी ने आरक्षण का लाभ देने से इंकार कर दिया था।

साल 2016 में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने शिक्षक नियुक्ति का विज्ञापन जारी किया था। इस नियुक्ति के लिए बिहार से झारखंड शादी कर आई महिला रीना कुमारी राणा ने भी आवेदन दिया था। शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में सफल होने के बाद रीना को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए बुलाया गया था। जब उन्होंने प्रमाण पत्र पेश किया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई। इस संबंध में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने बताया कि रीना राणा ने अपने पति के आधार पर एसटी जाति का प्रमाण पत्र जमा किया था। जेएसएससी ने कहा कि उसे आरक्षित श्रेणी का लाभ नहीं मिलेगा और उसकी उम्मीदवारी सामान्य श्रेणी में शामिल होगी। इसके बाद रीना ने झारखंड हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत में यह फैसला सुनाया है।

गोड्डा से बना था जाति प्रमाण पत्र

जानकारी के मुताबिक जिस जाति प्रमाण पत्र के आधार पर रीना कुमारी राणा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, वह जाति प्रमाण पत्र संथाल परगना के गोड्डा जिले के एसडीओ ने जारी किया था। जिस आधार पर यह प्रमाण पत्र जारी किया गया था उसमें बताया गया था कि आवेदन करने वाली महिला बिहार में एसटी श्रेणी में आती है। उसने शादी के बाद झारखंड में रहने का दावा किया था। इसी आधार पर उसने जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए गोड्डा के अनुमंडल पदाधिकारी के पास आवेदन दिया था। नियम के अनुसार एकीकृत बिहार के समय से झारखंड में रहने वाले व्यक्ति का यदि मूल निवास वर्तमान में बिहार है तो उसे भी झारखंड में आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

मौसम ने बदला रुख छत्तीसगढ़ में छाया घना कोहरा

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम ने अपना रुख बदल लिया है। पूरे प्रदेश में घना कोहरा छाया हुआ है। इससे तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। वहीं पारा गिरने से ठिठुरन बढ़ गई है। इसके साथ ही आउटर इलाकों और ग्रामीण क्षेत्रों में ठंड बढ़ गई है। रात और सुबह की तरह दिनभर ठंड पड़ रही है। लोग अब दिन में भी गर्म कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। यहां के न्यूनतम तापमान बढ़ने की संभावना है। बता दें कि प्रदेश में अगले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी की संभावना है। इसके दो दिन बाद हवाओं के रुख बदलने से न्यूनतम तापमान में हल्की गिरावट होगी। इसके साथ ही ठंड में भी बढ़ोतरी होगी।

मौसम एक्सपर्ट का कहना है कि छत्तीसगढ़ में आज रविवार को मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

मानव तस्करी केस

कब बाहर निकलेंगे फ्रांस में फंसे भारतीय? सरकार ने दिया जवाब

पेरिस, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। फ्रांस में खड़े निकारागुआ जाने वाले विमान में सवार 303 लोगों में शामिल नाबालिगों सहित दस भारतीय यात्रियों ने शरण के लिए अप्लाई किया है। रोमानिया स्थित लीजेंड एयरलाइंस का विमान पेरिस से लगभग 150 किलोमीटर पूर्व में वैट्री एयरपोर्ट पर रुका हुआ है। दरअसल, अधिकारियों को एक गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद विमान की उड़ान को रोक दिया गया। कहा जा रहा है कि इसमें मानव तस्करी करके लोगों को ले जाया जा रहा है। इस मामले को लेकर भारत की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। केंद्र सरकार का कहना है कि वह इस मामले को लेकर जल्द समाधान के लिए फ्रांस की सरकार के साथ काम कर रहा है। पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस की ओर से कहा गया है कि एयरबस

ए340 जेट में 11 नाबालिग सवार हैं। इन नाबालिगों में से छह ने शरण के लिए अप्लाई करने में रुचि दिखाई है। वहीं, फंसे हुए यात्रियों को एयरपोर्ट के एंट्रेंस हॉल में रखा गया है। हालांकि अभी तक फ्रांसीसी अधिकारियों की ओर से कोई पुष्टि नहीं की गई है। एंट्रेंस हॉल के बाहरी शीशे और आसपास की इमारतों को तिरपाल से ढका गया है और पुलिस ने बाहरी लोगों की एंट्री पर बैन लगा दिया है। रिपोर्ट् के मुताबिक, यात्रियों ने अवैध रूप से अमेरिका या कनाडा में घुसने के लिए मध्य अमेरिका की यात्रा करने की योजना बनाई होगी। पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस का कहना है कि शुक्रवार से हिरासत में रहे दो यात्रियों को फिर 48 घंटे के लिए हिरासत में रख लिया गया है। अधिकारियों ने जानकारी जुटाने के लिए हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ भी है। अधिकारी जानना चाह रहे हैं कि उनकी क्या भूमिका है और किन परिस्थितियों व उद्देश्यों के साथ यात्री की जा रही थी।

पूछताछ के बाद क्रू मेंबर्स को जाने की मिली अनुमति

बताया गया है कि इस मामले की सुनवाई रविवार को एक जज के समक्ष निर्धारित की गई थी, जोकि सीमा पुलिस के हिरासत आदेश को आठ दिनों के लिए बढ़ा सकते हैं। पेरिस प्रॉसिक्यूटर ऑफिस के अनुसार, यात्रियों और फ्लाइट क्रू मेंबर्स की पहचान की जांच की गई। एयरबस ए340 का संचालन करने वाली लीजेंड एयरलाइंस की वकील लिलियाना बाकायोको का कहना है पूछताछ के बाद सभी क्रू मेंबर्स को जाने की अनुमति दे दी गई। उन्होंने पहले कहा था कि अगर प्रॉसिक्यूटर्स ने आरोप दायर किए तो एयरलाइन मुकदमा दर्ज करेगी।

गाजा में हमास के सबसे बड़ी सुरंग का पर्दाफाश, इजरायली सेना ने किया तबाह

गाजा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। हमास और इजरायल के बीच गाजा पट्टी में जंग जारी है। इस बीच इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में अब तक की सबसे बड़ी हमास सुरंग का पता लगाया है और उसे नष्ट कर दिया है। इस दावे को लेकर इजरायल की सेना ने एक वीडियो भी साझा किया है। जिसमें एक टूटी बिखरी सुरंग नजर आ रही है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ की के-9 या डॉग यूनिट ने सैकड़ों मीटर लंबी सुरंग नेटवर्क को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बता दें कि पूरे गाजा में इजरायल की सेना हमास के सुंरग के जाल को बर्बाद करने में जुटी है। इजरायल ने दावा किया है कि क्षेत्र में हमास मुख्यालय के रूप में काम करने वाली कई इमारतें भी नष्ट हो गईं हैं।

अमेरिका ने रूस के खिलाफ युद्ध के लिए भेजी थी मदद

हथियार खरीदने की जगह करोड़ों डकार गए यूक्रेनी अफसर

कीव, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन रक्षा मंत्रालय के उच्च पदस्थ अधिकारी को सशस्त्र समझौते से संबंधित 40 मिलियन अमेरिकी डॉलर गबन करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यूक्रेन के सुरक्षा सेवा (एसबीयू) ने आरोप लगाया कि अधिकारी ने पिछले साल दिसंबर में गोला-बारूद के एक बड़े बैच की खरीद के लिए एक विशेष निर्यात कंपनी के साथ समझौता किया था। उन्होंने दावा किया कि उनके पास उनके पास इन अवैध गतिविधियों को साबित करने के लिए दस्तावेज भी है।

गबन किए गए रकम की वसूली का प्रयास जारी

दोष साबित होने पर आरोपी को 15 साल की सजा हो सकती है। यूक्रेनी मंत्रालय ने गबन किए गए रकम की वसूली के प्रयास शुरू किया है। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय के प्रेस और सूचना विभाग के प्रमुख इलारियन पावलियुक ने बताया कि समझौते में संबंधित डिल्वरी के बिना भुकतान शामिल था। हालांकि, अब इस समझौते को खत्म करने और गबन के पैसे वापस पाने के रास्ते की तलाश की जा रही है। सितंबर में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने देश के रक्षा मंत्रालय से जुड़े कई भ्रष्टाचार घोटालों को उजागर करते हुए रक्षा मंत्री ओलेस्की रेजनिकोव को बर्खास्त किया था। मीडिया के अनुसार अमेरिका ने यूक्रेन से सरकारी भ्रष्टाचार से निपटने के पयासों में तेजी लाने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने खुलासा किया कि अमेरिका ने इस मामले में कई नोटिस जारी किए हैं। भ्रष्टाचार मामले में चिंता व्यक्त करते हुए जेलेंस्की ने इस साल अमेरिकी सांसदों से मुलाकात के लिए वॉशिंग्टन का दौरा किया।

पाक अचानक क्यों हुआ अमेरिका का मुरीद

जनरल मुनीर और अमेरिकी विदेश मंत्री की मुलाकात के बाद बदला बाइडेन सरकार का रुख!

इस्लामाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी सेना के जनरल असीम मुनीर अमेरिका से लौटे हैं। इस दौरे पर उन्होंने अमेरिकी रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की। यह ऐसा मौका है जब भारत और अमेरिकी के रिश्ते विवादों के बीच फंसे हैं, इस दौरान एक सेना अध्यक्ष का अमेरिकी रक्षा और विदेश मंत्री से मिलना कई तरह के कयासों को जन्म देता है। अमेरिकी मंत्रियों से मुलाकात के दौरान, जनरल मुनीर ने कश्मीर और अनुच्छेद 370 का मुद्दा उठाया। भारत ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा, पाकिस्तान की ओर से आतंकवाद को शह देने के बात इस बारे में हमारी चिंता को दुनिया जानती है। अमेरिका पर सवाल उठने लगे हैं कि एक तरफ तो वह भारत को अपना साथी कहता है और दूसरी ओर वह भारत के दुश्मन को मंच दे रहा है। कई जानकार मानते हैं कि अमेरिका का रुख पाकिस्तान के लिए इसलिए भी नरम है क्योंकि वह नहीं चाहता कि पाकिस्तान चीन के गुट में पूरी तरह शामिल हो जाए। पाकिस्तान भारत की चुगली दुनिया भर में करता फिर रहा है, लेकिन उसे खुद अपने कारनामे देखने चाहिए। हाल ही में ईरान ने पाकिस्तान से कहा था कि वह अपनी सरहदों से आतंकियों के आने पर रोक लगाए।

ताइवान में आए तेज भूकंप के झटके

ताइपे, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। ताइवान में तेज भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.3 रही। जीएफजे जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, रविवार को ताइवान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। इसमें कहा गया है कि भूकंप का केंद्र 10 किमी (6.21 मील) की गहराई पर था। झटके महसूस होते ही लोगों में डर का माहौल व्याप्त हो गया, क्योंकि इसी हफ्ते चीन में भी तेज भूकंप आया जिसमें करीब 150 लोगों की जान चली गई।

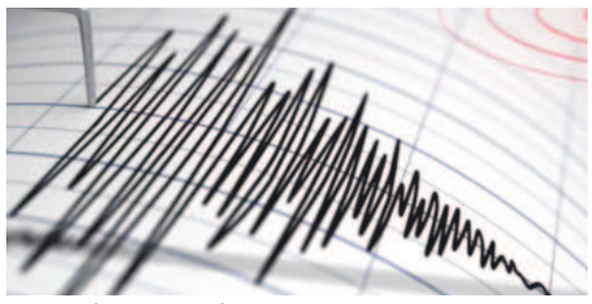

ताइवान में भूकंप का दूसरा झटका

रॉयटर्स ने ताइवान के मौसम विभाग के हवाले से बताया कि रविवार को ही ताइवान के कम आबादी वाले पूर्वी तट पर रविवार को 4.6 तीव्रता का भी भूकंप आया है। मौसम विभाग ने बताया कि इस भूकंप को ज़मीन पर बमुश्किल ही महसूस किया गया। इस कम तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र ताइवान का ताइतुंग काउंटी रहा है, जहां 16.5 किमी की गहराई से झटके पैदा हुए।

चीन में पिछले 9 सालों का सबसे तेज भूकंप

बता दें कि उत्तर पश्चिम चीन में भी इसी सप्ताह की शुरुआत में भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 6.2 थी। इस तेज भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 148 हो गयी है। भूकंप से गांसू प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जहां कुल 117 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह भूकंप 18 दिसंबर की आधी रात को जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में आया था। यह पिछले 9 सालों में सबसे अधिक भीषण झटकों वाला भूकंप था। अधिकारियों ने बताया कि गांसू प्रांत की सीमा से लगने वाले किंघई प्रांत में भूकंप से 31 लोगों की मौत हो गयी। शिन्हुआ ने शनिवार को अपनी खबरों में कहा प्रांतीय भूकंप राहत मुख्यालय के अनुसार, शुक्रवार तक गांसू में भूकंप से 781 लोग घायल हो गए थे। चीन के यूनान प्रांत में 2014 में आये भूकंप से 617 लोगों की मौत हो गयी थी, इसके बाद देश में सोमवार की रात आया भूकंप सर्वाधिक घातक था।

पुतिन को चुनौती देने वाली महिला पत्रकार के साथ क्या हुआ

जिसकी पूरी दुनिया में चर्चा हो रही

मॉस्को, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। रूस में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का मौजूदा चौथा कार्यकाल साल 2024 में खत्म होना है। रूस में अगले साल चुनाव होने वाले हैं। यूक्रेन से जंग शुरू होने के बाद रूस में पहला आम चुनाव होने जा रहा है। पुतिन ने ऐलान किया है कि वह इस चुनाव में हिस्सा लेंगे। इस बीच खबरें आईं की पुतिन के सामने चुनाव में रूसी टीवी पत्रकार येकातेरिना दंतसोवा रहेंगे, लेकिन अब उन पर रोक लगा दी गई है। येकातेरिना ने गुरुवार को राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने के लिए आवेदन दिया था, लेकिन चुनाव आयोग ने उनकी उम्मीदवारी को खारिज कर दिया। आयोग ने आवेदन में 'गलतियों' की बात कही है।

कौन हैं येकातेरिना दंतसोवा?

येकातेरिना दंतसोवा रूस में पत्रकार रह चुकी हैं। उनकी उम्र तकरीबन 40 बरस है। वह पुतिन की मुखर आलोचक रही हैं। येकातेरिना के तीन बच्चे हैं और वह उनका ख्याल खुद रखती हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा, कई रूसी चाहते थे कि चुनाव में कोई व्लादिमीर पुतिन को चुनौती दे। येकातेरिना को राजनीति के कोई अनुभव नहीं है। वह जंग को खत्म करने की समर्थक हैं।

क्या लग रहे आरोप?

येकातेरिना पर पुतिन समर्थकों की ओर से आरोप लगाया जाता है कि वह पश्चिमी देशों के मोहरे का तौर पर चुनाव में उतरी हैं। समर्थकों ने येकातेरिना को विदेशी एजेंट भी कहा है। पश्चिमी देशों की मीडिया में येकातेरिना के बारे में कहा जा रहा था कि वह पुतिन को चुनाव में हराने की कूवत रखती है लेकिन पुतिन उन्हें सत्ता में आने नहीं देंगे। यूक्रेन के साथ जंग पर येकातेरिना कहती हैं, लोग हर रोज़ मर रहे हैं और मुझे यकीन है कि वे जीना चाहते थे। हम सभी जीना चाहते हैं और हमें अमन की जरूरत है। येकातेरिना दंतसोवा की तारीफ दुनिया भर में इसलिए भी हो रही है कि क्योंकि पुतिन पर कई बार आरोप लगते रहे हैं कि वह अपने विरोधियों या आलोचकों को नहीं बख्शते हैं। पुतिन के खौफ की वजह से कई नेता विदेशों में रहते हैं, कई जेलों में बंद है। कई मीडिया रिपोर्टों में आलोचकों की मौत को लेकर पुतिन की ओर सवाल उठे हैं।

अमेरिकी सांसदों ने हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की, कहा- मामले की होनी चाहिए गहन जांच

न्यूयॉर्क, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन प्रमुख भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसियों सहित कई अमेरिकी सांसदों ने कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की कड़ी निंदा की है। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस हरकत के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

अपराध के तौर पर हो रही जांच

कैलिफोर्निया के नेवार्क में श्री स्वामीनारायण मंदिर हिंदू मंदिर में भारत विरोधी चित्रों के साथ तोड़फोड़ की गई, जिसके बाद पुलिस अपराध के रूप में मामले की जांच कर रही है। सिलिकॉन वैली में स्थित कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेसी रो खन्ना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह कैलिफोर्निया के नेवार्क में स्वामीनारायण मंदिर के विरूपण की कड़ी निंदा करते हैं।

रो खन्ना ने की कड़ी निंदा

रो खन्ना ने कहा, पूजा करने की स्वतंत्रता अमेरिकी लोकतंत्र के दिल में है। जिन लोगों ने बर्बरता का यह कृत्य किया, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि समुदाय नफरत के खिलाफ खड़े होने और भित्तिचित्रों को हटाने के लिए एक साथ आ रहा है। उन्होंने कहा, यह सामुदायिक कार्रवाई दुष्टता का जवाब अच्छाई से दे रही है।

'एकजुट होकर लड़ रहा समुदाय'

कांग्रेसी राजा कृष्णमूर्ति ने स्वामीनारायण मंदिर को विरूपित करने को घृणित बताया और कहा कि वह इसकी कड़ी निंदा करते हैं। इलिनोइस के 8वें कांग्रेस जिले के अमेरिकी प्रतिनिधि कृष्णमूर्ति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि समुदाय मंदिर के समर्थन में एकजुट हो रहा है। उन्होंने कहा, हमें कट्टरता के सभी कुरूप रूपों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। जिन लोगों ने यह बर्बरता की, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

हो रही मामले की जांच की मांग

कांग्रेसी थानेदार ने भी इस हरकत को शर्मनाक बताते हुए इसकी निंदा की है। थानेदार ने कहा, भारत विरोधी भित्तिचित्रों से चिह्नित यह अपवित्रता हमारे विविध और समावेशी समाज के सार पर हमला है। मैं असहिष्णुता के ऐसे हमलों की निंदा करता हूं और इस जघन्य अपराध की गहन जांच का आह्वान करता हूं। उन्होंने कहा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांप्रदायिक सद्भाव हमारे राष्ट्र के मौलिक सिद्धांत हैं और मैं सभी पूजा स्थलों की सुरक्षा और पवित्रता सुनिश्चित करते हुए अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए कानून प्रवर्तन द्वारा त्वरित कार्रवाई का आग्रह करता हूं।

जिम्मेदार लोगों को होना होगा जवाबदेह

कैलिफोर्निया से कांग्रेस सदस्य बारबरा ली ने भी हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, सभी रूपों में नफरत बर्दाश्त नहीं की जा सकती। जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ओहियो सीनेट में राज्य सीनेटर नीरज अंतानी ने कहा कि वह कड़े शब्दों में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा करते हैं। अंतानी ने कहा, अपराधियों को पकड़ा जाना चाहिए और कानून की पूरी सीमा तक दंडित किया जाना चाहिए। हमें हर जगह हिंदूफोबिया को जड़ से खत्म करना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग ने की कृत्य की निंदा

अमेरिकी विदेश विभाग ने भी शनिवार को मंदिर में तोड़फोड़ की निंदा की और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के प्रयासों का स्वागत किया। अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो ने शनिवार को एक पोस्ट में कहा, हम कैलिफोर्निया में श्री स्वामीनारायण मंदिर हिंदू मंदिर में हुई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं। हम नेवार्क पुलिस विभाग के प्रयासों का स्वागत करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाए।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

नेवार्क पुलिस ने कहा कि हिंसा, संपत्ति की क्षति, उत्पीड़न, धमकी, या नफरत या पूर्वाग्रह से प्रेरित अन्य अपराधों के किसी भी कार्य या धमकी को बहुत गंभीर माना जाता है और इसे बहुत उच्च प्राथमिकता दी जाती है। पुलिस ने कहा, अधिकारी घटनाओं को सही ढंग से समझने और जिम्मेदार लोगों को कटघरे में लाने के लिए जांच कर रहे हैं, सबूत इकट्ठा कर रहे हैं और आसपास के व्यवसायों से सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा कर रहे हैं।

पुलिस ने लोगों से किया आग्रह

विभाग ने कहा कि हम अपने समुदाय के साथ एकजुट हैं और इस घटना के संबंध में किसी भी जानकारी के लिए समुदाय के सदस्यों से आगे आने और जांचकर्ताओं से बात करने का आग्रह कर रहे हैं। पुलिस इस जांच के संबंध में जानकारी रखने वाले किसी भी व्यक्ति से नेवार्क पुलिस जांच इकाई से संपर्क करने के लिए कह रही है।

पाक द्वारा सिख आस्था के नाम पर बड़ी डकैती

लंदन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भीषण आर्थिक मंदी से जूझ रहे पाकिस्तान द्वारा सिख आस्था के नाम पर बड़ी डकैती करने की खबर है, जिससे विदेशी सिखों में काफी गुस्सा है। लंदन से पाकिस्तान, पंजाब, दिल्ली की यात्रा करने वाले युवाओं ने अपने अनुभव सुनाए और कहा कि औकाफ बोर्ड के भ्रष्ट अधिकारी गुरुद्वारा जन्म अस्थाना सहित भारत और पाकिस्तान के बीच शांति के गलियारे में मनमानी करते नजर आए। यात्रा करने वाले वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं को पहली और दूसरी मंजिल पर कमरे दिए जाते हैं जबकि बाकी यात्रियों को प्रधान मंत्री, रक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री, सेना अधिकारियों, औकाफ बोर्ड के कोटे में कमरे आवंटित किए जाते हैं, हालांकि कुछ विशिष्ट सदस्य यात्रा के दौरान अपने कोटे के कमरों का किराया होटल के कमरों की तरह वसूलने की बात करते रहते हैं, लेकिन थोड़ी जांच-पड़ताल के बाद गुरुपर्व की समाप्ति के बाद उस पर भी विराम लग जाता है। पाकिस्तान में श्रोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी भी अपनी पहचान स्थापित करने में विफल रही। वह सिखों को बिकमीं और मूल नानकशाही कैलेंडर में बांटकर सिख इतिहास को नष्ट करने में भी प्रमुख भूमिका निभा रही है। तीर्थयात्रियों ने कहा कि सिखों द्वारा गुरुधाम के दर्शन के लिए रोजाना अरदास की जाती है, लेकिन करतारपुर साहिब के अंदर जाकर खुले दर्शन करने के लिए पाकिस्तान सरकार गुरुद्वारे के रखरखाव के नाम पर प्रत्येक व्यक्ति से 1500 रुपये वसूल रही है। गौरतलब है कि भारत से आने वाले यात्रियों से क्रॉसिंग के लिए 1500 रुपये वसूले जाते हैं और विदेश से आने वाले यात्रियों से विभिन्न देशों के वीजा शुल्क के अलावा 1500 रुपये अतिरिक्त टैक्स की मांग की जा रही है जिससे विदेशी सिखों में काफी रोष है। गुरुद्वारा साहिब की सीमा के भीतर, पिन्नियाँ देने वाले प्रसाद तम्बाकू का सेवन करते हैं, जो ज्यादातर अन्य धर्मों के लोग होते हैं, जिन्हें कई जगहों पर नंगे सिर घूमते या टोपी पहने देखा जा सकता है। तीर्थयात्रियों ने कहा कि उन्हें अपने धार्मिक स्थलों में प्रवेश करने के लिए एक आई-कार्ड पहनना होगा,

तोशाखाना मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे इमरान खान

इस्लामाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने तोशाखाना मामले पर इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

इमरान पर लगा है प्रतिबंध

जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इमरान खान ने शीर्ष अदालत से उन पर लगे प्रतिबंध को हटाने की अपील की है, जो उनके लिए आगामी आम चुनाव लड़ने का रास्ता खोल सकता है। बता दें कि इमरान पर पांच साल तक किसी भी सरकारी पद पर रहने के लिए अयोग्य ठहराया गया है।

हाई कोर्ट ने दिया था आदेश

हाल ही में, इस्लामाबाद हाई कोर्ट (आईएचसी) ने तोशाखाना मामले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को निलंबित करने की मांग करने

वाली खान की याचिका खारिज कर दी थी। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट में दायर अपनी याचिका में खान ने दोषसिद्धि को रद्द करने की मांग की थी।

आईएचसी के फैसले पर रोक लगाने की अपील

हालांकि, नई याचिका में खान ने आईएचसी के फैसले पर रोक लगाने की अपील करते हुए कहा कि तोशाखाना मामले में उनकी सजा पहले ही निलंबित कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा दोषसिद्धि के पूरे आदेश के बजाय केवल उनकी सजा को निलंबित करने के कारण उन्हें चुनाव लड़ने के उनके मौलिक अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

कोर्ट के आदेश में थी त्रुटि

अपील में कहा गया है कि इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के आदेश में त्रुटि का लाभ उठाते हुए, पाकिस्तान चुनाव आयोग ने एक अधिसूचना जारी की और इमरान को अयोग्य घोषित कर दिया। कोर्ट के आदेश में याचिकाकर्ता की सजा निलंबित कर दी गई थी, लेकिन आदेश नहीं था। क्रिकेटर से नेता बने क्रिकेटर को 2018-22 के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान सरकार के उपहार बेचने का दोषी पाए जाने के बाद 5 अगस्त को तीन साल के लिए जेल भेज दिया गया था, जिन आरोपों से वह इनकार करते हैं।

'हमारा 1 बच्चा भारत के 10 सैनिकों के बराबर'

पाकिस्तानी आवाम ने कश्मीर को लेकर दिया जहरीला बयान

इस्लामाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर हमेशा से ही एक बेहद संवेदनशील मुद्दा रहा है। इसकी वजह से ही भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध भी हुए हो चुके हैं। हालांकि, भारत का रुख कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर एकदम साफ रहा है कि वो भारत का एक अभिन्न हिस्सा और वो इसे किसी भी कीमत में पाकिस्तान को नहीं लेने देंगे। हाल ही में भारत के गृह मंत्री अमित शाह ने बयान दिया था कि पीओके हमारा है और इसे कोई भी हमसे छीन नहीं सकता है। इसी बयान पर पाकिस्तानी यूट्यूबर नाइला खान ने आवाम से प्रतिक्रिया ली। पाकिस्तानी आवाम ने पीओके से जुड़े सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि हम कश्मीर को छीन लेंगे और उसमें दूसरा पाकिस्तान बसाएंगे। इसी पर एक पाकिस्तानी शख्स ने कहा कि हमारे देश का 1 बच्चा भारत के 10 सैनिकों के बराबर है, इसलिए भारत को अपने मन से ये ख्याल निकाल देना चाहिए की वो हमसे हमारा पीओके ले सकते हैं। हम 1000 जंग लड़ने की काबिलियत रखते हैं। पाकिस्तानी यूट्यूबर ने आवाम से सवाल किया कि अगर आप लोगों को कश्मीर से इतना प्यार है तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में तरक्की क्यों नहीं करते जैसा पंजाब के इलाके में हैं। इस पर आवाम ने कहा कि इंशाअल्लाह हुक्मरान आने वाले दिनों में तरक्की करेंगे। इस पर यूट्यूबर ने कहा कि पिछले 77 सालों से तो कुछ नहीं तो आगे कैसे हो जाएगा। इसी दौरान पाकिस्तानी शख्स ने भारत को पैगाम देते हुए कहा कि आप हमसे कश्मीर नहीं ले सकते हैं।

पाकिस्तान 370 के खात्मे से तिलमिलाया

भारत के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर भारत के दावे को रेखांकित किया और कहा कि क्षेत्र के प्रतिनिधियों के लिए जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 24 सीटें आरक्षित थी। इसी दौरान उन्होंने खुले तौर पर कहा कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर हमारा है और इसे कोई छीन नहीं सकता है। पाकिस्तान पहले से ही कश्मीर से हटाए गए आर्टिकल 370 से तिलमिलाया हुआ है, जिसको लेकर उन्होंने कई इंटरनेशनल फॉरम में कश्मीर के मुद्दे को उठाया। हालांकि, उन्हें कोई भी सफलता हाथ नहीं लगी।

सचिन पायलट राजस्थान से दूर या बढ़ गया कद

क्या हैं छत्तीसगढ़ प्रभारी महासचिव बनाने के मायने?

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट को पहली बार पार्टी का प्रभारी महासचिव बनाया गया है। उन्हें छत्तीसगढ़ का प्रभार दिया गया है। अब तक वह कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य थे। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए ये फैसला लिया है। राजस्थान की राजनीति में कभी बगावत पर उतरे सचिन पायलट को लेकर कांग्रेस ने ये फैसला क्यों लिया और इसके सियासी मायने क्या हो सकते हैं, आइए जानते हैं...

कहा जा रहा है कि सचिन पायलट का प्रमोशन तो हुआ है, लेकिन उन्हें प्रभारी महासचिव बनाकर कांग्रेस ने राजस्थान से दूर कर दिया है। वह नेता प्रतिपक्ष की दौड़ में थे। दूसरी ओर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी नेशनल अलायंस कमेटी की जिम्मेदारी मिल चुकी है। ऐसे में वे भी राजस्थान से बाहर की जिम्मेदारी निभाएंगे।

राजस्थान की राजनीति से दूर!

सचिन पायलट को राजस्थान की राजनीति से दूर करने की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। इसे अशोक गहलोत के सियासी दांव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि दोनों नेताओं के बीच सियासी अदावत रही है। हालांकि विधानसभा चुनाव के दौरान दोनों राहुल गांधी के साथ एक मंच पर नजर आए थे, लेकिन चुनावों में हार के बाद एक बार फिर अनबन की खबरें सामने आ रही हैं।

संगठन में भी पायलट का कद बढ़ रहा है। पिछले दिनों उनके

गुट के नेता अभिमन्यु पूनिया को यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया है। कहा जा रहा था कि पायलट को प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान भी सौंपी जा सकती थी, लेकिन अब आलाकमान ने उन्हें राजस्थान से दूर कर गुटबाजी से निजात पाने और 'कुछ नया' करने की कोशिश की है।

दूसरी ओर, पायलट को छत्तीसगढ़ बनाने के पीछे एक वजह कुमारी शैलजा को हटाना भी रहा है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की अप्रत्याशित हार हुई है। साथ ही गुटबाजी की भी खबरें सामने आईं। कुमारी शैलजा को अब उत्तराखंड का प्रभार सौंपा गया है। छत्तीसगढ़ में सचिन पायलट जैसे युवा चेहरे पर दांव खेलकर कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले एक्सपेरिमेंट करने की कोशिश की है।

पायलट की लोकप्रियता

माना जा रहा है कि कांग्रेस पायलट की लोकप्रियता को भी भुनाना चाहती है। साथ ही राज्य के ओबीसी वोटर्स को लुभाने के लिए कांग्रेस ने ये दांव खेला है। छत्तीसगढ़ में करीब 43 फीसदी ओबीसी वोटर हैं। इस चुनाव में कांग्रेस के खाते में 42 प्रतिशत जबकि बीजेपी के खाते में 40 फीसदी ओबीसी वोट गए। ऐसे में पायलट के चेहरे के साथ कांग्रेस छत्तीसगढ़ में जातिगत समीकरण भी देख रही है।

एक वजह यह भी

सचिन पायलट पहले राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष थे। जब 2018 विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत हुई तो पायलट ने इसका श्रेय लिया। कहा गया कि पायलट की मेहनत की वजह से ही कांग्रेस ने 21 से लेकर 99 सीटों पर कब्जा जमाया। हालांकि अब जब कांग्रेस की हार हुई है तो इसे गुटबाजी की वजह से माना जा रहा है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा की 11 सीटें हैं। अब कांग्रेस आलाकमान चाहता है कि पायलट अपनी मेहनत से लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत दर्ज कराएं।

गहलोत सरकार ने जाते-जाते फंसाया पेंच

शिक्षकों का तबादला बना सरकार का सिरदर्द

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने जाते-जाते नई सरकार के लिए बड़ा सिरदर्द खड़ा कर दिया है। पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों के लिए आवेदन तो ले लिए लेकिन उन्हें ठंडे बस्ते में डाल दिया।

राजस्थान की पिछली सरकार की कारगुजारियों ने नई भाजपा सरकार के सामने परेशानी खड़ी कर दी है। दरअसल सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े संवर्ग तृतीय श्रेणी शिक्षकों ने प्रदेश की नई भजनलाल शर्मा सरकार से उनके तबादले खोले जाने की मांग की है। आने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुए यह नई सरकार के लिए यह एक बेहद चिंताजनक मुद्दा हो सकता है।

तबादलों की मांग को लेकर राजस्थान प्रारंभिक एवं माध्यमिक

शिक्षक संघर्ष समिति के प्रदेश प्रवक्ता नारायण सिंह का कहना है कि कांग्रेस की पिछली सरकार तृतीय श्रेणी शिक्षकों को 5 साल तक तबादलों के लिए तरसाती रही और आखिर उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। अब मौजूदा सरकार ने भी यदि समय रहते इस काम को नहीं किया और लोकसभा चुनाव से पहले इसे लेकर कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की तो आगामी लोकसभा चुनाव में शिक्षकों की नाराजगी सामने आ सकती है।

गौरतलब है कि राजस्थान में तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर प्रतिबंध है। पिछली कांग्रेस सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादले करने का सियासी वादा करके लगभग 85 हजार शिक्षकों के तबादलों के आवेदन स्वीकर कर लिए थे लेकिन तबादले नहीं किए और सरकार का कार्यकाल पूरा हो गया।

राजस्थान में लगभग 3 लाख सरकारी शिक्षक हैं और उनमें सबसे ज्यादा संख्या तृतीय श्रेणी शिक्षकों की है। इनमें से अधिकतर दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में पढ़ाई का जिम्मा संभाल रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में काम कर रहे शिक्षकों के तबादले करना हर सरकार के लिए एक चुनौतीपूर्ण काम रहा है। अब वर्तमान सरकार इस संबंध में क्या निर्णय लेती है, यह महत्वपूर्ण है।

शाहपुरा विधायक ने एसडीएम को धमकाया

बैरवा बोले- आपकी नई-नई नौकरी है, खतरे में पड़ जाएगी

भीलवाड़ा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा सीट से विधायक लालाराम बैरवा ने संकल्प यात्रा शिविर में बनेड़ा एसडीएम की कार्यप्रणाली को लेकर उनको धमकाया। इसका विडियो वायरल हो रहा है। रायला में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कैंप में मुख्य अतिथि के तौर पर आए विधाकक बैरवा ने उपखंड अधिकारी को अवैध कोयला भट्टियों के खिलाफ कार्रवाई करने निर्देश दिए। इस दौरान अचानक उन्होंने एसडीएम को कारवाई करने को लेकर खरी-खरी सुना दीं। विधायक लालाराम और एसडीएम नेहा छीपा की बहस का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें विधायक एसडीएम से कहते दिख रहे हैं कि आपकी नई-नई नौकरी है,

तकलीफ हो जाएगी।

विधायक लालाराम बेरवा ने बनेड़ा एसडीएम नेहा छीपा को चेतावनी देते हुए कहा है कि जनता ने हमें जनता के काम के लिए चुनकर भेजा है, जनता की सुनवाई होनी चाहिए। बनेड़ा क्षेत्र में कोयले की भट्टियां क्यों नहीं हटी। इससे पहले आप लोग कैसे काम कर रहे थे, उससे हमें कोई लेना-देना नहीं है। लेकिन, अब सरकार बदल गई है तो अपने काम में भी बदलाव लाएं, नहीं तो अपना इंतजाम कर लें। आपकी नई-नई नौकरी है। तकलीफ हो जाएगी।

दरअसल, शाहपुरा से भाजपा विधायक लालाराम बैरवा ने शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के रायला गांव में विकसित भारत यात्रा के तहत लगे शिविर का निरीक्षण किया था। यहां बैरवा ने शिविर में मौजूद बनेड़ा उपखंड अधिकारी नेहा छीपा को कांग्रेस सरकार के समय कोटडी क्षेत्र में हुए भट्टी कांड की याद दिलाते हुए बनेड़ा उपखंड में अवैध कोयला भट्टियों को बंद करवाने के निर्देश दिए। इसे लेकर विधायक बैरवा ने एसडीएम नेहा से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि हमने 91 के तहत नोटिस जारी कर दिए हैं। इस जवाब पर विधायक बैरवा भड़क गए। उन्होंने कहा कहा कि जब अतिक्रमण किया गया था तब आपसे पूछा था क्या? इस पर एसडीएम नेता ने इनकार कर दिया। इसके बाद विधायक बैरवा ने तमतमाते हुए कहा कि जब अतिक्रमण करने के लिए आपसे पूछा नहीं जाता है तो हटाने के लिए क्यों पूछा जा रहा है। इसी बात को लेकर दोनों में बहस हो गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

निर्माण कार्य रुकवाने से नाराज लोगों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा, विधायक पर काम रुकवाने का आरोप

दौसा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा के बांदीकुई में उप जिला अस्पताल का निर्माण कार्य रुकवाने से स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है। जिसके विरोधस्वरूप स्थानीय लोगों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर निर्माण कार्य जारी रखने की मांग की और ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक भागचंद टांकड़ा पर निर्माण कार्य रुकवाने का आरोप लगाया गया है।

दौसा के बांदीकुई में उप जिला अस्पताल का निर्माण कार्य रुकवाने के विरोधस्वरूप लोगों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर निर्माण कार्य जारी रखने की मांग की और ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक भागचंद टांकड़ा पर निर्माण कार्य रुकवाने का आरोप लगाया गया है। लोगों का आरोप है कि विधायक भागचंद टांकड़ा ने द्वेष के कारण अस्पताल के निर्माण कार्य पर रोक लगाई है।

मामले में ज्ञापन देने आए लोगों का कहना है कि विधायक भागचंद द्वेषता के चलते ऐसा कर रहे हैं। क्षेत्र के लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर 7 दिन में उप जिला अस्पताल का निर्माण पुनः शुरू कराने की मांग की है। साथ ही सात दिन में निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है। बांदीकुई से पूर्व विधायक गजराज खटाना ने भी उपजिला अस्पताल का निर्माण कार्य रोकने को राजनीतिक द्वेषता बताया है।

वहीं जब इस मामले को लेकर भाजपा विधायक भागचंद सैनी से बात की तो उन्होंने कहा- जिस जगह उपजिला अस्पताल का निर्माण चल रहा है वह शहर से बाहर है। ऐसे में स्थानीय लोगों की मांग है किअस्पताल बांदीकुई सिटी में ही बने। इसमें राजनीतिक द्वेषता वाली कोई बात नहीं है। शहर बीचों बीच उपजिला अस्पताल बनने से लोगों को इसका अधिक लाभ मिलेगा।

ज्ञात रहे कि हाल ही में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एक आदेश जारी कर स्पष्ट कर चुके हैं कि कांग्रेस शासनकाल के समस्त निर्माणाधीन कार्यों को तुरंत प्रभाव से रोक दिया जाए।

डबल इंजन से मिले 1000 करोड़ तो राजस्थान में दौड़ेगी उद्योगों की गाड़ी, डीएमआईसी को फायदा

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। नौकरशाही के साथ पहली उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी इस परियोजना के प्रति सकारात्मक संकेत दिए हैं। इस परियोजना के तहत राज्य में दो विशेष निवेश क्षेत्र प्रस्तावित हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से महाराष्ट्र जा रहे दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) के अब राजस्थान में भी 'डबल इंजन के पंख' लगने की उम्मीद बंधी है। राजस्थान में औद्योगिक विकास की रीढ़ कही जा रही इस परियोजना के करीब एक हजार करोड़ रुपये केंद्र सरकार से आने हैं। केंद्र के साथ राज्य में अब भाजपा की सरकार आने के बाद यह राशि जल्द मिलने की उम्मीद है।

नौकरशाही के साथ पहली उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी इस परियोजना के प्रति सकारात्मक संकेत दिए हैं। इस परियोजना के तहत राज्य में दो विशेष निवेश क्षेत्र प्रस्तावित हैं। इनमें से एक एनसीआर में खुशखेड़ा-भिवाड़ी-नीमराणा विशेष विनिधान क्षेत्र (केबीएनआईआर) और पश्चिमी राजस्थान में जोधपुर-पाली-मारवाड़ औद्योगिक क्षेत्र (जेपीएमआईए) हैं। पिछली वसुंधरा राजे सरकार में इस परियोजना पर काम शुरू हुआ था। केबीएनआईए परियोजना के तहत राज्य सरकार 558.67 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण कर 500 करोड़ रुपये का मुआवजा बांट चुकी। अब केंद्र के राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के ट्रस्ट से केंद्रीय हिस्सेदारी के तौर पर करीब 500 करोड़ रुपये और लोन के तौर पर 150 करोड़ रुपये मिलने हैं। वहीं, तीन चरणों में विकसित होने वाले जेपीएमआईए के पहले चरण में 638 हेक्टेयर सरकारी जमीन राज्य सरकार ने समर्पित कर दी है। इसकी हिस्सेदारी के तौर पर एनआईसीडीसी से 322.80 करोड़ रुपये और लोन के तौर पर 105 करोड़ रुपये आने हैं। दिसंबर 2022 की बैठक में निगम ने इसको मंजूरी तो दी लेकिन यह राशि अभी राज्य को मिलनी शेष है।

मेडिकल की पढ़ाई करने यूक्रेन गए झालावाड़ के छात्र की मौत

शव को भारत लाने के लिए सरकार से की गुहार

झालावाड़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन में मेडिकल की पढ़ाई करने गए झालावाड़ के एक छात्र की मौत हो गई। छात्र के परिजनों ने शव को वापस लाने के लिए सरकार से गुहार की है। छात्र एमबीबीएस के छठे वर्ष में अध्ययन कर रहा था और 6 महीने बाद भारत आने वाला था।

यूक्रेन में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे राजस्थान के छात्र की मृत्यु हो गई। छात्र के परिजनों ने उसका शव वापस लाने के लिए सरकार से गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार छात्र अनुदित गौतम यूक्रेन की बुकोविनियन यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस फाइनल ईयर का छात्र था और 6 महीने बाद पढ़ाई पूरी करके भारत लौटने वाला था। मृत्यु का प्रारंभिक कारण हृदय संबंधी समस्या बताया जा रहा है।

विदेश में संकटग्रस्त भारतीयों की सहायता के लिए कार्य करने वाले राजस्थान बीज निगम के निदेशक चर्मेश शर्मा ने झालावाड़ जिले के निवासी भारतीय छात्र अनुदित गौतम की दिवंगत देह पीड़ित परिवार के पास पहुंचाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम राष्ट्रपति सचिवालय में याचिका दायर की है।

साथ ही मामले में विदेश मंत्रालय और यूक्रेन स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर सहायता का आग्रह किया है।

डिप्टी सीएम दीया विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय

ट्रैफिक जाम और जलभराव खत्म करने अफसरों को दिए निर्देश

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने जाम की समस्या को हल करने के लिए फ्लाई-ओवर और रोड के चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को देते हुए कहा कि इसे लेकर जल्द से जल्द काम शुरू किया जाए।

राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने अपने विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर की ज्वलंत समस्याओं को हल करने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। दीया ने सीकर-जयपुर नेशनल हाईवे रोड नंबर 14 से लेकर हरमाड़ा तक लगने वाले जाम की समस्या के निराकरण के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों के साथ मौके पहुंचकर जायजा लिया।

साथ ही नेशनल हाईवे अथोरिटी

के अधिकारियों के साथ 14 नंबर पुलिया से नींदड मोड़ और टोडी इलाके का भी जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निजी उप-सचिव शैलेश शर्मा, एनएचएआई के रीजनल ऑफिसर हरीश कुमार, प्रोजेक्ट डारेक्टर अजय आर्य और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने जाम की समस्या को हल करने के लिए फ्लाई-ओवर और रोड के चौड़ाई बढ़ाने के निर्देश अधिकारियों को देते हुए कहा कि इसे लेकर जल्द से जल्द काम शुरू किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को सीकर रोड पर हाईवे क्रॉसिंग के समय जाम की समस्या के समाधान, दुर्घटनाओं को रोकने और जल भराव को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने का भी निर्देश दिया।

इससे पहले शुक्रवार को दीया कुमारी ने विद्याधर नगर में पीने के पानी की समस्या को हल करने लिए जलदाय विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को ने सख्त निर्देश दिए थे कि हर कॉलोनी में पीने के पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाए।

केंटर में घुसी कार, हादसे में दो जनों की मौत

दौसा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा. यहां महुवा थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे 21 स्थित बायपास पर एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे केंटर में पीछे से जा घुसी। जिससे कार में सवार दो जने घायल हो गए। महुवा चिकित्सालय में दोनों की मौत हो गई। एएसआई भगवान डूकषसह ने बताया कि पेंट करने का काम करने वाले कार सवार दोनों युवक इटावा से पाली जा रहे थे।

बायपास पर उनकी कार अनियंत्रित होकर केंटर में पीछे से जा घुसी। इससे कार बुरी तरह ट्रक में फंस गई। जिसे पुलिस ने जेसीबी की सहायता से बाहर निकाला और दोनों युवकों को महुवा जिला अस्पताल में पहुंचाया। चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दोनों की पहचान रघुनाथ पुत्र हीरामन निवासी देरली सिरोही व सुशील

यादव पुत्र अभय यादव रामनगर इटावा के रूप में हुई। घटना को लेकर पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव महुवा जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिए हैं। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुट गई है।

मंडावर. थाना इलाके के इशरपुर नागल मेव निवासी एक जने ने आठ जनों के खिलाफ घात लगाकर जान से मारने की नियत से हमला कर फायडूकषरग करने का मामला दर्ज करवाया है। थाना पुलिस के अनुसार ईसब खां पुत्र लल्लू खां निवासी ईशरपुर नागल मेव ने रिपोर्ट दी कि उसके बड़े भाई कमरुद्दीन का अलवर में इलाज चल रहा था। जिसकी तबीयत में कुछ सुधार होने पर उसे 22 दिसंबर करीब 10 बजकर 30 मिनट पर कमरुद्दीन, भतीजा अमजद व भतीजी मुबीना पुत्री कमरुद्दीन गाड़ी से गांव पहुंचे।

जहां पहले से ही घात लगाकर बैठे शादी खां समेत आठ जनों ने एकजुट होकर गाली गलौच करते हुए जान से मारने की नियत से जानलेवा हमला कर पथराव कर दिया। इस दौरान शादी खां ने देशी कट्टे से व राहुल खां ने बंदूक से फायडूकषरग की।

इस दौरान हमने पास स्थित मकान की दीवार के पीछे जाकर अपनी जान बचाई। मोबाइल से सूचना देने पर थाना पुलिस को आते देख सभी आरोपी अपने घरों को चले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चिरंजीवी योजना

अब आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सरकार के समय राज्य में शुरू की गई चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के नियम कायदों को बरकरार रखते हुए अब इसे आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के मूल नाम से आगे बढ़ाया जाएगा। पूर्व में केन्द्र और राज्य सरकार के बीच हुए समझौते के तहत योजना के नाम में आयुष्मान और मुख्यमंत्री दोनों शब्द जोड़े गए थे, जिसके तहत केन्द्र से खाद्य सुरक्षा के तहत पंजीकृत परिवारों के लिए बीमा राशि राज्य सरकार को लगातार मिल रही है।

पानी पीने पर युवक पर कुल्हाड़ी से किया वार

जानलेवा हमला करने वाला पुजारी गिरफ्तार

झालावाड़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के झालावाड़ जिले के अंतर्गत सलोतिया गांव में अपनी दादी के अंतिम संस्कार में पहुंचे युवक को मटकी से पानी पीने पर वहां के पुजारी ने कुल्हाड़ी मारकर घायल कर दिया। घायल युवक को झालावाड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हमले में घायल युवक बबलू अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने आया था। वह बावड़ी के पास ही बनी राजू महाराज की कुटिया के बाहर रखी पानी की मटकी से पानी पीने गया तो महाराज ने गाली-गलौज की और बबलू पर कुल्हाडी से वार कर दिया। युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोप में पुजारी राजू मेघवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि फरियादी सूरज निवासी सलोतिया द्वारा थाना कोतवाली पर रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि दादी के अंतिम संस्कार में आए बबलू बैरवा को पुजारी राजू मेघवाल ने कुल्हाड़ी से गर्दन पर वार कर घायल कर दिया।

घायल युवक को इलाज के लिए झालावाड़ के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पुजारी राजू मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया है। पुजारी राजू मेघवाल के खिलाफ पूर्व में भी थाना कोतवाली पर विभिन्न धाराओ में मुकदमा दर्ज है।

घने कोहरे ने दी दस्तक

अगले दो दिनों में बारिश की संभावना

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर, जोधपुर, बीकानेर, नागौर, चूरू, हनुमानगढ़ और गंगानगर इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बारिश दर्ज की गई। शेष अधिकांश भागों पर दिनभर बादल छाए रहे। प्रदेश के कई शहरों में रविवार को सीजन का पहला घना कोहरा देखा गया, जिससे सड़कों पर विजिबिलटी काफी कम हो गई।

इधर दौसा जिले में घना कोहरा होने के कारण हुई सड़क दुर्घटना में 5 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि सड़क पर चल रहे डंपर के पीछे आ रही बस को घने कोहरे के कारण डंपर दिखाई नहीं दिया, जिससे यह दुर्घटना हुई।

भरतपुर में रविवार सुबह से ही कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 से 60 मीटर तक रही। सुबह काफी गलन भी रही, जिसके कारण लोग घरों में दुबके रहे।

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस व सरदार पटेल की पुण्यतिथि मनाई गई

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच तथा आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल द्वारा महर्षि दयानंद की 200 की जयती पर्व पर महर्षि के अनन्य शिष्य, महान राष्ट्रभक्त, महान दलितोद्धारक एवं शुद्धि आंदोलन के प्रणेता स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस एवं हैदराबाद राज्य के भारत में विलय के सूत्रधार सरदार वल्लभभाई पटेल, स्वाधीन भारत के पहले गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर स्वामी श्रद्धानंद जी की नवासी श्रीमती मंजूश्री और डॉ. विजयवीर विद्यालंकार मुख्य वक्ता रहे। विद्यार्थियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। आर्य कन्या विद्यालय हाई स्कूल, सेंट जॉर्ज गर्ल्स जूनियर कॉलेज तथा स्टेनली जूनियर कॉलेज के छात्राओं ने भी बढ़कर चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम के आरंभ में आर्य कन्या विद्यालय के छात्रों अनुश्री श्रद्धानंद जी पर हिंदी में, अभिलाष ने तेलुगु में, आकांक्षा ने अंग्रेजी में, श्रीनिजा और तृप्ति ने हिंदी में प्रकाश डाला और सेंट जॉर्ज जूनियर कॉलेज की मुस्कान ने हिंदी में स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन पर प्रकाश डाला। सरदार पटेल पर आर्य कन्या विद्यालय के हजरा और नेहा ने हिंदी में और स्टेनली जूनियर कॉलेज से रोशनी ने उनके जीवन पर बताया। नवीन ने सुभाष चंद्र बोस के जीवन पर हिन्दी में। आर्य कन्या विद्यालय के बिपिन ने स्वतंत्रता सेनानी पं. गंगाराम वानप्रस्थी के हैदराबाद मुक्ति संग्राम में योगदान एवं जीवन पर अपना प्रकाश डाला। इसी कड़ी में अशोक श्रीवास्तव ने स्वामी श्रद्धानंद और सरदार पटेल के कुछ अद्भुत ज्ञानवर्धक विवरण सुनाया और सुंदर सी कविता स्वलिखित रचना पाठ भी सुनाया। मुख्य वक्ता श्रीमती मंजूश्री का स्वागत स्वतंत्रता सेनानी पण्डित गंगाराम मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने शाल पहनाकर स्वागत किया तथा मंत्री श्रुतिकांत भारती ने मालार्पण तथा डॉ विजयवीर विद्यालंकार का स्वागत मंच के कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजू ने शाल द्वारा किया और श्रुतिकांत भारती ने मालार्पण द्वारा।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच के अध्यक्ष भक्त राम ने मंच के अभी तक के कार्यों पर विवरण प्रस्तुत किया और मुख्य अतिथि श्रीमती मंजूश्री और डॉ विजयवीर विद्यालंकार का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने अपना अमूल्य समय देकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई है। सभा का संचालन श्रुतिकांत भारती ने किया और अंत में पंडित प्रियदत्त शास्त्री ने धन्यवाद प्रस्तुत किया।

श्री क्षत्रिय युवक संघ का स्थापना दिवस मना

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी हनुमान टेकड़ी स्थित प्रगति विद्यालय में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयं सेवकों व समाज बन्धुओं के सान्निध्य में 78वां स्थापना दिवस समरोह रविवार 24 दिसम्बर प्रात: 11.30 बजे भव्यरुप से आयोजित किया गया। भगवतसिंह बालावत ने बताया कि हर वर्ष की भांति स्वयं सेवकों व समाज बन्धुओं के सान्निध्य में स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। पुज्य श्री तनसिंहजी की तस्वीर पर पुष्प-माला व दीप प्रज्वलितकर पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड़, राजस्थानी राजपूत संघ पूर्व अध्यक्ष रामसिंह चारणीम, रतनसिंह खुड़ानिया, शेरसिंह सेनपुरा, राजुसिंह रायराकला, गंगासिंह पादरा, सतीशसिंह, मदनसिंह देवड़ा, राजेन्द्रसिंह बड़ी खाटु, स्वयं सेविका हिना कंवर नौसर, महेन्द्रसिंह नौसर, कालुसिंह सुराणा ने स्थापना दिवस पर अपने विचारों से अवगत कराया। रतनसिंह खुड़ानिया ने बताया कि तनसिंहजी का जन्म शताब्दी समारोह 28 जनवरी दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। गोपालसिंह भियाड़ ने संरक्षक भगवानसिंह रोलसाब द्वारा जारी संदेश पत्र से समाज को अवगत कराया। रामसिंह चारणीम ने कार्यक्रम में पधारे स्वयं सेवकों व समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए तनसिंहजी द्वारा समाज के प्रति समर्पित जीवन, कर्तव्यों से अवगत कराते हुए जन्म शताब्दी समारोह में सभी को पधारने का निमंत्रण दिया। कार्यक्रम का संचालन गोपालसिंह चारणीम ने किया।

विधायक ने किया डायलिसिस केंद्र का शुभारंभ

निर्मल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिला भैंसा शहर के सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल में पांच बिस्तरों वाले डायलिसिस केंद्र का विधायक पवार रामाराव पटेल ने शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मुधोल तालुक में कई लोग किडनी रोग से पीड़ित हैं और उन्हें इलाज के लिए हैदराबाद, निज़ामाबाद और निर्मल, नांदेड़ जैसे दूर के स्थानों पर जाना पडा है पर अब उन्हें बीमार अवस्था में कहीं जाना नहीं पड़ेगा। मुधोल प्रजा के लिए यह एक सुखद समाचार है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. काशीनाथ ने कहा तालुका में करीब 25 किडनी रोगी है बताया और उन्होंने किडनी रोगियों की जागरूकता में बताया मानव शरीर का महत्वपूर्ण अंग किडनी है। इसे ठीक रखने के लिए नियमित स्वच्छ जल का उपयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में डॉ.सुमला, डॉ. सुरेंद्र, अस्पताल कर्मचारी, मंडल नेता, कार्यकर्ता और प्रशंसक शामिल हुए।

अग्रवाल समाज मैरेज डेटा कमेटी की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरेज डेटा कमिटी की वर्ष 2023-25 के कार्यकाल की 15वीं बैठक समाज के कार्यालय राघव रत्ना टॉवर, चिराग़अली कार्यालय में आयोजित की गई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा कमिटी के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि बैठक में बालक एवं बालिकाओं के क़रीब 15 अभिभावकगण उपस्थित होकर नए बायोडेटा एवं उनके द्वारा दिए गये पहले के बायोडेटा के बारे में जानकारी प्राप्त की गई। कमेटी द्वारा 2023-25 के इस कार्यकाल में 48 रिश्ते नक्की हुए। समाज की सभी शाखाओं के सदस्यों से आग्रह है कि समाज द्वारा जो निःशुल्क सेवा प्रदान की जा रही है उसका पूर्ण रूप से लाभ प्राप्त करें। बैठक प्रातः 11 बजे से 1 बजे तक नियमित समय पर हर रविवार को होगी सभी अग्रबंधुओं से इस सेवा का लाभ प्राप्त करने हेतु आग्रह है। आगामी बैठक रविवार को होगी। बैठक में चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल, कन्वेनर रमेश तुल्सियान, वाइस चेयरमैन सतीश कुमार अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, अशोक कुमार दादरीवाला, गोविंद अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेढ क्षत्रिय भवन गौलीगुडा में डॉ. किशोर सिंह चौहान द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कैम्प में बस्ती के लोगों ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। 200 से अधिक लोगों को फ्री सुगर टेस्ट फ्री दवाइयां, परामर्श डॉ. किशोर सिंह चौहान द्वारा दी गयी। गौलीगुडा के बस्ती के लोगों ने डॉ किशोर सिंह की इस पहल को सराहा। कैम्प के आयोजन के लिए डॉ. सिंह ने क्षेत्र के लोगों का और समाज सेवकों का धन्यवाद भी दिया।

अग्रसेन बायोडाटा कमेटी की बैठक में भाग लेते हुए संस्था के चेयरमैन दुर्गा प्रसाद बंसल, पंकज संघी, नंदकिशोर, अरविंद गोयल, अजय अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, रवि अग्रवाल, अनिल अग्रवाल व अन्य।

रंगनाथ स्वामी मंदिर, जियागुड़ा में वैकुंठ एकादशी पर दर्शन-वंदन करते हुए श्रद्धालु।

गोधा रंगनाथ जन्मोत्सव मनाया गया

भैंसा, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। धनुर्मास के उपलक्ष रविवार को शहर के राधा कृष्ण मंदिर मारवाड़ी समाज द्वारा गोधा रंगनाथ जन्मोत्सव भक्ति भाव से मनाया गया। महिला मंडल ने मंगल गीत, गोधा रंगनाथ कथा, चालीसा का पाट किया सात ही गोधा रंगनाथ कथा पर क्वीज प्रतियोगिता रखी गई सभी को पूर्ण विस्तार से जवाब बताए गए। कार्यक्रम में समाज की सभी महिलाओ ने भाग लिया।

एसबीआई कॉरपोरेट सेंटर की वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, खेल नियंत्रण बोर्ड, एसबीआई कॉरपोरेट सेंटर, मुंबई के तत्वावधान में देश भर में फैले बैंक के 16 सर्किलों में अपने कर्मचारियों के लिए वार्षिक खेल प्रतियोगिता आयोजित करता है। इंटर सर्कल खेल आयोजन क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कबड्डी जैसे विभिन्न विषयों में आयोजित किया जाता है। इनमें से प्रत्येक खेल देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों की भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, टूर्नामेंट प्रतिस्पर्धात्मकता और मनोरंजन के लिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाते हैं जो वे मैचों में लाते हैं। एसबीआई इंटर-सर्किल क्रिकेट टूर्नामेंट 2023-24 की मेजबानी एसबीआई हैदराबाद सर्कल द्वारा की जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन राजेश कुमार, सीजीएम, एसबीआई, हैदराबाद सर्कल, महाप्रबंधकों देबाशीष मित्रा, के. स्वामीनाथन, पीयूष कुमार, डीजीएम एवं सीडीओ जीतेन्द्र कुमार शर्मा और एसबीआई हैदराबाद क्रिकेट टीम के कप्तान आकाश भंडारी के साथ दीप प्रज्वलित करके किया गया। उद्घाटन समारोह रेलवे मनोरंजन एथलेटिक्स ग्राउंड, सिकंदराबाद में था।

कार्यक्रम की शुरुआत रमादेवी डांस अकादमी, हैदराबाद द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक भरत नाट्यम नृत्य से हुई। कार्यक्रम के बाद एसबीआई के सोलह सर्किलों से टीम के सभी सदस्यों और उनके कप्तानों, कोच और प्रबंधकों का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने मार्च-पास्ट किया और सभी ने सीआरपीएफ टीम के मंत्रमुग्ध कर देने वाले बैंड के साथ परेड की। इस अवसर के लिए टीमें कतारबद्ध थीं और शानदार दृश्य पूरे देश से भाग लेने वाले खिलाड़ियों के साथ मिनी इंडिया का प्रतिनिधित्व कर रहा था। टूर्नामेंट में 24 लीग मैच होंगे और उसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होंगे। लीग मैच एओसी, ईसीआईएल, आरआरसी और एनएफसी में खेले जाएंगे। सेमीफाइनल 26 दिसंबर 2023 को विजय आनंद स्टेडियम में और फाइनल 27 दिसंबर को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में खेला जाएगा। फाइनल के बाद समापन समारोह होगा।

सरकार ने 10 पूर्ववर्ती जिलों के लिए प्रभारी मंत्रियों को नामित किया

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने रविवार को मंत्रिपरिषद के दस सदस्यों को जिला प्रभारी मंत्री के रूप में नामित किया। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने इस आशय का आदेश जारी किया है. जिला प्रभारी मंत्री संबंधित जिलों में "प्रजा पालन गतिविधियों" के कार्यान्वयन की समीक्षा और निगरानी करेंगे। नामांकित मंत्रियों में एन उत्तम कुमार रेड्डी (करीमनगर), दामोदर राजनरसिम्हा (महबूबनगर), कोमाट्रेड्डी वेंकट रेड्डी (खम्मम), डुडिला श्रीधर बाबू (रंगा रेड्डी), पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी (वारंगल), पोन्नम प्रभाकर (हैदराबाद), कोंडा सुरेखा (मेडक), डी अनसूया सीथक्का (आदिलाबाद), तुम्मला नागेश्वर राव (नलगोंडा) और जुपल्ली कृष्णा राव (निजामाबाद)शामिल हैं।

बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समता साहित्य समिति, हैदराबाद द्वारा उस्मानिया विश्वविद्यालय के ऑर्ट्स कॉलेज के सेमिनार हॉल में 'बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस समारोह' का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व प्रसिद्ध अंबेडकरवादी लेखक, दलित अधिकार कार्यकर्ता और मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त निदेशक प्रो. कांचा ऐलैया मुख्य अतिथि तथा हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद के मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. वी. कृष्णा वक्ता के रूप में उपस्थित थे। समता साहित्य समिति के अध्यक्ष प्रो. धर्मपाल बौद्ध ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की तथा समिति की उपाध्यक्ष कांता बौद्ध ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत के संविधान की उद्देशिका के वाचन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. कांचा ऐलैया ने अपने संबोधन में कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भारत का संविधान लिखा, बुद्धिज़्म की अपनाया तथा जाति को खत्म करने के लिए मानवता पर बल दिया। प्रो. कांचा ऐलैया ने कहा कि वेद, रामायण, महाभारत आदि में उत्पादन के बारे में हल चलाना, जानवर पालना आदि के बारे में कुछ भी नहीं लिखा है। उन्होंने कहा कि हिंदी साहित्य संस्कृत के आधार पर पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि संस्कृत कभी भी मातृभाषा नहीं रही। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एक भी किताब संस्कृत में उत्पादन के बारे में लिखी गई है ? उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों को अंग्रेजी पढ़ना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि मनुवादियों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं और बहुजन समाज के बच्चों को मातृभाषा में पढ़ाने के लिए कहा जाता है ।

न्यू बोइनपल्ली एडुगुल्ला मंदिर में टीएन. मुरारी के निर्देशन में अय्यप्पा भक्तों के लिए चावल प्रसाद की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष जंपना प्रताप, डीसीपी सत्यनारायण व अयप्पा स्वामियों ने भाग लिया।

बिहार समाज सेवा संघ ने पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात की। इस अवसर पर तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष दीपक सिंह, महासचिव मनीष गुप्ता, संयुक्त सचिव संजय सिंह, पान बाजार अध्यक्ष संतोष यादव, विश्वास, हसमतपेट अध्यक्ष सुनील कामत, मुकेश कामत व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कांग्रेस ने 'जन-केंद्रित'...

खड़गे ने इसे कम महत्व देते हुए सभी सहयोगियों से पहले अधिक सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित करने और फिर चुनाव परिणामों के बाद चेहरा तय करने के लिए कहा।

भले ही भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक पार्टियों के लिए सीट बंटवारे के फार्मूले को तय करने के लिए बातचीत चल रही है, कांग्रेस 2024 के चुनावों में अपनी स्थिति में सुधार करने के लिए बड़े पैमाने पर तैयारी कर रही है, क्योंकि पार्टी आम 2014 और 2019 में बुरी तरह चुनाव हार गई थी।

हाल ही में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में हारने वाली कांग्रेस को उम्मीद है कि इन नतीजों का 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि उसने अपना वोट शेयर बरकरार रखा है। इस बीच, कांग्रेस अगले साल की महत्वपूर्ण लड़ाई से पहले संगठन को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी चुनाव तैयारियों पर चर्चा के लिए दो महीनों में 24 राज्यों के नेताओं के साथ बैठक कर चुके हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए पार्टी की विचारधारा को जमीनी स्तर तक ले जाने पर जोर दिया है। 21 दिसंबर को हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के दौरान पार्टी ने पार्टी की तैयारियों पर चर्चा करने और उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया।

कांग्रेस ने पार्टी के रणनीतिकार सुनील कनुगोलू को भी शामिल किया है, जो पिछले साल मई में पार्टी में शामिल हुए थे और अपने आक्रामक अभियान और जन केंद्रित गारंटी के साथ मतदाताओं तक पहुंचने की रणनीति के साथ कर्नाटक और तेलंगाना में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए काम किया था।

पार्टी का आक्रामक रुख उसकी रणनीति में दिखाई दे रहा है, क्योंकि कांग्रेस ने 16 सदस्यीय घोषणापत्र समिति की घोषणा की है, जिसके अध्यक्ष पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम होंगे। पार्टी ने 19 दिसंबर को सभी राज्यों में क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ सीट साझा करने की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए मुकुल वासनिक के अध्यक्ष के साथ पांच सदस्यीय राष्ट्रीय गठबंधन समिति की भी घोषणा की।

पार्टी नेताओं का मानना है कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई और जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर जमीनी स्तर पर सरकार के खिलाफ मजबूत सत्ता विरोधी लहर है। पार्टी के एक नेता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वह जन-केंद्रित मुद्दों को उठाने की योजना बना रही है, क्योंकि महंगाई ने पहले ही देश में गरीबों और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है और यह चुनाव में उसके पक्ष में काम करेगा।

उन्होंने कहा कि 40 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंची बेरोजगारी के मुद्दे के अलावा गरीबों, वंचितों, दलितों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार भी पार्टी के पक्ष में काम करेंगे। पैरी नेता ने कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार की विफलताओं को उजागर करके गरीबों और मध्यम वर्ग के वोटों को आकर्षित करने के लिए लोगों के सामने इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी।

नेता ने कहा कि पार्टी को

लक्ष्मीगुड़ा स्थित जांगीड़ सुथार ब्राह्मण समाज में मारवाड़ की धनिया धारा गूलर धाम से पधारे संत श्रीश्री 1008 श्री बजरंग पुरी जी स्वागत करते हुए तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष सियाराम जांगिड़, विश्व मंगल गौशाला से शांतिलाल सुथार, धर्माराम, ओम प्रकाश ताऊसर, परमेश्वर, देवकरण, ताराचंद, ओमजी जालसु, नंदकिशोर ढाका, किशन ढाका व अन्य।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

खेल मंत्रालय ने कुश्ती संघ को निलंबित किया

बृजभूषण के करीबी नए अध्यक्ष संजय सिंह के फैसले भी रद्द

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय खेल मंत्रालय ने रविवार (24 दिसंबर) को बड़ा फैसला लिया। उसने नवनियुक्त भारतीय कुश्ती संघ को निलंबित कर दिया है। इस साल पहलवानों के विरोध के बाद भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के अध्यक्ष के पद से हटा दिया था। उसके बाद चुनाव हुआ और बृजभूषण शरण के ही करीबी संजय सिंह चुनाव जीत गए। संजय सिंह के अध्यक्ष बनने के बाद दिग्गज पहलवान साक्षी मलिक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कुश्ती छोड़ने का एलान कर दिया था। उनके बाद बजरंग पूनिया ने पद्मश्री लौटा दिया था। उनके अलावा हरियाणा के पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह ने पद्म श्री लौटाने का एलान कर दिया था।

सरकार ने नियमों की अवहेलना के कारण कुश्ती संघ को निलंबित किया। नवनिर्वाचित निकाय ने पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त नोटिस दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन की जल्दबाजी में घोषणा की थी। खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, ₹नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया है। हमने फेडरेशन को समाप्त नहीं किया है, बल्कि अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। उन्हें बस उचित प्रक्रिया और नियमों का पालन करने की जरूरत है।

सूत्र ने निलंबन के कारणों के बारे में आगे बताया। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएफआई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने को जिस दिन अध्यक्ष चुना गया था उसी दिन उन्होंने घोषणा की थी कि कुश्ती के लिए अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय मुकाबले नंदिनी नगर, गोंडा (यूपी) में होंगे। यह घोषणा जल्दबाजी में की गई है। डब्ल्यूएफआई के संविधान की प्रस्तावना के खंड 3 (ई) के अनुसार, डब्ल्यूएफआई का उद्देश्य अन्य बातों के अलावा कार्यकारी समिति द्वारा चयनित स्थानों पर यूडब्ल्यूडब्ल्यू नियमों के अनुसार सीनियर, जूनियर और सब जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने की व्यवस्था करना है।

बजरंग ने कहा- यह सही निर्णय

कुश्ती संघ को निलंबित किए जाने के बाद आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले अनुभवी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा, "यह सही निर्णय लिया गया है। जो हमारी बहन-बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है उसके खिलाफ संबंधित लोगों को पूरी तरह से हटाया जाना चाहिए। हमारे ऊपर कई इल्जाम लगाए गए। राजनीति की गई। जब हम पदक जीतते हैं तो देश के होते हैं। हम खिलाड़ी कभी भी जात-पात नहीं देखते। एक साथ एक थाली में खाते हैं। हम अपने तिरंगे के लिए खून-पसीना बहाते हैं। सैनिकों और खिलाड़ियों से ज्यादा मेहनत कोई नहीं करता। हमें देशद्रोही कहा गया। हम ऐसे नहीं हैं। हमें पुरस्कार जीतने पर मिला। हम उसे वापस ले सकते हैं। हम सम्मान वापस ग्रहण कर सकते हैं।"

संजय सिंह को मिले थे 40 मत

कुश्ती संघ के चुनाव में दांव पर लगे 15 पदों में से 13 पर बृजभूषण समर्थित उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष वाराणसी के संजय सिंह को 40 वोट मिले, जबकि उनके सामने खड़ीं राष्ट्रमंडल खेलों की विजेता पहलवान अनीता श्योराण को सात मत पड़े थे। अनीता को आंदोलनकारी बजरंग, विनेश और साक्षी का समर्थन प्राप्त था। हालांकि आंदोलनकारी पहलवानों के खेमे के माने जा रहे रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के सचिव प्रेमचंद लोचब और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर हरियाणा के व्यवसायी देवेंद्र सिंह कादियान ने जीत हासिल की थी। प्रेमचंद ने दर्शन लाल को 27-19 से और देवेंद्र ने आईडी नानावती को 32-15 मतों से हराया था।

रोहित शर्मा की होगी भारत के टी20 स्क्वॉड में वापसी!

टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले हो सकता है बड़ा बदलाव

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। रोहित शर्मा ने टी20 वर्ल्ड कप 2022 से ना ही कोई टी20 इंटरनेशनल मुकाबला खेला है। ना ही उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कप्तानी की है। लेकिन हाल ही में वनडे वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद जब नजरें टी20 वर्ल्ड कप 2024 पर थीं तो ऐसी कई रिपोर्ट्स सामने आई हैं कि रोहित शर्मा ही बीसीसीआई के लिए टी20 वर्ल्ड कप में भी कप्तानी करने की पहली च्वॉइस हैं। हालांकि, बीसीसीआई की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है लेकिन बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं। जब रोहित से मुंबई इंडियंस की कप्तानी छिनी उसके बाद भी ऐसी अटकलें लगने लगी थीं कि क्या अब टी20 इंटरनेशनल में भी रोहित लौटेंगे या नहीं, लेकिन उस वक्त भी यही बताया जा रहा था कि रोहित शर्मा ही टी20 वर्ल्ड कप में कप्तानी करने की पहली च्वॉइस हैं।

अब जब टीम इंडिया के लिए टी20 इंटरनेशनल में कप्तानी करने वाले हार्दिक पांड्या और उपकप्तान सूर्यकुमार यादव दोनों चोटिल हो गए हैं, तो रोहित शर्मा ही सभी को याद आने लगे हैं। टीम इंडिया को 11 जनवरी से अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज खेलनी है। जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले यह भारतीय टीम की आखिरी टी20 सीरीज है। ऐसे में अब सवाल है कि क्या फिर से रोहित की बतौर टी20 कप्तान वापसी हो पाएगी। क्योंकि अगर टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें बतौर कप्तान बीसीसीआई देख रही है तो इस सीरीज में हर हाल में उन्हें कप्तानी सौंपनी चाहिए।

वहीं कहीं-कहीं ऐसी खबरें भी थीं कि शायद केएल राहुल को अफगानिस्तान सीरीज में कप्तान बनाया जा सकता है। लेकिन अगर बोर्ड वर्ल्ड कप के लिए रोहित शर्मा को अपनी पहली च्वॉइस मान रहा है तो शायद यह निर्णय अगर लिया गया तो समझ से परे हो सकता है। भारत और अफगानिस्तान के बीच 11, 14 और 17 जनवरी को टी20 सीरीज के तीन मुकाबले खेले जाएंगे। रोहित को तो चलो बतौर कप्तान बुलाया जा सकता है, वहीं विराट कोहली को लेकर बोर्ड का आगामी वर्ल्ड कप के लिए क्या निर्णय होता है यह भी देखना काफी दिलचस्प होगा। सिर्फ रोहित और विराट ही नहीं राहुल भी टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से कोई भी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेलें हैं।

हार्दिक पांड्या टी20 वर्ल्ड कप 2022 के बाद से लगातार टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे थे। हार्दिक के अलावा एक सीरीज में जसप्रीत बुमराह और दो सीरीज में सूर्यकुमार यादव ने टीम इंडिया की कमान संभाली है।

भारतीय महिला टीम ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया को टेस्ट में हराया

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम का टेस्ट में शानदार प्रदर्शन जारी है। उसने इंग्लैंड के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी जीत हासिल कर ली है। टीम इंडिया ने इकलौते टेस्ट मैच में कंगारू टीम को आठ विकेट से हराया। भारत ने पहली पारी में 406 और ऑस्ट्रेलिया ने 219 रन बनाए थे। टीम इंडिया को पहली पारी में 187 रन की बढ़त मिली थी। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम ने दूसरी पारी में 261 रन बनाए। भारत को 75 रन का लक्ष्य मिला। उसने दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

भारत के लिए दूसरी पारी में स्मृति मंधाना सबसे ज्यादा नाबाद 38 रन बनाए। ऋचा घोषणा ने 13 रन बनाए। जेमिमा रोड्रिग्स 12 रन बनाकर नाबाद रहीं। शेफाली वर्मा चार रन ही बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया के लिए किम गर्थ और एश्ले गार्डनर ने एक-एक विकेट लिए। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों में पहली जीत मिली है। 1977 से अब तक दोनों टीमों के बीच 11 टेस्ट हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने चार जीते हैं। छह टेस्ट ड्रॉ पर छूटे हैं और अब भारत को एक जीत मिली। भारत की अनुभवी खिलाड़ी स्नेह राणा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। स्नेह ने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट लिए। उन्होंने बल्लेबाजी में पहली पारी में नौ रन बनाए। इस दौरान 57 गेंदों का सामना किया और स्मृति मंधाना का बखूबी साथ दिया। उन्होंने स्मृति के साथ पहली पारी में दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की थी।

ऐसी रही ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी

ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में ताहिला मैक्ग्रा 73, एलिस पैरी 45 और बेथ मूनी 33 रन बनाकर आउट हुईं। एलिसा हीली ने 32 और फोबी लिचफील्ड ने 18 रन बनाए। कंगारू टीम को खेल के चौथे दिन पहला झटका एश्ले गार्डनर के रूप में लगा। वह 27 गेंद पर सात रन बनाकर आउट हुईं। पूजा वस्त्राकर की गेंद पर वह एलबीडब्ल्यू हो गईं। उनके बाद एनाबेल सदरलैंड 27 रन बनाकर स्नेह राणा का शिकार बनीं। स्नेह ने फिर एलाना किंग (शून्य) को क्लीन बोल्ड कर दिया। राजेश्वरी गायकवाड़ ने लॉरेन चीटल (चार रन) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। गायकवाड़ ने एश्ले गार्डनर (नौ रन) को आउट कर ऑस्ट्रेलिय की पारी को समेट दिया। भारत के लिए दूसरी पारी में स्नेह राणा ने चार विकेट लिए। राजेश्वरी गायकवाड़ और हरमनप्रीत कौर को दो-दो सफलता मिली। पूजा वस्त्राकर ने एक विकेट लिया।

पहली पारी में दोनों टीमों का प्रदर्शन

इससे पहले भारत ने पहली पारी में 406 और ऑस्ट्रेलिया ने 219 रन बनाए थे। टीम इंडिया को पहली पारी में 187 रन की बढ़त मिली थी। भारत के लिए पहली पारी में दीप्ति शर्मा ने 78, स्मृति मंधाना ने 74, जेमिमा रोड्रिग्स ने 73 और ऋचा घोष ने 52 रन बनाए थे। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में ताहिला मैक्ग्रा ने 50 और बेथ मूनी ने 40 रन बनाए थे। भारत के लिए पूजा वस्त्राकर ने चार और स्नेह राणा ने तीन विकेट लिए थे।

चिराग सेन और तन्वी राष्ट्रीय बैडमिंटन एकल के फाइनल में

किरण जॉर्ज सेमीफाइनल में हारकर बाहर

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। चिराग सेन ने दूसरी वरीयता के किरण जॉर्ज को सेमीफाइनल में हराकर 85वीं राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। चिराग ने किरण को 21-18, 21-18 से पराजित किया। अब उनकी टक्कर चौथी वरीयता के थारून से होगी, जिन्होंने भारत राघव को 21-11, 16-21, 21-19 से हराया। चिराग राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन के बड़े भाई हैं।

महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा ने इशा रानी बरुआ को 21-15, 20-22, 21-14 से और हरियाणा की अनमोल खरब ने दूसरी वरीयता की अश्मिता चालिहा को 21-17, 21-19 से हराया। ओडिशा मास्टर्स विजेता ध्रुव कपिला और तनीषा क्रेस्टो की जोड़ी मिश्रित युगल के फाइनल में पहुंच गई। उन्होंने दीप रामभिया और अक्षय वारंग को 21-11, 21-13 को शिकस्त दी। उनकी खिताबी टक्कर नितिन कुमार और नवधा मंगलम से होगी।

भारतीय टीम में किन धुरंधरों को मिलेगा मौका?

सेंचुरियन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच होने वाली 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। टी20 और वनडे सीरीज खत्म होने के बाद अब फैंस की नजर टेस्ट सीरीज पर टिकी हुई है। इस सीरीज का पहला मुकाबला 26 से 30 दिसंबर के बीच सेंचुरियन में खेला जाएगा। फैंस इस सीरीज को लेकर इसलिए भी उत्साहित हैं, क्योंकि इस सीरीज में भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा खेलते दिखेंगे। विश्व कप के बाद यह पहला मौका होगा, जब दोनों दिग्गज खेलते दिखेंगे। चलिए आपको बताते हैं पहले टेस्ट में किन धुरंधरों को टीम में शामिल किया जा सकता है।

मैच से पहले कई खिलाड़ी बाहर

भारत फिलहाल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर हैं। भारत दूसरे स्थान पर थे, लेकिन पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार से पाकिस्तान को प्वाइंट्स टेबल में नुकसान हुआ और वह पहले पायदान से खिसककर दूसरे स्थान पर चला गया, जबकि भारत दूसरे पायदान से पहले स्थान पर जंप कर गया है। पहले टेस्ट मैच से पहले भारत को कई झटके लग चुके हैं। पहले तो रुतुराज गायकवाड़ चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। इसके बाद ईशान किशन ने भी सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया। ईशान ने कहा कि वह लंबे समय से टीम के साथ मैच खेल रहे हैं, इस कारण से उन्हें थोड़ी आराम की जरूरत है। इसके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं।

दोनों के बीच हो चुके हैं 42 टेस्ट

विराट कोहली भी मैच से पहले साउथ अफ्रीका दौरे से वापस आ गए। बताया जा रहा था कि कोहली फैमिली इमरजेंसी के कारण वापस आए हैं, लेकिन बीसीसीआई सूत्र ने दावा किया कि कोहली फैमिली इमरजेंसी के कारण नहीं, बल्कि लंदन ट्रिप पर गए हैं। कोहली ने पहले ही बीसीसीआई को इस बात की जानकारी दे दी थी। नीचे पढ़ें पहले मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग इलेवन क्या हो सकती है। रोहित शर्मा किन धुरंधरों को मौका दे सकते हैं। बता दें कि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अभी तक कुल 42 टेस्ट मैच खेले गए हैं। इनमें से 17 मुकाबले में साउथ अफ्रीका को जीत मिली है, जबकि 15 मुकाबले में भारत को जीत मिली है।

भारतीय टीम की संभावित प्लेइंग इलेवन

रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा/आर. अश्विन, केएल राहुल (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा

पहले टेस्ट पर बारिश का खतरा

सेंचुरियन में कैसा रहेगा मौसम

सेंचुरियन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। सेंचुरियन के सुपरस्पोर्ट पार्क में पहला टेस्ट का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ सकता है। टेस्ट मैच के पहले दिन सेंचुरियन में आंधी के साथ बारिश की 96 फीसदी संभावना है। इसके अलावा दूसरे दिन मौसम साफ रहेगा और दूसरे दिन बारिश की 25 फीसदी संभावना है।

साउथ अफ्रीका के साथ अब टीम इंडिया दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टेस्ट सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होने जा रही है। टेस्ट सीरीज में रोहित शर्मा टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए दिखाई देंगे। कप्तान के तौर पर भी रोहित शर्मा के लिए ये सीरीज काफी अहम है। आज तक साउथ अफ्रीका की धरती पर टीम इंडिया कोी टेस्चट सीरीज नहीं जीत पाई है।

टीम के कप्तान तो बदलें लेकिन साउथ अफ्रीका में कोई भी कप्तान भारत को टेस्ट सीरीज में जीत नहीं दिला सका। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका में महज 4 टेस्ट मैच ही जीते हैं। अब रोहित शर्मा अपनी कप्तानी में टीम इंडिया को पहली बार साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज जिताना चाहेंगे।टेस्ट सीरीज से पहले टीम इंडिया साउथ अफ्रीका के साथ टी20 और वनडे सीरीज खेल चुकी है। टी20 में टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में थी और ये सीरीज 1-1 की बराबरी पर खत्म हुई थी। इसके बाद वनडे सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी केएल राहुल ने की थी। केएल राहुल की कप्तानी में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को वनडे सीरीज में 2-1 से हराया। अब टीम इंडिया रोहित शर्मा की कप्तानी में टेस्ट सीरीज को जीतने के लिए तैयार है।

राष्ट्रीय मुक्के बाजी चैंपियनशिप

स्वीटी और पूजा प्री क्वार्टर में, मनीषा और स्नेह भी अंतिम-16 दौर में पहुंचीं

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अनुभवी मुक्केबाज स्वीटी बूरा और पूजा रानी ने महिलाओं की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चैंपियन स्वीटी (81 किग्रा) ने जहां रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) की अल्फिया पर 4-1 से संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की वहीं एशियाई चैंपियनशिप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता पूजा ने 75 किग्रा

भारवर्ग में नागालैंड की रेनू को आसानी से 5-0 से हराया।

स्वीटी और पूजा के अलावा हरियाणा की जिन अन्य मुक्केबाजों ने अंतिम 16 में जगह बनाई उनमें 2022 में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली मनीषा मौन (60 किग्रा) और स्नेह (70 किग्रा) शामिल हैं। आरएसपीबी की नूपुर ने 81 किग्रा से अधिक भार वर्ग में दिल्ली की हिमांशी अंतिल के खिलाफ आक्रामक करवाया अपनाया। रेफरी ने पहले राउंड में ही मुकाबला रोककर नूपुर को विजेता घोषित किया।

पाकिस्तान ने किया नोमान अली के रिप्लेसमेंट का ऐलान, धाकड़ गेंदबाज की टीम में एंट्री

मेलबर्न, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा मुकाबला 26 दिसंबर से मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दृष्टिकोण से यह सीरीज काफी अहम है। लेकिन इस सीरीज में भाग्य पाकिस्तान के साथ नहीं दिख रहा है। पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी एक के बाद एक चोटिल होकर सीरीज से बाहर होते जा रहे हैं। पहले तेज गेंदबाज खुर्रम शहजाद सीरीज से बाहर हो गए और फिर स्पिन गेंदबाज नोमान अली को चोटिल होकर सीरीज से बाहर होना पड़ा था। अब पाकिस्तान ने नोमान अली का रिप्लेसमेंट ढूंढ लिया है, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भाग लेने वाला है। पाकिस्तान ने नोमान अली की जगह धाकड़ गेंदबाज को टीम में शामिल किया है।

किस खिलाड़ी ने बनाई जगह

पाकिस्तान ने नोमान अली की जगह बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को टीम में शामिल किया है। वह काफी कमाल के गेंदबाज हैं। उन्होंने कई दफा अपने प्रदर्शन से टीम को प्रभावित किया है। ऐसे में पाकिस्तान को उम्मीद होगी कि वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी धूम मचाएंगे। पाकिस्तान को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अगर पाकिस्तान को इस सीरीज पर कब्जा करना है, तो अगला दोनों मुकाबला अपने नाम करना होगा। इस सीरीज से पहले पाकिस्तान की टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन पर थी, लेकिन पहला मैच हारने के बाद पाकिस्तान नंबर दो पर खिसक गया है, जबकि भारतीय टीम नंबर वन पर आ गई है।

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को पहले मुकाबले में करारी शिकस्त दी थी। पाकिस्तान को पहले मैच में 360 रनों से करारी हार मिली थी। इसी कारण से पाकिस्तान को प्वाइंट्स टेबल में बहुत नुकसान हुआ। अब पाकिस्तान का अगला मुकाबला 26 दिसंबर से 30 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

छह गारंटियों के कार्यान्वयन के लिए प्रजा पालन का आयोजन करेगी सरकार : रेवंत

सीएम ने की जिला कलेक्टरों और एसपी के साथ बैठक

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने रविवार को यहां सचिवालय में जिला कलेक्टरों और एसपी के साथ बैठक की। बैठक में कैबिनेट मंत्री और सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान सीएम ने कहा कि राज्य सरकार छह गारंटियों के कार्यान्वयन के लिए लोगों से आवेदन प्राप्त करने के लिए 28 दिसंबर से 6 जनवरी, 2024 तक सभी गांव और नगरपालिका वार्डों में प्रजा पालन कार्यक्रम आयोजित करेगी। बैठकें सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और फिर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होंगी। बैठक के दिन से पहले लोगों को आवेदन दिए जाते हैं और उसी दिन एकत्र किए जाएंगे। अधिकारियों की एक टीम हर दिन दो गांवों का दौरा करेगी। आवेदनों की जांच के बाद पात्रता के आधार पर लाभार्थियों का चयन किया जाता है। प्रजा पालन कार्यक्रम के दौरान, सभी वर्गों के लोगों से आवेदन प्राप्त किए जाएंगे और पीने के पानी और अन्य चिकित्सा आपात स्थितियों जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस बात का आदेश दिया कि ग्राम सभा में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की मुश्किलों का सामना करना ना पडे इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा। मुख्यमंत्री ने इन सभाओं के आयोजन के लिए आवश्यक राशि का आवंटन किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार पहले ही दो गारंटियों को लागू कर चुकी है। इससे पहले 33 प्रतिशत महिलाएं आरटीसी बस में सफर तय करती थी। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए आरटीसी बस में मुफ्त सफर तय करने की सुविधा उपलब्ध कराने के बाद आज 58 प्रतिशत महिलाएं बस में सफर तय कर रही है। उन्होंने कहा कि धरणी पोर्टल के जरिये जिन लोगों के जमीन को पूर्व सरकार ने अपने अधीन कर लिया था उसे जल्द ही संबंधित लोगों को वापस कर दिया जाएगा। उन्होंने इस बात की भी चेतावनी दी कि नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया को बैठक के विवरण का खुलासा करते हुए, सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार लोगों की सरकार है और यह लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार काम करेगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन के बेहतर क्रियान्वयन के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से सुझाव भी लिये और उनसे बैठक के दौरान अपने विचार एवं सुझाव व्यक्त करने को कहा। बैठक में नशीली दवाओं के खतरे के बारे में भी चर्चा की गई और अधिकारियों को नशीली दवाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। पिछली सरकार पर धरणी पोर्टल की मदद से सरकारी जमीनों पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने धरणी पोर्टल को संशोधित करने का फैसला किया है और इसे बिना किसी शिकायत के लोगों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में कोई प्रतिशोध नहीं होगा। हालांकि, अगर कोई अनियमितता करता है, तो सरकार उन्हें नहीं बख्शेगी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

सीएम रेवंत ने अधिकारियों को दिया सुझाव

अगर किसी को सरकार के साथ काम करने में कठिनाई महसूस होती है तो ड्यूटी छोड़ दें

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सुझाव दिया है कि अगर किसी को राज्य सरकार के साथ काम करने में कठिनाई महसूस होती है तो वे कर्तव्यों से हट जाएं। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी रविवार को यहां सचिवालय में आयोजित कलेक्टरों और एसपी की बैठक के दौरान की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार बहुत खुले विचारों वाली है और वह अधिकारियों द्वारा दिए जाने वाले सुझावों पर गौर करती है। वहीं, हर अधिकारी को सरकार के निर्देशानुसार काम करना होगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर किसी को कोई समस्या है, तो वे तुरंत ड्यूटी से जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह काम के मामले में सख्त रहेंगे और पुलिस को अवैध लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की पूरी आजादी है।

मुख्यमंत्री ने आदेश दिया कि जमीन हड़पने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जमीन हड़पने का शब्द तेलंगाना राज्य में नहीं सुना जाना चाहिए। पुलिस को बुक माई शो और सनबर्न के प्रबंधन पर नजर रखनी चाहिए और वास्तविक तथ्यों का पता लगाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को नकली बीज और गांजा की आपूर्ति में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

कांग्रेस सरकार अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करेगी : उत्तम

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने राज्य में सभी अल्पसंख्यक समुदायों के कल्याण और भलाई के लिए तेलंगाना में नई कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। वह रविवार को यहां दक्षिण भारत में कैथोलिक ईसाई समुदाय के प्रमुख कार्डिनल पूला एंथोनी से मुलाकात के बाद उन्हें और पूरे ईसाई समुदाय को क्रिसमस की पूर्व संध्या पर बधाई देने के बाद मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे।

उत्तम कुमार रेड्डी ने सभी समुदायों, विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के लिए समान अवसर प्रदान करने के लिए अपना समर्पण व्यक्त करते हुए, कांग्रेस पार्टी की वास्तविक धर्मनिरपेक्ष प्रकृति पर जोर दिया। उन्होंने सभी समुदायों के साथ उचित व्यवहार करने के कांग्रेस पार्टी के ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर प्रकाश डाला और यह सुनिश्चित किया कि ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों को उनके अधिकारों, संपत्तियों और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

चुनावों के दौरान अल्पसंख्यकों, विशेषकर ईसाई समुदाय से किए गए विशिष्ट वादों को पूरा करने का दावा करते हुए, उत्तम कुमार रेड्डी ने कथित तौर पर अल्पसंख्यकों के बीच असुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। उन्होंने पादरियों पर हमले जैसी घटनाओं का हवाला दिया और भाजपा पर त्वरित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। इसके विपरीत, उन्होंने आश्वासन दिया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार सभी समुदायों की पूर्ण सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करते हुए नफरत और धार्मिक भेदभाव की घटनाओं के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाएगी। क्रिसमस और आने वाले नए साल की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए, मंत्री ने पूरे तेलंगाना में ईसाई समुदाय को अपनी शुभकामनाएँ दीं।

नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी करने वाला गिरफ्तार

धोखाधड़ी करने वाला यूपी के नोएडा से पकड़ा गया

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम धोखाधड़ी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी विजयकांत (34) को नोएडा, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया। वह फर्जी काल सेंटर भी चलाता था। नामपल्ली, हैदराबाद के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी व्यक्ति ने उसे यह कहते हुए बुलाया कि वे भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण में नौकरी दिलवा रहे हैं। पंजीकरण शुल्क, खाता खोलने की फीस, वर्दी शुल्क, प्रस्ताव पत्र शुल्क के नाम पर पीड़ित को धोखा दिया और उससे 2 लाख 20 रुपए वसूले। साइबर अपराध पुलिस, हैदराबाद ने मामला दर्ज किया और जांच की। संयुक्त पुलिस आयुक्त, अपराध और एसआईटी, हैदराबाद सिटी ए.वी.रंगनाथ ने बताया कि अभियुक्त साइबर जालसाज आधिकारिक नौकरी साइटों से लोगों का फोन नंबर लेता था और उन्हें फोन पर संदेश भेजने और उन्हें कॉल करने के लिए टेलीकॉलर्स को देता था, जब पीड़ित जवाब देता था तो आरोपी पीड़ित से संपर्क करता था और फर्जी साक्षात्कार लेता था और विश्वास हासिल करने के लिए उन्हें फर्जी ऑफर लेटर भेजता था। वे राशि हस्तांतरित करते हैं। रकम ट्रांसफर करने के बाद आरोपी पीड़ित के कॉल का जवाब नहीं देता था। आरोपी के पास से 6 लैपटॉप, 23 मोबाइल फोन, 8 चेक बुक, 6 बैंक कार्ड, 80 सिम कार्ड बरामद हुआ है।

शराबी ने की आत्महत्या

निर्मल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल जिले मुधोल तालुका में एक शराबी युवक की आत्महत्या की घटना घटी। पुलिस विवरण के अनुसार, कुंटला मंडल अंबाकणटी के रामुलु रमन्ना, एक पेट्रोल स्टेशन में काम कर जीवन यापन करता वह कुछ समय से शराब का आदी था और अपना कर्ज नहीं चुका सका और फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों की शिकायत के मुताबिक मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दी क्रिसमस की शुभकामनाएं

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन व मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ने क्रिसमस त्योहार के शुभ अवसर पर सभी ईसाई समुदाय और राज्य के लोगों को शुभकामनाएं दी हैं। रविवार को यहां राजभवन द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में, राज्यपाल ने कहा कि क्रिसमस यीशु के जन्म का जश्न मनाने और उनके आदर्शों को संजोने का एक खुशी का अवसर है। राज्यपाल ने कहा कि यीशु का जीवन प्रेम, क्षमा, सत्य, करुणा, भाईचारे और बलिदान का प्रतीक है। मैं कामना करता हूं कि यह क्रिसमस सभी के लिए असीम खुशी, प्रेम, शांति और समृद्धि लाए। उन्होंने कहा कि क्रिसमस की सच्ची भावना में, आइए हम इस दुनिया को और अधिक समृद्ध, स्वस्थ, शांतिपूर्ण और दयालु बनाने का संकल्प लें।

उधर, सीएम रेवंत ने कहा कि प्रभु यीशु की शिक्षाओं-शांति, प्रेम, भाईचारा और सहिष्णुता का हमेशा पालन किया जाना चाहिए। यह कहते हुए कि तेलंगाना में धार्मिक सद्भाव, पारदर्शी प्रशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखते हुए धर्मनिरपेक्ष सरकार का गठन किया गया है, मुख्यमंत्री ने कामना की कि ईसाई समुदाय खुशी और खुशी के साथ त्योहार मनाए। उन्होंने ईसाई समुदाय से ईसा मसीह के बताये रास्ते पर चलने और समाज के विकास में हिस्सा लेने को कहा।

यादाद्री में उमड़ी भक्तों की भीड़

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार छुट्टियों के आगमन के साथ भक्त यादाद्री में उमड़ पड़े। लगातार छुट्टियाँ आने और आरटीसी बस की निःशुल्क सुविधा के कारण, राज्य भर से श्रद्धालु आते थे और स्वामी के दर्शन करने में घंटों लग जाते थे। 150 रुपये के विशेष प्रवेश दर्शन में तीन घंटे और निःशुल्क दर्शन में चार घंटे लगे। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए कोई परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रशासन ने सभी इंतजाम किए हैं। सिर्फ यादाद्री ही नहीं, राज्य के कई मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी रहती है। वारंगल भद्रकाली मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लगी हुई है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु अम्मा के दर्शन के लिए आ रहे हैं. सिद्दीपेट जिले के कोमुरावेली में मल्लिकार्जुन स्वामी के मंदिर में भी भक्तों की भीड़ लगी रही। भगवान को पटना और बोना चढ़ाया जा रहा है. इसके अलावा, वेमुलावाड़ा, कोंडागट्टू, कुरावी वीरभद्र स्वामी, गुंजेडु मुसलम्मा, मेदाराम सम्मक्का और सरक्का मंदिर भक्तों से गुलजार हो गए हैं।

नलगोंडा नगरपालिका अध्यक्ष के खिलाफ 8 जनवरी को अविश्वास प्रस्ताव

नलगोंडा, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरपालिका अध्यक्ष मंदादी सैदी रेड्डी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए 8 जनवरी को विशेष नगरपालिका परिषद की बैठक आयोजित की जाएगी, जो बीआरएस उम्मीदवार के रूप में 17वें वार्ड से परिषद के लिए चुने गए थे। कुल 48 पार्षदों में से कांग्रेस पार्षदों ने 30 परिषद सदस्यों के हस्ताक्षर के साथ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस (फॉर्म-2) जिला कलेक्टर और नगरपालिका अध्यक्ष को सौंप दिया. पार्षदों के हस्ताक्षरों की सत्यता की जांच करने के बाद अधिकारियों ने अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए परिषद् की बैठक की तारीख तय की और 48 पार्षदों और दो पदेन सदस्यों को मतदान में भाग लेने के लिए सूचित किया।

नगरपालिका चुनावों में, कांग्रेस और बीआरएस ने 20-20 वार्ड जीते और शेष एमआईएम, भाजपा और सीपीआई (एम) ने जीते। लेकिन, बीआरएस परिषद अध्यक्ष पद पाने में कामयाब रही क्योंकि छह विधायकों और एमएलसी ने उन्हें प्रदान की गई सुविधा के अनुसार पदेन सदस्यों के रूप में अपना नाम दर्ज कराया और मतदान में भाग लिया। लेकिन, विधान सभा चुनाव के बाद स्थिति बदल गयी. चुनाव के दौरान आठ बीआरएस पार्षदों ने कांग्रेस के प्रति अपनी वफादारी बदल ली। कांग्रेस पार्षदों ने नगर पालिका चेयरमैन के खिलाफ जिला कलक्टर को अविश्वास प्रस्ताव भी सौंपा। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस पूर्ववर्ती नलगोंडा जिले में 13 नगर पालिकाओं के अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की दिशा में आगे बढ़ रही थी, जिसे सूर्यापेट, यादाद्री-भोंगिर और नलगोंडा जिलों में पुनर्गठित किया गया था।

वाहन बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले अंदर

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्राइम पीएस, डीडी, हैदराबाद सिटी की टीम-5 ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिंद्रा वाहनों को कम कीमत पर बेचने की आड़ में पीड़ित को धोखा देकर बेईमानी की और खुद को महिंद्रा सीआईई में महाप्रबंधक बताकर पीड़ितों से रकम का लालच दिया। मामले के तथ्य यह हैं कि, वी डैनी रत्नम निवासी हैदराबाद से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को जी एस चन्द्रशेखर बताया और खुद को महाप्रबंधक (एचआर) बताया। उन्होंने कहा कि वह शिकायतकर्ता सुरक्षा सेवाओं के पूर्व ग्राहक थे, उन्होंने उन्हें औद्योगिक पार्क इकाई, पालमनेर, एनएच 40 बेंगलुरु तिरुपति राजमार्ग, चित्तूर जिले में स्थित एक नई फैक्ट्री में सुरक्षा सेवाओं की आवश्यकता के बारे में बताया। बातचीत के बाद, शिकायतकर्ता ने एक कोटेशन प्रस्तुत किया, और बाद के पत्राचार ने शिकायतकर्ता की कंपनी सेवाओं को 25 जनवरी 2024 से शुरू करने की पुष्टि की। चर्चा के दौरान, कथित तौर पर महिंद्रा सीआईई ऑटोमोटिव लिमिटेड से चंद्रशेखर ने बिल्कुल नए आर एंड डी और डेमो खरीदने का अवसर बताया। कंपनी की वार्षिक नीलामी के माध्यम से रियायती कीमतों पर वाहन। शिकायतकर्ता ने साख और महिंद्रा सीआईई ऑटोमोटिव लिमिटेड के साथ कथित जुड़ाव पर भरोसा करते हुए 23 नवंबर से 25 नवंबर 2023 तक उनके खाता नंबरों में कुल 3,54,236 रुपये ट्रांसफर करके दो महिंद्रा बोलेरो एसएलएक्स वाहन बुक करने के लिए आगे बढ़े।

यह आश्वासन दिया गया था कि वाहनों को 27 नवंबर 2023 को शाम 5 बजे तक शिकायतकर्ता के परिसर में पहुंचा दिया जाएगा। हालांकि, चंद्रशेखर से संपर्क करने का प्रयास करने पर, उनका मोबाइल नंबर बंद पाया गया। शिकायतकर्ता द्वारा बाद में की गई पूछताछ से पता चला कि प्रदान किया गया बैंक खाता एक व्यक्ति के नाम पर था, जिससे शिकायतकर्ता को एहसास हुआ कि वे एक धोखाधड़ी योजना का शिकार हो गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में नवीन कुमार निवासी, शांति नगर, कथेरू, राजमंड्री, एपी, कंचर्ला मधु, निवासी, भरत नगर, कैथेरू, राजमंड्री, एपी, श्रीनिवास दुर्गा प्रसाद, निवासी एसएमआर लेआउट, द्वारका तिरुमला, राजमंड्री ,एपी शामिल हैं। आरोपी ने अपने सहयोगियों के साथ खुद को प्रतिष्ठित कंपनियों के अधिकृत प्रतिनिधियों के रूप में प्रस्तुत करके आसानी से पैसा कमाने की योजना बनाई। आरोपी व्यक्ति ने अपने सहयोगियों के साथ खुद को महिंद्रा ऑटोमोटिव लिमिटेड का महाप्रबंधक बताकर पीड़ित से संपर्क किया और उसे अपनी कंपनी में सुरक्षा अनुबंध की पेशकश करके प्रेरित किया।

सडक हादसे में पांच की मौत

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणपेट जिले में हुए सडक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गयी। यह हादसा उस समय हुआ जब दो कार आपस में टकरा गये। यह दुर्घटना नेशनल हाईवे 167 पर हुआ। रविवार को महबूबनगर जिले के जकलेर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 167 पर दो कार आपस में टकार गये। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि कार में सवार पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। एक कार में सवार दो व एक अन्य कार में सवार तीन लोगों की इस दुर्गटना में मौत हो गयी। घटना में तीन अन्य घंभीर रूप से घयल हो गये। इन्हे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के पास मौजूद आधार कार्ड और फोन नंबर के आधार पर उनकी शिनाख्त कर्नाटक और महाराष्ट्र के निवासियों के रूप में की गयी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की जांच-पडताल कर रही है।

टीडीपी के रणनीतिकार के रूप में प्रशांत किशोर की वापसी से आंध्र राजनीति में हलचल

अमरावती, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले दिलचस्प घटनाक्रम देखने को मिल रहा है। टीडीपी-जेएसपी गठबंधन के चुनावी बिगुल फूँकने के कुछ दिन बाद पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शीर्ष चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर से मुलाकात की है। तेलंगाना चुनाव के नतीजे आंध्र प्रदेश में दोहराने की संभावना को देखते हुए नायडू मजबूती के लिए तेजी से कदम उठा रहे हैं।

प्रशांत किशोर एक विशेष विमान से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव नारा लोकेश के साथ विजयवाड़ा पहुंचे और फिर शनिवार को नायडू के साथ बैठक के लिए अमरावती चले गए। तीन घंटे तक चली बैठक में टीडीपी के मौजूदा रणनीतिकारों ने भी भाग लिया। इस मुलाकात ने राज्य की राजनीति में तूफान ला दिया। हालांकि प्रशांत किशोर ने इसे केवल एक वरिष्ठ राजनेता के साथ शिष्टाचार मुलाकात बताया, लेकिन इसकी टाइमिंग से अटकलें तेज हो गई हैं कि टीडीपी ने उन्हें रणनीतिकारों के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में शामिल किया है। प्रशांत किशोर ने ही 2019 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) को टीडीपी से सत्ता छीनने में मदद की थी। इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आई-पीएसी) के संस्थापक ने उस रणनीति को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिससे जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली पार्टी की भारी जीत हुई थी।

वाईएसआरसीपी ने 175 सदस्यीय विधानसभा में 151 सीटें हासिल की थीं। उसी वर्ष 25 में से 22 लोकसभा सीटें भी जीती थीं। सीटों के मामले में यह आई-पीएसी को किसी भी अभियान में मिला सबसे अच्छा परिणाम था। रणनीतिकार के अपने शब्दों में, वाईएसआरसीपी के साथ काम करना एक प्रतिबद्धता थी जो उन्होंने जगन मोहन रेड्डी को दी थी। आई-पीएसी के संरक्षक और सलाहकार के रूप में, उन्होंने चुनाव रणनीति का सफल कार्यान्वयन सुनिश्चित किया। 2018 में राजनीति में उतरने से पहले प्रशांत किशोर ने घोषणा की थी कि वह किसी के लिए प्रचार नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने वाईएसआरसीपी के साथ काम पूरा किया क्योंकि उन्होंने पहले ही जगन रेड्डी के प्रति प्रतिबद्धता जताई थी। वह जगन रेड्डी के पिता और दिवंगत मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के बहुत बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने एक बार वाईएसआरसीपी नेता से कहा था कि उन्हें पार्टी की मदद करने में खुशी होगी। उन्होंने 2017 में राजनीतिक रणनीतिकार के साथ व्यक्तिगत रूप से जगन रेड्डी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ रणनीति सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित करके काम करना शुरू किया।

इसके बाद आई-पीएसी टीम ने संगठन को मजबूत करने और पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए पार्टी के लिए कई अभियान शुरू किए। आई-पीएसी ने 709 दिन में 35 अभियानों का प्रबंधन किया, जिनमें 18 ऑनलाइन थे। राजनीतिक परामर्श फर्म ने पार्टी के लिए रणनीति तय करने और पटकथा तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे अंततः वाईएसआरसीपी की जीत हुई। इस रणनीति के तहत पार्टी लोगों तक पहुंची और मतदाताओं से सीधा संबंध स्थापित किया। जगन की 14 महीने लंबी पदयात्रा इसी प्रयास का हिस्सा थी।

लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव केवल चार-पाँच महीने दूर हैं, ऐसे में प्रशांत किशोर की नायडू से मुलाकात ने राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। ऋषि राय सिंह की अध्यक्षता वाली आई-पीएसी ने स्पष्ट किया है कि वह 2024 में वाईएसआरसीपी के लिए फिर से प्रचंड जीत हासिल करने के लिए काम करना जारी रखेगी। ऐसे संकेत हैं कि प्रशांत किशोर शांतनु सिंह के नेतृत्व वाली टीम का मार्गदर्शन कर सकते हैं जो वर्तमान में टीडीपी के अभियान को संभाल रही है। सिंचाई मंत्री और वाईएसआरसीपी नेता अंबाती रामबाबू ने पूछा कि अगर सामान ही खराब है, तो एक शिल्पकार से क्या उम्मीद की जा सकती है।

रामबाबू ने टिप्पणी की, यह पीके या वह पीके (नायडू के गठबंधन सहयोगी पवन कल्याण) टीडीपी को बचाने में मदद नहीं कर सकते। पार्टी एक मृत शरीर की तरह है, कोई भी पीके इसे पुनर्जीवित नहीं कर सकता। उन्होंने टीडीपी की उस राजनीतिक रणनीतिकार के साथ जुड़ाव की विडंबना को रेखांकित किया जिसकी उसने पहले आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि यह वही राजनीतिक दल है जिसने पहले किशोर को 'बिहार का डकैत' कहकर उनकी आलोचना की थी और उनका अपमान किया था।

रामबाबू ने यह भी याद दिलाया कि नायडू ने पहले विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर जगन रेड्डी पर हमले, विवेकानंद रेड्डी की हत्या और सांप्रदायिक तनाव पैदा होने जैसी घटनाओं के लिए प्रशांत किशोर द्वारा की गई राजनीतिक नौटंकी को जिम्मेदार ठहराया था। पिछले कुछ महीनों से अटकलें लगाई जा रही हैं कि पीके, जैसा कि प्रशांत किशोर राजनीतिक हलकों में लोकप्रिय हैं, इस बार टीडीपी के लिए रणनीति तैयार करने में मदद करेंगे।

हैदराबाद से तिरुपति और काकीनाडा टाउन के लिए विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे हैदराबाद-तिरुपति-हैदराबाद और हैदराबाद-काकीनाडा टाउन-हैदराबाद के बीच 20 विशेष ट्रेनें चलाएगा।ट्रेन नंबर 07489 हैदराबाद-तिरुपति 18.15 (शुक्रवार) को शुरू होती है और 29 दिसंबर, 2023 को 07.50 (शनिवार) पर पहुंचती है। ट्रेन नंबर 07490 तिरुपति-हैदराबाद 20.25 (शनिवार) को शुरू होती है और 30 दिसंबर, 2023 को 08.50 (रविवार) पर पहुंचती है। ट्रेन नंबर 07449 हैदराबाद-तिरुपति 18.10 (बुधवार) को रवाना होती है और 27 दिसंबर, 2023 को 06.45 (गुरु) पर पहुंचती है। ट्रेन नंबर 4 07450 तिरुपति-हैदराबाद 17.15 (गुरुवार) को रवाना होती है और 28 दिसंबर, 2023 को 07.30 (शुक्रवार) को गंतव्य पर पहुंचती है। ट्रेन नंबर 07451 हैदराबाद-काकीनाडा टाउन 20.30 (शुक्रवार) को रवाना होती है और 29 दिसंबर, 2023 को 08.00 बजे (शनिवार) पहुंचती है। ट्रेन नंबर 07452 काकीनाडा टाउन-हैदराबाद 21.00 (शनिवार) को शुरू होती है और 30 दिसंबर, 2023 को 09.00 (रविवार) को गंतव्य पर पहुंचती है।

ट्रेन संख्या 07489/07490 हैदराबाद-तिरुपति-हैदराबाद विशेष ट्रेनें (दो सेवाएं): ये विशेष ट्रेनें सिकंदराबाद, नलगोंडा, मिर्यालागुडा, नादिकुडे, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी। दोनों दिशाओं में. इन सभी विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.